जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Bhagwan Ka Plot

"If there is any religious structure in the middle of the road, be it gurudwara or dargah or temple, it cannot obstruct public." (Justice B.R. Gavai, Supreme Court of India, 2024)

Chilika Turns Pink Again

Bringing the Mountains and the Winter Chill to Jaipur!

टैक्सस में विशाल ऑयल रिफाइनरी लगाएंगे अंबानी

यह गत 50 सालों में अमेरिका में बनने वाली सबसे बड़ी रिफाइनरी होगी

- अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो इसी सिलसिले में जामनगर आ रहे हैं और यहाँ वे अंबानी से वार्ता करेंगे।
- चर्चा है कि रिलायंस कंपनी, अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग कंपनी के साथ मिल कर टैक्सस के ब्राउन्सविल में विशाल रिफाइनरी लगा रही है।
- इससे न केवल अंबानी का दुनिया भर में रूतबा बढ़ेगा, बल्कि यह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के लिए भी महत्पूर्ण है, क्योंकि उनके कार्यकाल में अमेरिका की सबसे बड़ी रिफाइनरी लगेगी, यह उनकी ऊर्जा नीति की बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी का प्रस्तावित दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत-अमेरिका सम्बन्ध एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। वॉशिंगटन जहां ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग और वाणिज्यिक निवेश बढ़ाना चाहता है, वहीं वह रूसी तेल की खरीद को लेकर नई दिल्ली पर दबाव भी बना रहा है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के नए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन टैरिफ, आव्रजन तथा प्रौद्योगिकी बाजार तक पहुंच को लेकर उनके बीच मतभेद भी बढ़ रहे हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, रुबियो 17 से 22 अक्टूबर के बीच मुंबई और जामनगर का दौरा करेंगे। इस साल भारत की यह उनकी दूसरी यात्रा होगी। इस दौरान वे वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों और कारोबारी नेताओं के साथ मीटिंग भी करेंगे। इनका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना, ऊर्जा सहयोग का विस्तार करना और निवेश के अवसर तलाशना है।

जामनगर का चयन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। गुजरात के इस शहर में दुनिया का सबसे बड़ा तेल शोधन परिसर है, जिसे रिलायंस संचालित करती है। कंपनी अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग के साथ साझेदारी में टैक्सस के ब्राउन्सविल में प्रस्तावित रिफाइनरी में निवेश की योजना भी बना रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस परियोजना को पिछले 50 वर्षों में अमेरिका में बनने वाली पहली बड़ी नई तेल रिफाइनरी बताया है। इसलिए यह उनकी ऊर्जा नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रस्तावित निवेश से वॉशिंगटन को रिलायंस के साथ व्यावसायिक संबंध गहरे करने का व्यवसायिक प्रोत्साहन मिलेगा। रिलायंस भारत की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी ऊर्जा कंपनियों में से एक है। ट्रंप प्रशासन के लिए यह परियोजना घरेलू स्तर पर ईंधन प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने, विदेशी पूंजी आकर्षित करने और यह दिखाने का अवसर हो सकती है कि भारत के साथ व्यावसायिक साझेदारी से ठोस आर्थिक लाभ हासिल किए जा सकते हैं।

नई दिल्ली के लिए ऊर्जा क्षेत्र में करीबी सहयोग, व्यापार और भू-राजनीति को लेकर मतभेद बने रहने के बावजूद, वॉशिंगटन के साथ आर्थिक संबंधों को बनाए रखने में मददगार हो सकता है। हालांकि, रिफाइनरी परियोजना का लंबा विकास इतिहास और फाइनैंस से जुड़ी चुनौतियां बताती हैं कि इसके क्रियान्वयन को आसान नहीं समझना चाहिए।

तत्काल कूटनीतिक चुनौती भारत की रूसी तेल खरीद के भविष्य को लेकर है। वॉशिंगटन ने रूसी ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने की धमकी दी है। इससे नई दिल्ली में ऊर्जा सुरक्षा, आयात लागत और घरेलू ईंधन आपूर्ति की स्थिरता पर संभावित असर को लेकर चिंता बढ़ी है।

भारत यह तर्क दे सकता है कि ऊर्जा खरीद से जुड़े फैसले राष्ट्रीय जरूरतों और बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होने चाहिए। दंडात्मक टैरिफ के जरिए तेल आपूर्ति सीमित करने की किसी भी कोशिश से द्विपक्षीय व्यापार वार्ता जटिल हो सकती है और भारतीय रिफाइनरियों तथा उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। रुबियो का दौरा ऐसे समय भी हो रहा है, जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पानी की बोतल पर 2 रूपए ज्यादा लेना महंगा पड़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। पानी की एक बोतल के लिए महज 2 रुपये अतिरिक्त वसूलना उत्तर प्रदेश के हाथरस स्थित एक रेस्टोरेंट को महंगा पड़ गया। अलीगढ़ के जिला उपभोक्ता आयोग ने बीबीसीएन रॉयल रेस्टोरेंट एंड पार्टी हॉल

- यूपी में हाथरस के एक रैस्त्रां पर ग्राहक से पानी की बोतल पर 2 रूपए ज्यादा लेने पर जिला उपभोक्ता आयोग ने एक लाख रूपए का जुर्माना लगाया तथा ग्राहक को एक हजार रूपए हर्जाना व 5,000 रूपए कानूनी खर्च के लिए देने का आदेश भी दिया।

पर बोतल की मैक्ज़िमम रिटेल प्राइस (एमआरपी) से ज्यादा दाम वसूलने के मामले में 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने रेस्टोरेंट को शिकायतकर्ता को 1,000 रुपये मुआवजा और कानूनी खर्च के रूप में 5,000 रुपये देने का भी आदेश दिया है।

यह घटना 11 मार्च, 2026 की है, जब अलीगढ़ निवासी अंकुर अग्रवाल भोजन करने के लिए हाथरस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'धर्म परिवर्तन करने पर जातिगत आरक्षण नहीं मिलेगा'

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराया और कहा कि हिंदू सिख व बौद्ध धर्म मानने वालों को ही आरक्षण का लाभ मिलेगा

- यह विवाद तमिलनाडु सरकार के 9 मार्च 2024 के एक सरकारी आदेश से जुड़ा है, जिसमें पिछड़ा व अति पिछड़ा वर्ग के उन लोगों को भी आरक्षण का लाभ देने का प्रावधान था, जिन्होंने इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लिया है।
- पर, मद्रास हाई कोर्ट ने इस सरकारी आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि ईसाई और इस्लाम धर्म के सिद्धांतों में जाति व्यवस्था नहीं है, इसलिए ये धर्म अपनाने वाले हिंदू के रूप में अपनी जाति के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं ले सकते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को, मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए, फैसला सुनाया कि हिंदू धर्म छोड़कर किसी दूसरे धर्म को अपनाने वाले लोगों को जाति आधारित रिज़र्वेशन का लाभ नहीं मिलेगा।

अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत मिलने वाले आरक्षण का दावा केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि व्यक्ति पहले हिंदू धर्म में था और उस समय उसे सामाजिक पिछड़ेपन का सामना करना पड़ता था। गैर-हिंदू धर्म अपनाने के बाद, वह इस आधार पर आरक्षण का दावा नहीं कर सकता।

न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की अगुवाई वाली पीठ ने कहा, "पहले की सामाजिक व्यवस्था में झेले गए पिछड़ेपन के आधार पर किसी व्यक्ति को उस धर्म में पिछड़े वर्ग का दर्जा नहीं दिया जा सकता, जिसे उसने धर्म परिवर्तन के बाद अपनाया है।

पीठ ने आगे कहा कि संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के पैराग्राफ 3 के अनुसार, अनुसूचित जाति का दर्जा केवल उन्हीं व्यक्तियों को दिया जा सकता है, जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म में आस्था रखते हैं।

यह विवाद तमिलनाडु सरकार के 9 मार्च 2024 को जारी एक सरकारी आदेश से जुड़ा है। इस सरकारी आदेश के तहत पिछड़े वर्ग (बैकवर्ड क्लास), अति पिछड़ा वर्ग, विमुक्त समुदायों या अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को मुस्लिम समुदाय के सात मान्यता प्राप्त पिछड़े वर्गों में से किसी एक का सामुदायिक प्रमाणपत्र देने की अनुमति दी गई थी। इनमें "मुस्लिम लेब्बाई" समुदाय भी शामिल था।

अपने बचाव में राज्य सरकार ने कहा कि इस आदेश का उद्देश्य धर्म

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस साल के अंत तक शुरु हो जाएगी मुंबई मैट्रो

एल्स्टॉम इंडिया के संयंत्र में 6 डिब्बों वाली प्रोटोटाइप मैट्रो रेल का अनावरण हुआ

- एल्स्टॉम इंडिया कंपनी मुंबई मैट्रो के लिए लार्सन एण्ड टूब्रो को 39 ड्राइवर लैस मैट्रो ट्रेनें उपलब्ध कराएगी और सिग्नल सिस्टम, डिपो से जुड़े उपकरण भी देगी और 5 साल तक इनका रख रखाव भी करेगी।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। मुंबई में नई मेट्रो लाइन को साल के अंत तक आंशिक रूप से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। बुधवार को एल्स्टॉम इंडिया के श्री सिटी स्थित संयंत्र में लाइन 4 (जिसे ग्रीन लाइन भी कहा जाता है) और लाइन 4ए के लिए छह डिब्बों वाली पहली प्रोटोटाइप मेट्रो ट्रेन को ऑन्च किया गया। इस अवसर पर लार्सन एंड टुब्रो के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। ये दोनों लाइनें वडाला-घाटकोपर-ठाणे-गाइमुख के लगभग 35 किलोमीटर लंबे मार्ग को कवर करेंगी। इन लाइनों पर अगस्त 2027 तक पूरी तरह से व्यावसायिक परिचालन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

एल्स्टॉम इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो को बिना चालक चलने वाली (ड्राइवरलैस) 39 मेट्रो ट्रेनें उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा, कंपनी सिग्नलिंग प्रणाली, डिपो से जुड़े उपकरण और पांच साल तक रखरखाव की सुविधा भी देगी। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने लाइन 4 और लाइन 4ए के लिए एकीकृत प्रणाली उपलब्ध कराने का ठेका लार्सन एंड टुब्रो को दिया था।

एल्स्टॉम जुलाई 2027 तक मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए), जो इन लाइनों का संचालन करेगा, को छह डिब्बों वाली 39 ट्रेनें, यानी कुल 234 डिब्बे बनाकर उपलब्ध कराएगी।

रिकॉर्ड 14 महीनों में तैयार की गई इन नई ट्रेनों को 90 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम स्पीड और 80 किलोमीटर प्रति घंटे की ऑपरेशनल स्पीड के लिए डिजाइन किया गया है। यात्रियों को अधिक आराम देने के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक नवम्बर से कॉलर आईडी अनिवार्य

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। भारत सरकार ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टैलिकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स) को 1 नवंबर से सभी यूज़र्स के लिए कॉलर आईडी की सुविधा अनिवार्य करने का निर्देश दिया है। इस तारीख से जब भी

- भारत सरकार ने दूरसंचार सेवा देने वाली कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि कॉल करने वाले का नम्बर और नाम यूज़र के फोन को स्क्रीन पर दिखाई दे।

आपके फोन पर कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर डिफॉल्ट रूप से कॉल करने वाले का नंबर और नाम दिखाई देगा।

दूरसंचार विभाग ने टैलिकॉम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर सख्ती का कोई खेद नहीं

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए होते तो राजधानी में कानून व्यवस्था बिगड़ जाती

- दिल्ली पुलिस ने रेल व मैट्रो नहीं रोके जाने के अदालती आदेश की अवमानना याचिका पर जवाब पेश करते हुए रेल व मैट्रो पर रोक लगाने के लिए माफी मांगी, पर कहा कि दिल्ली में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह बेहद जरुरी था।
- पुलिस ने कहा कि इस वजह से 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में हालात सामान्य रह पाए।
- पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने कहा, पुलिस के वास्तविक प्रयासों के बाद भी गलत नैरेटिव फैलाया जा रहा है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। सत्तारूढ़ दल की मौजूदा सोच को दर्शाते हुए, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि पुलिस ने समय पर, उचित और कानून-सम्मत कदम उठाए, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में 10 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की बड़ी समस्या को टाला जा सका।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किये गये एक हलफनामे में कुमार ने अदालत की अवमानना के एक मामले में बिना किसी शर्त के और पूरी तरह माफी मांगी। यह मामला विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली में मेट्रो और ट्रेन सेवाओं पर पूरी तरह रोक नहीं लगाने के अदालत के निर्देश के कथित उल्लंघन से जुड़ा था।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह हलफनामा पुलिस द्वारा जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और प्रदर्शनकारियों के साथ कथित सख्ती के आरोपों के जवाब में दी गई एक सामान्य प्रतिक्रिया है।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि 10 अक्टूबर को उठाए गए एहतियाती कदम खुफिया जानकारी और मौके की मौजूदा तथा लगातार बदलती स्थिति के आकलन पर आधारित थे। उन्होंने दिल्ली में मेट्रो रेल सेवाओं को नियंत्रित करने सहित, पुलिस प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, "इन उपायों का उद्देश्य शांति बनाए रखना और राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना था।"

कुमार ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि दिल्ली देश की राजधानी है और यहां की स्थिति से जुड़ी कुछ खास संवेदनशीलताएं हैं।

हलफनामे में कहा गया, "कोई भी पुलिस प्रशासन राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था का उल्लंघन होने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमन राष्ट्रपति भवन पर हूती विद्रोहियों ने मिसाइलें दागीं

अदन, 15 अक्टूबर। यमन की अंतरिम राजधानी अदन में हूती विद्रोहियों ने राष्ट्रपति भवन परिसर पर कई मिसाइलें दागीं। हमले में चार लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जिनमें दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। समाचार

- हमले के समय प्रधानमंत्री व कई मंत्री राष्ट्रपति भवन परिसर में थे।

एजेंसी "रॉयटर्स" ने यमन के सूचना मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। हमले के समय सऊदी अरब समर्थित यमन सरकार के प्रधानमंत्री और कई मंत्री परिसर में मौजूद थे। लेकिन सरकार के शीर्ष अधिकारी इस हमले में बाल-बाल बच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शहर में सरकारी महल के पास कम से कम छह धमाके हुए। इस महल का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकारी तबादलों में मनमानी रोकने के लिए राजस्थान हाईकोर्ट को आगे आना पड़ा

न्यायाधीश समीर जैन ने गत 17 अगस्त को आदेश दिए थे कि राज्य सरकार 2 माह में राज्य स्तरीय कमेटी बनाकर नीति निर्धारण करे

- इस आदेश के 2 माह बाद भी तबादला नीति तो नहीं बनी, लेकिन हाईकोर्ट के निर्देश पर कौशल-उद्यमिता विभाग ने स्वतः ही फॉर्मेट बना लिया है, जो अन्य विभाग भी अपना सकते हैं।
- प्रदेश में तबादला नीति की मांग कई वर्षों से लंबित है, क्योंकि सरकारी ट्रांसफर में खुलेआम रिश्वतखोरी के आरोप लगते हैं, जिनका उदाहरण पिछली अशोक गहलोत की सरकार में शिक्षा सम्मेलन में सामने आया था।
- हाईकोर्ट ने कहा कि तबादले से पूर्व कार्मिक की चिकित्सा संबंधी तथा पारिवारिक परिस्थितियां देखी जाएं। साथ ही पद की उपलब्धता देखी जाए, साथ ही यह भी देखा जाए कि क्या दुर्भावना-द्वेषता के कारण या फिर कार्मिक को फायदा पहुंचाने के लिए तो ट्रांसफर नहीं किया जा रहा है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान में सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले किस तरह से किए जा रहे हैं, इस संदर्भ में कोई भी स्पष्ट नीति नहीं है। इस कारण मनमाने तरीके, निजी द्वेषता व चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रांसफर आदेश जारी करना आम बात है। हालांकि ट्रांसफर करना राज्य सरकार का प्रशासनिक अधिकार हैं, परंतु क्या यह अधिकार कानूनी प्रावधानों से ऊपर है? राजस्थान में तबादलों को लेकर हमेशा से ही तबादला नीति की मांग रही है। इसका कारण यह भी है कि सरकारी तबादलों में खुलेआम रिश्वतखोरी और मोटी रकम देकर मनमानी पोस्टिंग लेने का रिवाज सा हो गया है। इसका उदाहरण पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में खुलेआम देखने को मिला था, जब शिक्षा विभाग के सम्मेलन में पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षकों से पूछा था कि, क्या उन्हें तबादलों के लिए पैसे देने पड़ते हैं तो कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों ने खुलेआम हामी भरी थी। हैरानी की बात है कि इन सार्वजनिक रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद भी पिछली सरकार ने राजस्थान में स्पष्ट तबादला नीति बनाने की कोशिश नहीं की। इससे आहत 390 प्रकरण राजस्थान हाईकोर्ट में पहुंचे, जिन्हें अदालत में जाकर तबादला नीति के लिए गुहार लगानी पड़ी।

राजस्थान हाईकोर्ट में इन 390 प्रकरणों पर 17 अगस्त 2026 को एकसाथ सुनवाई हुई, जिसमें न्यायाधीश समीर जैन ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में स्पष्ट तबादला नीति लाई जाए। परंतु हैरानी की बात है कि इस आदेश के 2 माह बाद भी न तो प्रदेश सरकार ने इस संबंध में कोई कदम उठाया है और न इसने हाईकोर्ट में कोई अपील दायर की, इस वजह से हाईकोर्ट का आदेश तो बाध्यकारी हो गया है, परंतु कोई ट्रांसफर नीति अभी भी क्रियान्वित नहीं है।

हालांकि कौशल-उद्यमिता विभाग ने हाईकोर्ट के इस आदेश के क्रम में 14 अक्टूबर को आदेश जारी कर सभी विभागाध्यक्षों को तबादला प्रस्तावों के साथ निर्धारित बिंदुओं पर विस्तृत टिप्पणी देना अनिवार्य किया है। इसका कारण यह है कि इन 390 प्रकरणों में कुछ मामले इस विभाग से भी जुड़े हैं, इस कारण कौशल-उद्यमिता विभाग ने अपनी जवाबदेही स्वयं तय करते हुए इस दिशा में कदम बढ़ाया है। इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आमिर खान के भांजे इमरान को भारत छोड़ने का नोटिस

मुंबई, 15 अक्टूबर। बॉलीवुड अभिनेता और आमिर खान के भांजे अभिनेता इमरान खान को मुंबई पुलिस ने 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस दिया है। उन पर मुंबई में मुख्य

- अमेरिकी नागरिक होते हुए इमरान ने मुंबई में चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लिया।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का आरोप है। यह प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी के आव्हान पर किया गया था।

इस मामले में भाजपा नेता किरीट सोमैया की शिकायत के बाद पुलिस की कार्रवाई सामने आई है। आरोप है कि प्रदर्शन में शामिल होकर इमरान खान ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिसने अकेले रह कर अकेलेपन को जीता उसने सब कुछ जीता। –अज्ञात

सशक्त गांव ही राजस्थान का भविष्य है

राजस्थान केवल रेगिस्तान, किले, झीलें और रंग-बिरंगी संस्कृति का प्रदेश नहीं है; यह गांवों का प्रदेश है। यहां की आत्मा गांवों में बसती है, यहां की अर्थव्यवस्था की जड़ें खेती, पशुपालन, शिल्प और सामूहिक जीवन में गहरी हैं। शहरीकरण और औद्योगिक विकास आवश्यक हैं, परंतु जब तक गांव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल, सड़क, बिजली और डिजिटल सुविधाओं से सशक्त नहीं होंगे, तब तक राज्य का विकास अधूरा रहेगा। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि सशक्त गांव ही राजस्थान का वास्तविक भविष्य है। गांव केवल जनसंख्या के निवास स्थान नहीं हैं, बल्कि वे राज्य की खाद्य सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान, पर्यावरण संतुलन और सामाजिक स्थिरता के आधार हैं। राजस्थान में कृषि क्षेत्र लाखों किसानों और कृषि श्रमिकों को रोजगार देता है, जिससे स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था राज्य की सबसे बड़ी जीवनरेखा है।

राजस्थान का गांव विविधता का संगम है। यहां थार के रेगिस्तान के गांव हैं, अरावली की गोद में बसे पहाड़ी गांव हैं, हाड़ौती के उपजाऊ मैदान हैं, मेवाड़ और मारवाड़ के ऐतिहासिक गांव हैं तथा पूर्वी राजस्थान के हरे-भरे कृषि क्षेत्र हैं। प्रत्येक क्षेत्र की भूगोलिक परिस्थिति, जल उपलब्धता, फसल पैटर्न, भाषा, रीति-रिवाज और आजीविका के साधन अलग-अलग हैं। इसी विविधता में राज्य की शक्ति भी है और चुनौती भी। एक ही ढांचे या एक ही नीति से सभी गांवों का विकास संभव नहीं है। रेगिस्तानी गांवों में जल प्रबंधन सर्वोपरि है, जबकि कृषि प्रधान क्षेत्रों में सिंचाई, बाजार, भंडारण और कृषि-आधारित उद्योगों को प्राथमिकता देनी होगी। इसलिए सशक्त गांव का अर्थ केवल सड़क और बिजली तक सीमित नहीं होना चाहिए; इसका अर्थ है स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप समठा और टिकाऊ विकास।

गांव की सबसे बड़ी समस्या जल की है। राजस्थान जल की कमी वाला राज्य है, जहां वर्षा अनियमित है, भूजल गिरता जा रहा है और कई क्षेत्रों में पीने के पानी के लिए महिलाओं व बच्चों को किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। जल की समस्या केवल प्यास बुझाने की समस्या नहीं है; यह कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्या है। जहां पानी नहीं, वहां फसल नहीं; जहां फसल नहीं, वहां आजीविका नहीं; और जहां आजीविका नहीं, वहां पलायन अनिवार्य हो जाता है। इसलिए गांवों को सशक्त बनाने का पहला कदम जल संरक्षण है। तालाबों, नालों, कुओं, बावड़ियों और चेक डैमों का पुनरुद्धार, वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण तथा भूजल पुनर्भरण को ग्राम स्तर पर जन-आंदोलन बनाना होगा। राज्य सरकार ने आगामी वर्षों में हजारों गांवों में लाखों जल संचयन एवं जल संरक्षण संरचनाएं बनाने का लक्ष्य रखा है, जिससे जल संकट से निपटने की दिशा में एक सकारात्मक पहल दिखती है। परंतु ये योजनाएं तभी सफल होंगी, जब ठााम सभा, स्वयंसेवी संस्थाएं, युवा, महिलाएं और किसान इन्हें अपना संकल्प बनाएं। कोटरी गांव जैसे उदाहरण बताते हैं कि तकनीक के साथ सामुदायिक भागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही जुड़े तो जल प्रबंधन में स्थायी परिवर्तन संभव है।

गांव की दूसरी आधारशिला कृषि है। राजस्थान के किसान बाजरा, ज्वार, गेहूं, चना, सरसों, मूंग, मोठ, ग्वार, इसबगोल, कपास और मसालों जैसी फसलें उगाते हैं। राज्य कृषि उत्पादन में अग्रणी है, पर किसान की आय अक्सर उतनी सुरक्षित नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। बीज, खाद, बिजली, डीजल, परिवहन और बाजार की लागत बढ़ती रहती है, जबकि उपज का दाम अनिश्चित रहता है। सशक्त गांव के लिए कृषि को केवल अनाज उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि आय-वृद्धि का व्यवसाय बनाना होगा। इसके लिए उन्नत बीज, जैविक खाद, ड्रिप सिंचाई, फसल विविधीकरण, खाद्य प्रसंस्करण, ठंडा भंडारण, किसान उत्पादक संगठन और सीधे बाजार से जुड़ाव आवश्यक है। गांवों में कृषि-आधारित लघु उद्योग खड़े हों तो किसान को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलेगा और युवाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में हथकरघा, खाद्य प्रसंस्करण, मृदा शिल्प, चमड़ा उद्योग, मधुमक्खी पालन जैसे कार्य रोजगार के महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं, जो दर्शाते हैं कि गांव में गैर-कृषि रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

पशुपालन राजस्थान की ठाामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। गाय, भैंस, ऊंट, बकरी, भेड़ और बकरियों से दूध, घी, ऊन, दूध उत्पाद तथा जैविक खाद प्राप्त होती है। शुष्क क्षेत्रों में जहां फसल बार-बार जोखिम में रहती है, वहां पशुपालन किसान की आय का स्थायी सहारा बन सकता है। इसके लिए चारागाहों का विकास, पशु चिकित्सा सेवाएं, दुग्ध संग्रह केंद्र, दूध प्रसंस्करण इकाइयां और पशु बीमा आवश्यक हैं। राज्य सरकार की ओर से ग्राम पंचायत स्तर पर चारागाह विकास आधारित गौशाला या आश्रय स्थल बनाने की पहल भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संतुलन से जोड़ी गई है। ऐसे केंद्रों से कंपोस्ट खाद का उत्पादन होगा, जिससे किसानों की खाद लागत घटेगी और जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रकार पशुपालन केवल धार्मिक या सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि ग्रामीण आय, पोषण और पर्यावरण का व्यावहारिक आधार भी है।

गांव को सशक्त बनाने में शिक्षा की भूमिका सर्वाधिक निर्णायक है। यदि गांव का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं पाता, तो वह विकास का सहभागी नहीं बन पाएगा। राजस्थान के कई गांवों में स्कूल तो हैं, पर शिक्षकों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की कमी, डिजिटल साधनों का अभाव और बालिकाओं की शिक्षा में बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। सशक्त गांव वह है, जहां हर बच्चा स्कूल जाए, हर बालिका को सुरक्षित शिक्षा मिले, हर स्कूल में प्रशिक्षित शिक्षक हों और शिक्षा रोजगार, कौशल तथा आत्मनिर्भरता से जुड़ी हो। गांव के स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, संचार कौशल, कृषि तकनीक, स्वास्थ्य जागरूकता और उद्यमिता की शिक्षा देनी चाहिए। शिक्षा केवल डिग्री देने का साधन नहीं, बल्कि गांव की सोच बदलने और नई पीढ़ी को विकास के नेतृत्व के लिए तैयार करने का साधन होनी चाहिए।

गांव की संस्कृति राजस्थान की पहचान है। लोकगीत, कथा, भजन, नृत्य, मेले, त्योहार, लोकदेवता, कठपुतली, पप्पूजी की गाथा, मीरा, गोपीचंद, तेजाजी, पाबूजी और रामदेवजी की परंपराएं गांवों में जीवित हैं। ये केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों, साहस, सहिष्णुता, पर्यावरण प्रेम और सामूहिकता के वाहक हैं। शहरीकरण और सोशल मीडिया के प्रभाव में यह धरोहर कमजोर हो रही है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के बिना गांव सशक्त नहीं हो सकता। गर्भवती महिला को प्रसव के समय नजदीक अस्पताल चाहिए, बच्चे को टीकाकरण और पोषण चाहिए, बुजुर्गों को नियमित उपचार चाहिए और युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य तथा नशा मुक्ति की जागरूकता चाहिए। गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दवाओं की उपलब्धता, दक्ष स्वास्थ्यकर्मी, मोबाइल एम्बुलेंस, टेलीमेडिसिन और पोषण केंद्रों को मजबूत करना होगा। स्वास्थ्य पर खर्च व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र और राज्य की सबसे बड़ी पूंजी में निवेश है। जब गांव का नागरिक स्वस्थ रहेगा, तभी वह खेती, शिक्षा, उद्योग और समाज सेवा में पूरी क्षमता से योगदान दे पाएगा।

रोजगार की समस्या गांवों के पलायन का मुख्य कारण है। युवा शिक्षा के बाद रोजगार की तलाश में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अहमदाबाद, मुंबई या दिल्ली जाने को विवश होते हैं। इससे गांव में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे अधिक रह जाते हैं, जबकि युवा ऊर्जा शहरों की ओर प्रवासित हो जाती है। इसे रोकने के लिए गांवों में रोजगार के नए अवसर बनाने होंगे। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना जैसी योजनाओं से ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिलता है। राजस्थान में इस योजना के तहत वर्ष 2024-25 में लाखों परिवारों को रोजगार दिया गया और करोड़ों मानव-दिवस का सृजन हुआ, जो ग्रामीण आजीविका के लिए महत्वपूर्ण सहारा है। परंतु मजदूरी-आधारित रोजगार के साथ-साथ स्थायी आजीविका भी बनानी होगी। इसके लिए कौशल प्रशिक्षण केंद्र, महिला स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण उद्यिमता, ई-कॉमर्स, डिजिटल सेवाएं, पर्यटन, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण और नवीकरणीय ऊर्जा को गांवों तक ले जाना होगा।

महिला सशक्तिकरण गांव की प्रगति का सबसे तेज मार्ग है। जब गांव की महिला आर्थिक रूप से सक्षम होती है, तो परिवार का पोषण, बच्चों की शिक्षा और समाज का स्वास्थ्य बेहतर होता है। स्वयं सहायता समूहों ने गांवों में महिलाओं को बचत, ऋण, उद्यम और नेतृत्व का अवसर दिया है। राजस्थान में हजारों गांवों में लाखों स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं और इनसे लाखों ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए हैं। इन समूहों को केवल बचत समूह नहीं, बल्कि उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और सामाजिक नेतृत्व के केंद्र बनाना चाहिए। महिलाओं को पंचायतों में नाममात्र की भागीदारी नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी चाहिए। जब महिला ग्राम सभा में बोलेगी, जल, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर आवाज उठाएगी, तब गांव का विकास अधिक संतुलित होगा।

पंचायती राज गांव की लोकतांत्रिक रीढ़ है। ग्राम पंचायत केवल सरकारी योजनाओं को लागू करने वाली इकाई नहीं है; वह गांव की आकांक्षाओं को नीति में बदलने वाली संस्था है। दुर्भाग्य से कई स्थानों पर पंचायतें भ्रष्टाचार, अनियमितता, राजनीतिक हस्तक्षेप और योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं दे पातीं। सशक्त गांव के लिए पारदर्शी पंचायत, सामाजिक अंकेक्षण, जन सुनवाई, समयबद्ध कार्य और जनता की सीधी भागीदारी आवश्यक है। ग्राम सभा को केवल औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि गांव के विकास का संसद बनाना होगा। जल, चारागाह, वन, सार्वजनिक भूमि और साझा संसाधनों की रक्षा की जिम्मेदारी सबसे अधिक ग्राम पंचायतों की है। ये संसाधन ग्रामीण आजीविका और पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

पर्यावरण और गांव का संबंध अविभाज्य है। राजस्थान के गांव पीढ़ियों से प्रकृति के साथ जीवन जीते आए हैं। ओरण, गोचर, खेजड़ली, बांस, बबूल, खेजड़ी, रोहिड़ा और स्थानीय वृक्षों की परंपरा ने गांवों को पर्यावरण संरक्षण सिखाया है। आज जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, बढ़ता तापमान, मरुस्थलीकरण और भूजल के गिरते स्तर ने इस संतुलन को चुनौती दी है। सशक्त गांव वह है, जहां वृक्षारोपण केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवनशैली हो। स्थानीय प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएं, गोचर और ओरणों की रक्षा हो, वर्षा जल संचयन हो और प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगे। गांवों में सौर ऊर्जा, जैव गैस, कार्बनिक खेती और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देकर ग्रामीण विकास को पर्यावरण-मित्र बनाया जा सकता है। गांव केवल विकास का उपभोक्ता नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का सबसे बड़ा संरक्षक बन सकता है।

गांव की संस्कृति राजस्थान की पहचान है। लोकगीत, कथा, भजन, नृत्य, मेले, त्योहार, लोकदेवता, कठपुतली, पप्पूजी की गाथा, मीरा, गोपीचंद, तेजाजी, पाबूजी और रामदेवजी की परंपराएं गांवों में जीवित हैं। ये केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों, साहस, सहिष्णुता, पर्यावरण प्रेम और सामूहिकता के वाहक हैं। शहरीकरण और सोशल मीडिया के प्रभाव में यह धरोहर कमजोर हो रही है। सशक्त गांव का विकास सांस्कृतिक विरासत के साथ होना चाहिए। गांवों में लोक कलाकारों को प्रोत्साहन, स्थानीय मेलों का पुनरुद्धार, हस्तशिल्प को बाजार तक पहुंच और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए। गांव की मिट्टी, रंग, संगीत और कथाएं ही राजस्थान को विश्व में विशिष्ट बनाती हैं।

गांवों को सशक्त बनाने के लिए नीति और व्यवहार दोनों में परिवर्तन चाहिए। सरकार को योजनाएं केवल फाइलों तक सीमित नहीं रखनी चाहिए; उनका जमीनी क्रियान्वयन, समयबद्ध समीक्षा और लाभार्थी आधारित मूल्यांकन होना चाहिए। प्रशासन को गांवों की समस्याओं को शहरों के दफ्तरों से नहीं, बल्कि गांव की मिट्टी से समझना होगा। शिक्षक, डॉक्टर, अधिकारी और विकास कर्मियों को गांवों में नियमित रूप से उपस्थित रहना होगा। स्वयंसेवी संस्थाएं, बैंक, उद्योगपति, शिक्षाविद, कलाकार और प्रवासी राजस्थानी भी गांव के विकास में भागीदार बनें। गांव के युवाओं को केवल सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा नहीं, बल्कि स्वरोजगार, कौशल और उद्यमिता की ओर प्रेरित करना होगा। गांव की समस्याओं का समाधान गांव के लोगों के अनुभव, बुद्धि और सामूहिक इच्छाशक्ति में छिपा है।

सशक्त गांव का अर्थ यह नहीं कि गांव को शहर की नकल बना दिया जाए। गांव की अपनी पहचान, शांति, सामुदायिकता, प्रकृति से नाता और सांस्कृतिक गरिमा बनी रहनी चाहिए। सशक्त गांव वह है, जहां व्यक्ति को रोजगार मिले, बच्चे को शिक्षा मिले, महिला को सम्मान मिले, किसान को उचित दाम मिले, बुजुर्ग को सुरक्षा मिले और युवा को गांव में रहकर आगे बढ़ने का अवसर मिले। ऐसा गांव ही पलायन रोकेगा, परिवार को संभालेगा, खाद्य उत्पादन बढ़ाएगा, पर्यावरण बचाएगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। राजस्थान के विकास की गाथा तभी पूर्ण होगी, जब उसके गांव आत्मनिर्भर, समृद्ध, शिक्षित, स्वस्थ और आत्मविश्वासी बनेंगे।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि गांव केवल अतीत की स्मृति नहीं, भविष्य की नींव है। राजस्थान का भविष्य उसके शहरों की ऊंची इमारतों में केवल इसलिए नहीं निहित है, बल्कि उसके गांवों की मेहनत, बुद्धि, संस्कृति और सामूहिक संकल्प में निहित है। जब गांव में पानी होगा, तो खेती होगी; जब खेती होगी, तो रोजगार होगा; जब रोजगार होगा, तो युवा गांव में रहेगा; जब युवा रहेगा, तो गांव विकसित होगा; और जब गांव विकसित होगा, तो राजस्थान सच में सशक्त होगा। इसलिए गांव की प्रगति ही राज्य की प्रगति है, गांव का सम्मान ही राज्य का सम्मान है और सशक्त गांव ही राजस्थान का सुनहरा भविष्य है।

–अतिथि सम्पादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

शासन प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष : सुशासन, जनसंवाद और जनसहभागिता की यात्रा

मुकेश दाधीच

लोकतंत्र की वास्तविक सफलता इस बात में निहित होती है कि शासन आम नागरिक के जीवन में कितना बदलाव ला पाता है। क्या सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचता है? क्या नागरिक स्वयं सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं? क्या प्रशासन जनता के प्रति अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनता है? शासन प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की यात्रा को इन सवालों के संदर्भ में देखा जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक उनके नेतृत्व की एक प्रमुख विशेषता जनसंवाद, जन कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक अभियानों के माध्यम से नागरिकों को जोड़ने का प्रयास रही है।

7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक पड़ाव तक पहुंची। यह अवसर उनके नेतृत्व, प्रशासनिक शैली और देश की विकास यात्रा में उनके योगदान का आकलन करने का है।

वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। इससे पहले 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन, कोयला ब्लॉक आवंटन और राष्ट्रमंडल खेलों से जुड़े विवादों के कारण राष्ट्रीय राजनीति में भ्रष्टाचार और जवाबदेही के सवाल प्रमुखता से उठे थे। राजनीतिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास और व्यवस्था परिवर्तन की मांग ने जनता की अपेक्षाओं को नया स्वर दिया।

इसी पृष्ठभूमि में नरेंद्र मोदी ने विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को अपने राजनीतिक एजेंडे के प्रमुख आधार के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत प्राप्त किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ। इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि शासन की चर्चा को केवल घोषणाओं और राजनीतिक वादों तक सीमित रखने के बजाय योजनाओं के क्रियान्वयन, लाभार्थियों तक पहुंच और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार से जोड़ने पर जोर दिया गया।

नरेंद्र मोदी की शासन शैली की जड़ों को उनके गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में देखा जा सकता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक अभियानों को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया गया। रसोई गैस सब्सिडी छोड़ने की अपील पर एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ी। इसके बाद प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं, को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में व्यापक पहल की गई। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता को केवल सरकारी विभागों का दायित्व मानने के बजाय नागरिक कर्तव्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। वर्ष 2025 के स्वच्छता ही सेवा अभियान में 18.06 करोड़ लोगों की भागीदारी दर्ज होना इस बात का संकेत है कि स्वच्छता जैसे विषय को व्यापक सामाजिक सहभागिता से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया।

इन अभियानों का महत्व केवल उनकी संख्या या पहुंच में नहीं, बल्कि उस विचार में भी है जिसके तहत नागरिकों को सरकारी प्रयासों के निष्क्रिय लाभार्थी के बजाय परिवर्तन का सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया गया। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना किसी भी कल्याणकारी राज्य की बड़ी चुनौती होती है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस चर्चित कथन में इस समस्या को रेखांकित किया गया था कि सरकार द्वारा भेजे गए एक रुपये में से केवल 15 पैसे ही लाभार्थी तक पहुंचते हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण यानी डीबीटी की व्यवस्था ने इस बहस को एक नया संदर्भ दिया।

प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 59 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जाने के बाद आधार और डिजिटल भुगतान व्यवस्था के साथ लाभार्थियों तक सहायता सीधे पहुंचाने का माध्यम व्यापक हुआ। अक्टूबर 2026 तक डीबीटी के माध्यम से संचयी हस्तांतरण की राशि लगभग 53.76 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। साथ ही, प्रशासनिक सुधारों और अपात्र लाभार्थियों को हटाने के कारण विभिन्न योजनाओं में मार्च 2025 तक लगभग 5.14 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित बचत का अनुमान लगाया गया है।

इन आंकड़ों का व्यापक महत्व इस बात में है कि डिजिटल तकनीक और वित्तीय समावेशन को कल्याणकारी शासन के साथ जोड़ने से सरकारी सहायता की पहुंच, भुगतान की निगरानी और सार्वजनिक धन के उपयोग की जवाबदेही को मजबूत करने का अवसर मिला है। व्यवस्था की वास्तविक सफलता का आकलन इस आधार पर भी होना चाहिए कि पात्र लाभार्थियों को समय पर सहायता मिले और तकनीकी या दस्तावेजी कारणों से कोई जरूरतमंद वंचित न रह जाए।

जनसंवाद को शासन की एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाने में 'मन की बात' कार्यक्रम की विशिष्ट भूमिका रही है। वर्ष 2023 में कार्यक्रम के 100वें एपिसोड से पहले किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 100 करोड़ लोगों तक कार्यक्रम के कम से कम एक बार पहुंचने और करीब 23 करोड़ नियमित श्रोताओं का अनुमान हो चुका है।

इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने योग को भारत की सांस्कृतिक विरासत से आगे बढ़ाकर वैश्विक जनभागीदारी का मंच बनाने में योगदान दिया। उपलब्ध सामठाी के अनुसार, वर्ष 2026 में योग संगम पोर्टल पर 780 जिलों में 3.07 करोड़ से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी दर्ज की गई। फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत 23.68 करोड़ से अधिक लोगों की भागीदारी हुई है।

'हर घर तिरंगा' और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान भी राष्ट्रभावना और पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक सहभागिता से जोड़ने के प्रयास हैं। 31 दिसंबर 2025 तक 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत 262.4 करोड़ पौधे लगाए जाने का आंकड़ा हो चुका है। इन पहलों का उद्देश्य नागरिकों को उन विषयों से जोड़ना है, जिनमें सरकारी नीतियों के साथ व्यक्तिगत व्यवहार और सामूहिक जिम्मेदारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आर्थिक विकास की व्यापक प्रक्रिया में स्थानीय उत्पादन, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमों की भूमिका महत्वपूर्ण है। 'वोकल फॉर लोकल' और खादी को प्रोत्साहन देने की अपील ने इन विषयों को राष्ट्रीय विमर्श में प्रमुखता दिलाई। इससे स्थानीय उत्पादों के उपयोग, पारंपरिक उद्योगों और स्वदेशी उद्यमों की संभावनाओं पर चर्चा को बल मिला। खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र का कुल कारोबार वर्ष 2013-14 के 31,154 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 1,87,105 करोड़ रुपये दर्ज हुआ। यह वृद्धि स्थानीय उत्पादों के बाजार विस्तार और इस क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों के महत्व को रेखांकित करती है।

हालांकि, इस प्रगति को स्थायी बनाने के लिए उत्पादों की गुणवत्ता, आधुनिक तकनीक, बाजार तक पहुंच, ब्रांडिंग और रोजगार सृजन पर निरंतर ध्यान देना भी आवश्यक है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की यात्रा में जनसंवाद, कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार, डिजिटल भुगतान और सामाजिक अभियानों के जरिए नागरिकों को जोड़ने की शैली प्रमुखता से दिखाई देती है। इन प्रयासों ने शासन की प्राथमिकताओं में लाभार्थियों तक सीधी पहुंच, पारदर्शिता और जनभागीदारी को महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। फिर भी, किसी भी नेतृत्व की दीर्घकालीन सफलता का मूल्यांकन केवल योजनाओं की घोषणा, आंकड़ों या अभियानों की व्यापकता से नहीं किया जा सकता। इसके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, रोजगार के अवसर, किसानों की आय, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और क्षेत्रीय असमानताओं में कमी जैसे परिणामों को भी कसौटी बनाना होगा।

शासन प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष इस बात की चर्चा का अवसर हैं कि लोकतंत्र में नेतृत्व और जनभागीदारी एक-दूसरे के पूरक कैसे बन सकते हैं। सरकार की पहल, प्रशासन की कार्यक्षमता और नागरिकों की सक्रिय भूमिका का समन्वय ही विकास को व्यापक सामाजिक परिवर्तन में बदल सकता है। आने वाले वर्षों में इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी यही होगी कि सुशासन और जनसहभागिता के ये प्रयास कितनी प्रभावशीलता से प्रत्येक नागरिक के जीवन में बेहतर अवसर, सम्मान और सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं।

–मुकेश दाधीच,
प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा
राजस्थान

मुफ्त राशन से राष्ट्र नहीं बनेगा

मदन सिंह काला

स्वतंत्र भारत का संविधान हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है। भाग-3, अनुच्छेद 12 से 35 मौलिक अधिकार हैं। अनुच्छेद 14 समानता, 15 भेदभाव का निषेध, 19(1)(जी) पसंद का पेशा और 21 सम्मान के साथ जीवन देता है। सुप्रीम कोर्ट ने मेनका गांधी 1978, मोहिनी जैन 1992, उन्नीकृष्णन 1993 और पश्चिम बंग खेत मजदूर समिति 1996 में कहा कि अनुच्छेद 21 में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छ जल निहित है।

भाग-4, अनुच्छेद 36 से 51 के नीति-निर्देशक तत्व अनुच्छेद 37 के अनुसार राज्य का कर्तव्य हैं। अनुच्छेद 38 आय की असमानता कम करना, 39(बी)(सी) संसाधनों का सामूहिक बंटवारा और धन के केंद्रीकरण को रोकना, 41 बेरोजगारी में लोक सहायता और 47 जन-स्वास्थ्य को प्राथमिक दायित्व बताते हैं। धन कहाँ से आएगा? अनुच्छेद 265 बिना कानून कर नहीं और 266 कर का पैसा संचित निधि में जनहित में खर्च करने को कहता है।

संविधान की सबसे बड़ी क्रांति पुश्तैनी धंधे समाप्त होना है। पहले जाति ही पेशा तय करती थी। अनुच्छेद 17 ने अस्पृश्यता और 23 ने बेगार रोका। अब हर नागरिक प्रतिभा से कुछ भी बन सकता है, पर तभी जब उसे मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य और जल मिले।

आज क्या हो रहा है? यही तीनों सबसे बड़े व्यवसाय बन गए हैं। शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 में निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें ही गरीबों के लिए हैं, उच्च शिक्षा बाजार के हवाले है। प्राइवेट मेडिकल की फीस करोड़ों में है। सरकारी अस्पताल रेफरल सेंटर बन गए हैं, दवा बाहर से लिखी जाती है। जल बोतल में बिक रहा है। दूसरी ओर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 का राजनीतिक हथियार के रूप में दुरुपयोग हो रहा है। इसे जन्म से मृत्यु तक मुफ्त का प्रचार कर वोट के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीयूसीएल में कहा भोजन का अधिकार गरिमा से जुड़ा है।

फिनलैंड में प्री-प्राइमरी से यूनिवर्सिटी तक शिक्षा, किताबें और भोजन मुफ्त हैं। डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन में भी शिक्षा निःशुल्क है, इसलिए वे सबसे खुश देश हैं। जर्मनी में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में ट्यूशन फीस नहीं है और 1883 से सामाजिक स्वास्थ्य बीमा है, जहाँ कर्मचारी 7.5 प्रतिशत वेतन देता है और राज्य इलाज की गारंटी लेता है। बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, कनाडा, यूके, अर्जेंटीना मुफ्त स्वास्थ्य देते हैं। 39 देश मुफ्त शिक्षा और 9 देश मुफ्त स्वास्थ्य देते हैं। भारत में प्रचार है कि यूरोप में चर्च की आय पर टैक्स लगता है। सच्चाई उलटी है। यूरोप में सरकार चर्च की दान-पेटी पर टैक्स नहीं लेती, बल्कि चर्च के सदस्यों की आय पर टैक्स लेकर चर्च को देती है। यही असली चर्च टैक्स है और इसे सरकारी नौकर वसूलते हैं।

जर्मनी में कैथोलिक या प्रोटेस्टेंट के रूप में रजिस्टर्ड होने पर इनकम टैक्स का 8 से 9 प्रतिशत अतिरिक्त चर्च टैक्स कटता है। 10,000 यूरो इनकम टैक्स पर 800 से 900 यूरो चर्च को जाएगा। वसूली सरकारी एजेंसी फिनान्ज़आम्ट करती है, कंपनी हर महीने वेतन से काटकर सरकार को भेजती है। इससे जर्मन चर्च को सालाना 13 बिलियन यूरो मिलता है। आधार वाइमर संविधान 1919 का अनुच्छेद 137 है। सरकार 2 से 4.5 प्रतिशत प्रशासनिक शुल्क रखती है। स्वीडन में स्काट्टेवरकेट, डेनमार्क में स्कैट, फिनलैंड में वेरोहाल्लिंटो, ऑस्ट्रिया में फिनान्ज़आम्ट यही काम करते हैं। इटली में एजेंज़िया डेले एंट्राटे वसूलती है। स्वीडन में 2 प्रतिशत, ऑस्ट्रिया में 1.5, फिनलैंड में 1 से 2, डेनमार्क में 0.7 से 1.3 प्रतिशत है। किर्खेनऑस्ट्रिट कर चर्च छोड़ने पर टैक्स नहीं देना पड़ता।

■ चर्च टैक्स की तरह धार्मिक धन पर टैक्स लगे, शिक्षा-स्वास्थ्य-जल मुफ्त मिले और बेरोजगारों को नियमित रोजगार

इससे नियमित रोजगार बनता है। फिनान्ज़आम्ट में चर्च टैक्स के लिए हजारों स्थायी पद हैं। चर्च को मिलने वाले पैसे से जर्मन चर्च 13 लाख लोगों को वेतन देता है, 5,000 से अधिक किंडरगार्टन और स्कूल और 1,000 अस्पताल चलाता है। चर्च सरकार के बाद दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है। कैरिटास और डियाकोनी में लाखों सामाजिक कार्यकर्ता पेंशन वाली नौकरी में हैं। चर्च की व्यावसायिक आय जैसे स्कूल, अस्पताल, प्रकाशन पर कॉर्पोरेट टैक्स लगता है। इससे अलग निकारागुआ ने 2024 में कानून 822 बदलकर चर्च की आय पर ही टैक्स लगा दिया। अब चढ़ावे पर 10 से 30 प्रतिशत टैक्स चर्च को सरकार को देना होगा, निजी कंपनी की तरह। अर्थात यूरोप में नागरिक चर्च को टैक्स देता है, निकारागुआ में चर्च सरकार को टैक्स देता है।

श्रीलंका ने तीसरा न्यायपूर्ण मॉडल दिया है। छोटे मंदिरों में प्रवेश निःशुल्क है, पूजा रसीद काउंटर पर कटती है। यूनेस्को महत्व के बड़े स्थलों जैसे टूथ टेम्पल कैंडी, अनुराधापुरा, पोलोन्नारुवा, सिगिरिया, दांबुला पर अनिवार्य टिकट है। टूथ टेम्पल में विदेशी से 3,000 एलकेआर यानी 870 रुपये, सार्क से 2,500 एलकेआर और श्रीलंकाई से शून्य शुल्क। अनुराधापुरा में 25 से 30 डॉलर टिकट है। पैसा सेंट्रल कल्चरल फंड और डिपार्टमेंट ऑफ आर्कियोलॉजी में जाता है जो राष्ट्रपति कार्यालय के अधीन है। इसी से हजारों गाइड, सुरक्षा, सफाई और पुरातत्व कर्मियों को स्थायी नौकरी मिली है। सिद्धांत है स्थानीय भक्त से पैसा नहीं, पर्यटक से शुल्क, लेखा सरकारी खजाने में।

भारत में तिरुपति में 650 करोड़, शिरडी में 400 करोड़, वैष्णो देवी में 500 करोड़ सालाना चढ़ावा है। पद्मनाभस्वामी में लाखों करोड़ की संपत्ति मिली। पर आयकर अधिनियम धारा 11 और 12 के तहत छूट है, कोई सार्वजनिक ऑडिट नहीं। एचआरसीई एक्ट के तहत हजारों मंदिर सरकारी नियंत्रण में, मस्जिदें वक्फ बोर्ड और चर्च निजी बोर्ड चलाते हैं, यह अनुच्छेद 14 के विरुद्ध है। 10 लाख शिक्षकों और 15 लाख डॉक्टर-नर्स के पद खाली हैं। सीएमआईई के अनुसार 8 प्रतिशत से अधिक बेरोजगारी है, 45 करोड़ लोग रोजगार तलाश रहे हैं। इसलिए चार कानून चाहिए। पहला, राष्ट्रीय धार्मिक संपत्ति पंजीकरण अधिनियम। अनुच्छेद 25(2) राज्य को धार्मिक संस्थाओं की आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित करने का अधिकार देता है। 100 करोड़ से अधिक आय वाले हर मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारे का पंजीकरण, ऑडिट और बैलेंस शीट सार्वजनिक हो।

दूसरा, भारत में धार्मिक स्थलों में दर्शन के लिए जाने वाले स्थानीय लोगों को मुफ्त प्रवेश मिले। पर जो भी नकद, सोना, चांदी का चढ़ावा करे, उसकी अनिवार्य प्राप्ति रसीद हो और उस रसीद पर ही कर लिए जाने का कानूनी प्रावधान हो। बिना रसीद के कोई दान स्वीकार्य न हो। सोना-चांदी का मूल्यांकन दैनिक बाजार भाव से हो। इससे पारदर्शिता आएगी और काले धन पर रोक लगेगी। तीसरा, श्रद्धालु दान पर लोक कल्याण उपकर। निकारागुआ मॉडल पर 100 करोड़ से अधिक आय वाले ट्रस्टों के चढ़ावे पर 10 प्रतिशत उपकर और 1000 करोड़ टर्नओवर वाले कॉर्पोरेट पर समान उपकर लगे। सिर्फ 100 बड़े ट्रस्टों से 3,000 से 5,000 करोड़ मिलेगा। यह पैसा अनुच्छेद 266 के तहत अलग शिक्षा-स्वास्थ्य-जल कोष में जाए तो हर जिले में 100 शिक्षक और 50 डॉक्टर की भर्ती संभव है, 75,000 शिक्षक और 37,500 स्वास्थ्य कर्मी बनेंगे। वसूली इनकम टैक्स विभाग करेगा, विभाग में भी हजारों नई पोस्टें बनेंगी। चौथा, श्रीलंका मॉडल से तीर्थ पर्यटन शुल्क। 10 करोड़ पर्यटक, 500 रुपये औसत शुल्क से 5,000 करोड़। 100 बड़े तीर्थों पर 20 काउंटर, 20 गाइड, 30 सुरक्षा कर्मी यानी 8,000 स्थानीय स्थायी नौकरियां तुरंत बनेंगी।

निष्कर्ष – मुफ्त राशन से वोट मिल सकता है, राष्ट्र नहीं बनेगा। मुफ्त राशन बाँटने में 2 रुपये का अस्थायी रोजगार बनता है, कर से वेतन वाला स्थायी रोजगार बनता है। राष्ट्र तब बनेगा जब तिजोरियों में बंद अकूत धार्मिक और कॉर्पोरेट धन संविधान के अनुच्छेद 38, 39 और 47 के हवाले होगा और हर बच्चे को मुफ्त किताब, हर बीमार को मुफ्त दवा, हर खेत को मुफ्त पानी और हर हाथ को नियमित रोजगार मिलेगा। यही मानव शक्ति का सच्चा सदुपयोग है।

– मदन सिंह काला, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी

राशिफल शुक्रवार 16 अक्टूबर, 2026

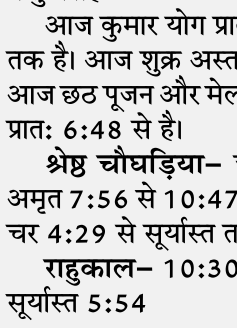

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रातः 6:48 तक, शोभन योग रात्रि 10:06 तक, कौलव करण सायं 4:40 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 6:48 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग प्रातः 6:48 से शनिवार प्रातः 5:55 तक है। आज शुक्र अस्त पश्चिम में प्रातः 8:45 पर होगा। आज छठ पूजन और मेला आमेर है। आज सरस्वती आव्हान प्रातः 6:48 से है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर सूर्योदय से 7:56 तक, लाभ अमृत 7:56 से 10:47 तक, शुभ 12:12 से 1:38 तक, चर 4:29 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:30, सूर्यास्त 5:54

मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृष
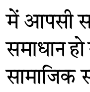

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
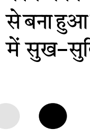

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
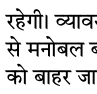

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
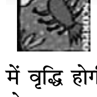

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु

मानसिक तनाव दूर होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
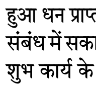

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन
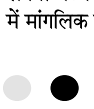

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

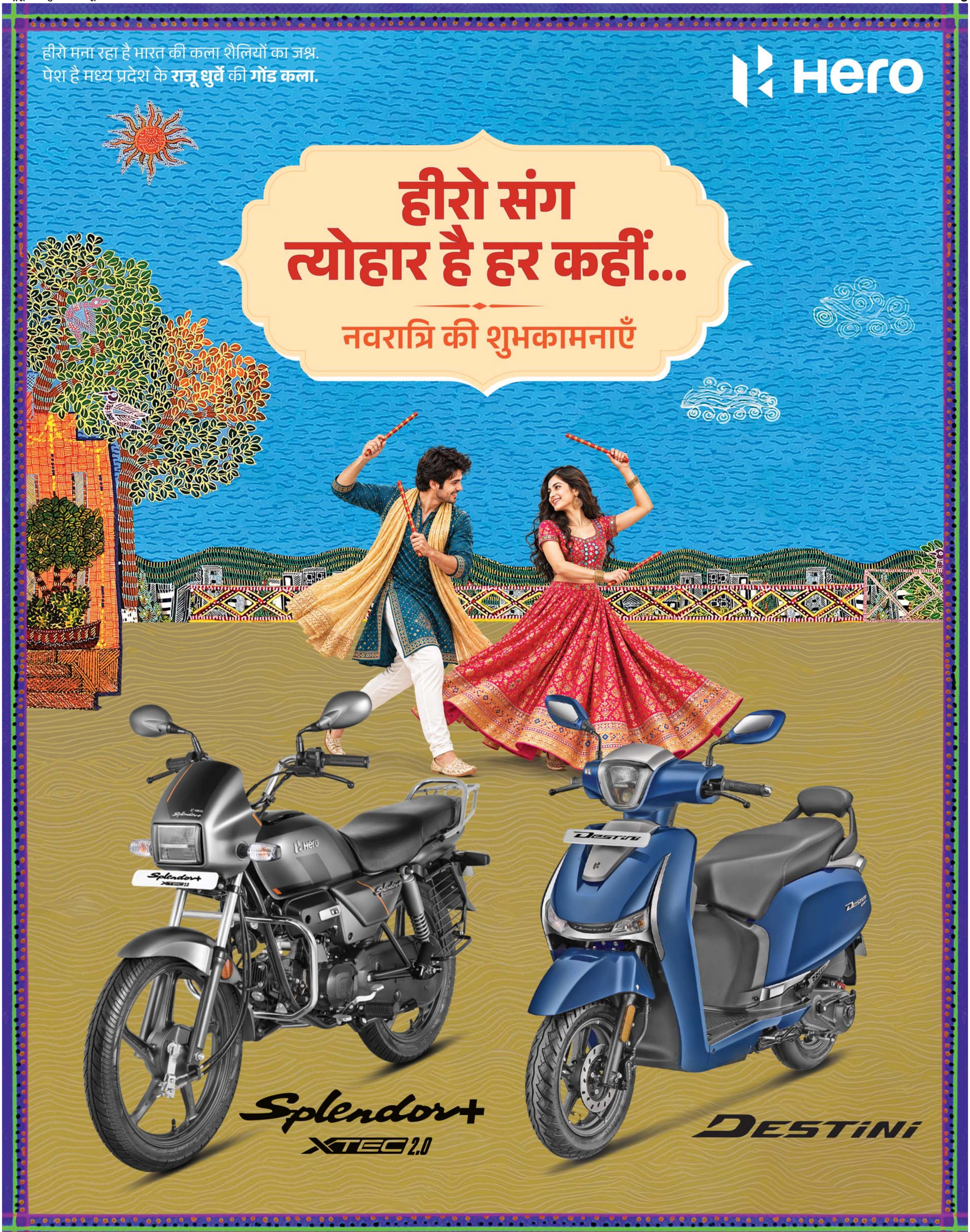

गोल्ड कॉइन और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं®

कैश डिस्काउंट	एक्सचेंज बोनस	इंस्टेंट डिस्काउंट	कम डाउन पेमेंट	कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹2 500* तक	₹5 000* तक	₹10 000$ तक (SBI card, HDFC BANK, pine labs)	₹4 999* से शुरू	₹3 200* तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

India's First 5 Year Warranty *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. $T&C apply, Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, मानपुर: सुखराम हीरो, 9783877225, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, एम आर मोटर्स, 0141-2348111, बेनर रोड: पूनिया मोटर्स, 9928868990, पाल्ड़ी मीणा: बॉर्डर मोटर्स, 9376000602, बोराज: ओम मोटर्स, 9351825554.

भीलवाड़ा में ब्याज माफियाओं के उत्पीड़न से तंग आकर युवक ने फांसी लगाई

मृतक के भाई ने पुलिस थाने में 10 लोगों के खिलाफ शिकायत दी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में ब्याज माफियाओं का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि एक युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी। पथिक नगर निवासी दुर्गेश कुमार दरोगा ने ब्याज माफियाओं की प्रताड़ना, ब्लैकमेलिंग और लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर

> ■ **घटना के बाद से मृतक के परिजनों और समाज के लोगों में भारी आक्रोश है**

अपने घर के छत पर बने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद से मृतक के परिजनों और समाज के लोगों में भारी आक्रोश है और वे आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर डटे हुए हैं।

परिजनों और समाज के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दिया।

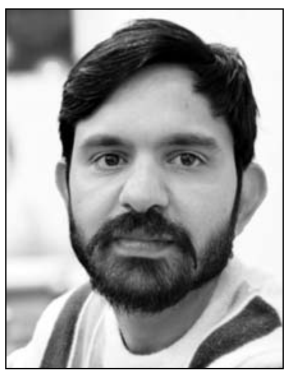

मृतक का फाइल फोटो।

मृतक के भाई कमलेश कुमार दरोगा द्वारा सुभाष नगर थाने में दी गई रिपोर्ट के अनुसार, दुर्गेश ने आरोपियों से दो रुपये सैकड़ा के हिसाब से रुपये उधार लिए थे। दुर्गेश ने मूलधन के साथ ब्याज की रकम भी चुका दी थी, इसके बावजूद सभी आरोपी 10 रुपये सैकड़ा के हिसाब से अवैध वसूली का दबाव बना रहे थे। परिवाद में बताया गया कि 8 अक्टूबर 2026 को आरोपी योगेश माली घर आया और 16,35,000 रुपये की मांग को लेकर विवाद किया। इसके बाद योगेश माली मृतक की माता व दुर्गेश को कोर्ट ले गया और वहां जबरन 16.35 लाख रुपये का इकरारनामा निष्पादित करवा लिया तथा खाली चेक और खाली स्टाम्प पेपर पर हस्ताक्षर करवा लिए। आरोपियों ने धमकी दी थी कि यदि रुपये नहीं दिए गए तो वे पूरे परिवार को आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर देंगे।

परिजनों के अनुसार, 14 अक्टूबर को भी योगेश माली लगातार फोन कर 16.35 लाख रुपये की मांग कर रहा था। शाम को योगेश घर आया और दुर्गेश को अपने साथ ले जाकर धमकाया कि यदि सुबह तक रुपये नहीं दिए तो वह मकान पर कब्जा कर लेगा। इसके बाद घर लौटने पर दुर्गेश ने अपनी मां और पत्नी को रोते हुए पूरी बात बताई। मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुके दुर्गेश ने रात को छत के कमरे में जाकर फांसी का फंदा लगा लिया।

मृतक के भाई ने पुलिस को दी गई शिकायत में 10 लोगों को मुल्जिम बनाया है, जिनमें योगेश कुमार पिता लहरू लाल माली, निवासी पथिक नगर, विकास उपाध्याय, प्रकाश मूंदड़ा व उनकी पत्नी, भंवरलाल शर्मा, राकेश भदादा, निलेश जैन निवासी आरसी व्यास कॉलोनी, शांतिलाल अहीर व मुकेश अहीर निवासी नन्दराय, कोटड़ी, अकरम शाह निवासी आरोली, बिजौलियां का नाम शामिल है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, वहीं परिजनों ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की कड़ी मांग उठाई है।

मंदिर माफी की जमीन को लेकर दो पक्षों में झगड़ा

हथियार से बुजुर्ग और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घायल

गंगापुर सिटी, (निसं)। जाट बड़ौदा गांव में मंदिर माफी जमीन को लेकर बुधवार को दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद मामला झगड़े में बदल गया और धारदार हथियार से हुए हमले में कृपा शंकर शर्मा (79) और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनिता शर्मा

> ■ **घटना के दौरान अनिता शर्मा आंगनबाड़ी केंद्र में ड्यूटी पर जा रही थी, इसी दौरान वह विवाद की चपेट में आकर घायल हो गई**

(35) घायल हो गए। दोनों को निजी गाड़ी से गंगापुर सिटी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गंगापुर सिटी में घायल वृद्ध को राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार, कृपा शंकर शर्मा पुत्र बृजमोहन शर्मा और अनिता शर्मा पत्नी सुनील कुमार उपाध्याय मंदिर माफी जमीन को लेकर हुए विवाद में घायल हुए हैं। बताया गया कि जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो बाद में झगड़े में बदल गई। इस दौरान धारदार हथियार से हमला होने पर दोनों घायल हो गए। घटना के दौरान 35 वर्षीय अनिता शर्मा आंगनबाड़ी केंद्र में अपनी ड्यूटी पर जा रही थी। इसी दौरान वह विवाद की चपेट में आकर घायल हो गईं। वहीं, 79 वर्षीय कृपा शंकर शर्मा भी हमले में घायल हुए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस विवाद की शुरुआत, झगड़े के दौरान हुई घटनाओं और इसमें शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और अन्य तथ्यों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

भ्रष्ट पटवारी राज्य सेवा से पदच्युत

खैरथल, (निसं)। भ्रष्टाचार के मामले में दोषसिद्ध पटवारी मुरारीलाल यादव को राज्य सेवा से पदच्युत कर दिया गया है। जिला कलैक्टर अतुल प्रकाश ने आदेश जारी कर पटवारी को 15 अक्टूबर से राज्य सेवा से डिसमिस कर दिया है। मुरारीलाल यादव पुत्र रतनलाल यादव तत्कालीन पटवारी, पटवार हल्का गोठड़ा, तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला अलवर के विरुद्ध एसीबी में प्रकरण दर्ज था। यह मामला विशिष्ट न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, अलवर में विचाराधीन था। न्यायालय ने 2 सितंबर को पारित निर्णय में मुरारीलाल यादव को दोषसिद्ध ठहराते हुए कारावास व जुर्माने से दंडित किया था।

जोधपुर में शातिर चोर गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की सात बाइक बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ पहले भी तीन मामले थाने में दर्ज हैं। वहीं पुलिस अब आरोपी से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

थानाधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि वाहन चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू की। इसी दौरान जांच में पुलिस ने नरपत पुत्र जगदीश नाम के युवक को पकड़ा। उससे पूछताछ में सामने आया कि उसने

> ■ **आरोपी के खिलाफ पहले भी तीन मामले थाने में दर्ज बताये जा रहे हैं**

कई जगहों पर बाइक चोरी की वारदातें की हैं। उसकी निशानदेही पर 7 चोरी की बाइक बरामद की गईं। फिलहाल पुलिस चोरी की अन्य वारदातों को लेकर चोर से पूछताछ कर रही है। दूसरी तरफ शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र से दो बाइक चोरी हो गई। इस बारे में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किए हैं।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि पाल रोड, रूप नगर प्रथम निवासी अश्विनी कुमार ने रिपोर्ट दी कि वह अपनी बाइक लेकर पाल रोड नहर चौराहा की तरफ आया था, जहां से उसकी बाइक कोई चुरा ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चोर की तलाश शुरू की है। वहीं रामदेव नगर निवासी भरत पुत्र मुकेश परिहार ने रिपोर्ट दी कि वह अपनी बाइक लेकर डालीबाई चौराहा पर आया था। जहां एक कपड़े की दुकान पास से उसकी बाइक चोरी हो गई। पुलिस अब बाइक चोरों की पहचान करने में जुटी है, सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं।

फैक्टरी में श्रमिक की संदिग्ध मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी सांगरिया स्थित गणेश नगर में एक फैक्टरी श्रमिक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह रात को फैक्टरी में सोया था। सुबह वह बेहोशी की हालत में मिला। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। बासनी पुलिस ने परिचित की रिपोर्ट पर फिलहाल मर्ग दर्ज किया है। बासनी पुलिस ने बताया कि उत्तरप्रदेश मीरपुरा हाल सांगरिया फांटा, बासनी निवासी तोहिद की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका परिचित मुनीब यहां गणेश नगर सांगरिया में एक फैक्टरी में काम करता था। वह रात के समय में फैक्टरी में सोया था। सुबह वह बेहोशी की हालत में मिला। इस पर उसे अस्पताल लेकर गए, मगर बाद में डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने लाइसेंस नहीं मिलने पर डेयरी से दूध की आपूर्ति बंद करवाई

तीसरे दिन भी न्यायिक अधिकारी के नेतृत्व मिलावटखोरी पर कार्रवाई जारी रही

किशनगढ़ बास, (निसं)। दिपावली त्योहार से पहले खैरथल-तिजारा जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और खाद्य सुरक्षा विभाग का संयुक्त अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। इस बार टीम के निशाने पर सड़क किनारे की दुकानें नहीं, बल्कि दूध और मिठाई सप्लाई करने वाली बड़ी इकाइयां रहीं। अभियान के दौरान एक अवैध दूध डेयरी की सप्लाई मौके पर ही बंद करा दी गई, जबकि दो बड़ी मिठाई फैक्ट्रियों में मावा, कलाकंद और रिफाइंड ऑयल की गुणवत्ता की जांच कर सैंपल लिए गए।

किशनगढ़ बास क्षेत्र में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और खाद्य सुरक्षा टीम ने मिलावट पर जांच की कार्रवाई की।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेश और सचिव अजीत कुड़ी के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने वल्लभग्राम स्थित सिवाना रोड क्षेत्र में संचालित एक दूध डेयरी का निरीक्षण किया। जांच में डेयरी संचालक के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला। इस पर टीम ने तुरंत प्रभाव से दूध की आपूर्ति बंद करवा दी और नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद टीम ने विजय डेयरी के कारखाने में छापा मारा और वहां निर्माण प्रक्रिया और खाद्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। मौके से कलाकंद, डोडा बर्फी और चॉकलेट बर्फी के नमूने लिए गए। साथ ही सोयाबीन ऑयल के उपयोग की भी जांच की गई। सुरक्षा उपकरण नहीं मिलने पर संचालक को मानकों की पालना के सख्त निर्देश दिए गए। इसके बाद टीम ने इस्माइलपुर स्थित फिजा केक इकाई का भी निरीक्षण किया। यहां रिफाइंड ऑयल से कलाकंद तैयार किया जा रहा था। टीम ने कच्चे मावे और मीठे मावे के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे। परिसर में साफ-सफाई और बॉयलर के लाइसेंस को लेकर भी निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार, पीएलवी सूरजभान कछवाहा, राहुल कुमार सहित पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।

बोरवेल में गिरा नौ साल का बालक 640 फीट पर फंसा, रेस्क्यू जारी

बालक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा बताया जा रहा है

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के लोहावट पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत नौसर के अंतर्गत पूनियों की ढाणी में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां 9 वर्षीय एक बालक भोमाराम खेत में स्थित बोरवेल में गिर गया। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। बालक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा बताया जा रहा है। घटना के बाद से ही उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

> ■ **बच्चे को बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान जारी, बचाव दल ने बालक की स्थिति का पता लगाने के लिए कैमरे की मदद से जांच की**

जानकारी के अनुसार पांचाराम भील के खेत में नलकूप खराब हो गया था। इसकी मरम्मत के लिए मौके पर बोरिंग मशीन आई हुई थी। पिता मशीन के पास काम कर रहे थे और उनका नौ वर्षीय पुत्र भोमाराम भी उनके आसपास ही मौजूद था। इसी दौरान अचानक भोमाराम बोरवेल में गिर गया। बताया जा रहा है कि बोरवेल की गहराई करीब 1050 फीट है। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुटने लगे। इसके बाद मतोड़ा पुलिस और प्रशासन की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। बचाव दल ने बालक की स्थिति का पता लगाने के लिए कैमरे की मदद से जांच की। जांच के दौरान बालक के मूवमेंट करने की जानकारी सामने आई। बताया जा रहा है कि बच्चा करीब 640 फीट की गहराई पर फंसा हुआ है। बोरवेल में फंसे बालक तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए मशक्कत की गई। प्रशासन और बचाव दल की मौजूदगी में उसे सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास लगातार जारी हैं। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई है और सभी बालक के सकुशल बाहर निकलने की उम्मीद कर रहे हैं।

नगदी और सोने के जेवर चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में तिलवाड़िया फांटा चौराहा स्थित गहलोत ऑटो पार्ट्स की दुकान में चोरी हो गई। दुकान संचालक अमित गहलोत के अनुसार, चोर दुकान से 20 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण चोरी कर ले गए।

पुलिस ने बताया कि रामनगर, नयापुरा चौखा निवासी अमित गहलोत ने रिपोर्ट में बताया कि वह 12 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर घर चला गया। अगले दिन 13 अक्टूबर की सुबह करीब 9:15 बजे दुकान पहुंचने पर सामान बिखरा मिला। जांच करने पर दुकान में रखे 20 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण गायब मिले। रिपोर्ट के अनुसार अमित ने अपने निर्माणाधीन मकान और पत्नी के पीहर जाने के कारण आभूषण दुकान में रखे हुए थे। चोरी हुए आभूषणों में बोर, चौकर, कानों के झुमके और नाक की फिन्नी शामिल हैं।

16 किलो डोडा-चूरा और नगदी जब्त

पावटा, (निसं)। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। प्रागपुरा पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 16 किलो 712 ग्राम अवैध डोडा-चूरा और उसकी बिक्री से संबंधित 1 लाख 12 हजार 160 रुपये जब्त किए हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं पुलिस मामलेको लेकर गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देश पर प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में थाना स्तर पर विशेष टीम गठित की गई। एएनटीएफ टीम के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर को की गई कार्रवाई के दौरान आरोपी धनसीराम जाट (32) पुत्र धुडाराम, निवासी थालोडो की ढाणी, तन बड़नगर, थाना प्रागपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ के कब्जे से प्लास्टिक के कट्टों में रखा 16 किलो 712 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया गया। इसके साथ ही डोडा-चूरा की बिक्री से संबंधित रुपये भी जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया है। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

तीन साल से फरार इनामी महिला ठग जयपुर के धार्मिक आश्रम से गिरफ्तार

छबड़ा, (निसं)। पुलिस से बचने के लिए कभी वृंदावन, कभी मथुरा तो कभी देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर साध्वी का रूप धारण कर ठिकाने बदलने वाली 12 हजार रुपये की इनामी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। करीब तीन साल से फरार चल रही आरोपी संतोष बाई नागर को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने अनूठी रणनीति अपनाई। पुलिसकर्मियों ने भगवा वस्त्र धारण कर साधुओं का भेष बनाया, धार्मिक कर्मकांड और मंत्रोच्चार का प्रशिक्षण लिया तथा वृंदावन के आश्रम में पहुंचकर आरोपी का भरोसा जीता। इसके बाद उसे जयपुर स्थित एक धार्मिक आश्रम से डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कोटा रेंज के विभिन्न थानों में करोड़ों रुपये की ठगी से जुड़े मामले दर्ज हैं।

एसपी अभिषेक अदान्सु ने बताया कि छबड़ा में दर्ज दो प्रकरणों में वांछित संतोष बाई नागर की गिरफ्तारी पर 12 हजार रुपये का इनाम घोषित था। बारां में एक परिवादी के साथ कथित रूप से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर 1.25 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले करीब तीन वर्षों से गिरफ्तारी से बचने के लिए वृंदावन, मथुरा, तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, उज्जैन, पुष्कर और खाटूश्याम सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर साध्वी का भेष बनाकर रह रही थी। वह मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करती थी और लगातार अपने ठिकाने बदलती रहती थी।

पुलिस ने फरार चल रही आरोपी संतोष बाई नागर को गिरफ्तार किया।

> ■ **आरोपी महिला के खिलाफ कोटा रेंज के विभिन्न थानों में करोड़ों रुपये की ठगी से जुड़े मामले दर्ज हैं**
>
> ■ **पुलिसकर्मियों ने भगवा वस्त्र धारण कर साधुओं का भेष बनाया, धार्मिक कर्मकांड और मंत्रोच्चार का प्रशिक्षण लिया**

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवाडी, छबडा डीएसपी ताराचंद के सुपरविजन तथा सीआई राजेश खटाना के नेतृत्व में 'ऑपरेशन पंचवाटिका' के तहत विशेष टीम गठित की गई। टीम ने करीब छह महीने तक आरोपी के संभावित ठिकानों, परिजनों और परिचितों के बारे में जानकारी जुटाई। पुलिस के मुताबिक, सहायक उपनिरीक्षक रूडमल और आरटी घनश्याम ने भगवा वस्त्र धारण कर साधुओं का भेष बनाया तथा धार्मिक कर्मकांड, संस्कृत मंत्रोच्चार और सुंदरकांड पाठ का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद वृंदावन के आश्रम में पहुंचकर आरोपी से संपर्क बढ़ाया और उसका भरोसा जीता। आरोपी के जयपुर स्थित धार्मिक आश्रम पहुंचने पर टीम ने उसे डिटेन किया और पूछताछ के बाद संतोष बाई नागर पुत्री रामप्रसाद निवासी रिद्धि-सिद्धि कॉलोनी, बालेता रोड, थाना कुन्हाडी, कोटा को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने गिरोह के साथ कोटा में यूआईटी के ऐसे मकानों और भूखंडों को चिन्हित करती थी, जिनका आवंटन निरस्त हो चुका था या जिनकी स्थिति संदिग्ध थी। इनकी तस्वीरें और वीडियो दिखाकर लोगों को कम कीमत पर महंगी संपत्ति दिलाने का लालच दिया जाता था।

आरोप है कि गिरोह यूआईटी के पट्टों और रजिस्ट्री जैसे दिखने वाले कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उन पर फर्जी सील-मोहर और अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर करता था। बाद में संपत्ति के इस्तेमाल या उसे बेचने के दौरान दस्तावेजों की वास्तविकता सामने आने पर पीड़ितों को ठगी का पता चलता था। पुलिस के अनुसार, रकम वापस मांगने पर पीड़ितों को धमकाने और कुछ मामलों में हनीट्रैप का इस्तेमाल करने के आरोप भी सामने आए हैं। उल्लेखनीय है कि आरोपी के खिलाफ कोटा रेंज के विभिन्न थानों में ठगी के मामले दर्ज हैं।

पिकअप की चपेट से गर्भवती महिला की मौत

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके में तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से गर्भवती महिला की मौत हो गई। हादसे में महिला की बेटी भी घायल हो गई। जानकारी के अनुसार बूंदी के केशोरायपाटन के गामछ गांव निवासी दयाराम अपनी पत्नी व बेटी को लेकर बाइक से कोटा सब्जी खरीदने आते समय रेलवे कॉलोनी इलाके के नॉर्दर्न बाईपास पर तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी, जिसमें छह माह की गर्भवती महिला की पिकअप की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी को चोट पहुंची है।

रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि बुधवार को दयाराम अपनी पत्नी मोना और तीन वर्षीय बेटी को लेकर सब्जी खरीदने के लिए बाइक पर सवार होकर कोटा शहर की तरफ आ रहा था, चंबल के ब्रिज को क्रॉस ही किया था कि तेज गति से आ रही पिकअप के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलाते हुए पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। पिकअप की टक्कर से बाइक पर पीछे बैठी महिला मोना सड़क पर गिर गई और पिकअप की चपेट में आ गई, दुर्घटना के तत्काल बाद घायलों को एमबीएस अस्पताल ले जाया गया था।

राजस्थान सरकार
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीकानेर
दूरभाष : 0151-2226341, email: cmho-bik-rj@nic.in
क्रमांक : एफ16 (135)/एनएचएम/2026/1283 दिनांक : 13-10-2026

Corrigendum to E-NIB No. DHS/BKN/2/2026-27 Sr. No. 01, 02 & 03 (Cotton & Bandages, Essential Drugs & Lab Reagents)

Following amendments are hereby made in respect of E-NIB No. DHS/BKN/2/2026-27 Sr. No. 01, 02 & 03 (Cotton & Bandages, Essential Drugs & Lab Reagents) related to CM&HO Bikaner (DHS, Bikaner) issued vide No. F16(135) NRHM/2026/1202 Dated 29-09-2026. The last date of download & submission and the date of opening of tender documents shall now be read as under :

S. No.	E-NIB Sr.No.	Item	Date of download & submission of tender documents (in place of 15.10.2026 at 04.00 PM)	Date of opening of tender documents (in of 15.10.2026 place at 04.30 PM)	UBN Number
1	01	Cotton & Bandages	22.10.2026 upto 04.00 PM	22.10.2026 at 04.30 PM	MHS2627GLRC04033
2	02	Essential Drugs	26.10.2026 upto 04.00 PM	26.10.2026 at 04.30 PM	MHS2627GLRC04032
3	03	Lab Reagents	26.10.2026 upto 04.00 PM	26.10.2026 at 04.30 PM	MHS2627GLRC04030

The other terms & conditions will remain the same.
सदस्य सचिव जिला स्वास्थ्य समिति एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बीकानेर
DIPR/C/17754/2026

कार्यालय सदस्य सचिव, आरएमआरएस एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी जिला चिकित्सालय, धौलपुर
क्रमांकः- लेखा/आरएमआरएस / 2026-27/412 दिनांकः- 06.10.2026
ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना संख्या 05/2026-27
कार्यालय, सदस्य सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलीफ सोसायटी जिला चिकित्सालय, धौलपुर द्वारा जिला चिकित्सालय हेतु डेक्सटॉप कम्प्यूटर कय हेतु संविदा UBN-MHS2627GLOB04167 NIB Code - MHS2627A3080 हेतु ऑन लाईन विभागीय ई-निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम तिथि 21.10.2026 को सांय 05:00 बजे तक एवं तकनीकी निविदा खोलने की तारीख व समय 22.10.2026 को दोपहर 12:00 बजे की विस्तृत नियम, शर्ते एवं सूचना http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
सदस्य सचिव
आरएमआरएस एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
जिला चिकित्सालय, धौलपुर
DIPR/C/17595/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक : 2107 दिनांकः 09/10/26
Notice Inviting Bid : 24/2026-27
Bid for the Various Civil Works" are invited from interested bidders from 12.10.2026 [09:30 AM] to 22.10.2026 [06:00 PM] & Open date 23.10.2026 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 41.91 Lakhs.
UBN No.- PWD2627WSOB14869
Executive Engineer
PWD City Division, Bikaner
DIPR/C/17717/2026

फर्जी एफ.एम.जी.ई. प्रमाणपत्र से इंटर्नशिप और पंजीयन कराने के आरोप में चार और गिरफ्तार

किर्गिस्तान, रूस और कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने वालों ने 27 से 30 लाख रु. देकर बनवाए फर्जी प्रमाण पत्र

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विदेश से एमबीबीएस करने के बाद फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (एफएमजीई) की स्क्रीनिंग परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर इंटर्नशिप करने और राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में पंजीयन कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में डीग जिले के भारत भूषण शर्मा और शिवम चौधरी तथा भरतपुर जिले के सौरव शर्मा और हिमांशु शर्मा शामिल हैं। एसओजी के अनुसार, आरोपी विदेश से एमबीबीएस करने के बाद निर्धारित परीक्षा में सफल नहीं हो पाए थे। इसके बाद उन्होंने दलालों के माध्यम से 27 से 30 लाख रुपए तक देकर फर्जी प्रमाणपत्र बनवाए और इनके आधार पर राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि मामले की जांच के दौरान अब तक 100 से अधिक विदेशी मेडिकल स्नातकों को चिह्नित किया जा चुका है। इनमें ऐसे अभ्यर्थी शामिल हैं, जिन पर परीक्षा उत्तीर्ण किए बिना फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर इंटर्नशिप या पंजीयन कराने का संदेह है। आरएमसी के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा सहित 33 आरोपियों की पहले गिरफ्तारी हो चुकी थी। अब चार और गिरफ्तारियों के बाद कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 37 हो गई है।

- **एसओजी अब तक 37 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी, 100 से अधिक विदेशी मेडिकल स्नातक जांच के दायरे में**
- **आरएमसी के तत्कालीन रजिस्ट्रार सहित अधिकारी, कर्मचारी और दलाल भी पहले हो चुके हैं गिरफ्तार**

परीक्षा में असफल रहे तो दलालों से बनवाए प्रमाणपत्र

एसओजी की जांच के अनुसार विदेश से एमबीबीएस की डिग्री लेने के बाद भारत में चिकित्सा कार्य करने के लिए निर्धारित एफएमजीई स्क्रीनिंग परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है। आरोप है कि परीक्षा में सफल नहीं होने वाले अभ्यर्थियों ने दलालों के माध्यम से फर्जी प्रमाणपत्र तैयार करवाए। इसके बाद राजस्थान के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप की और आरएमसी में अस्थायी पंजीयन के लिए आवेदन किया। मामले में मेडिकल काउंसिल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की कथित मिलीभगत की भी जांच की जा रही है।

भारत भूषण शर्मा : 30 लाख रु. देकर बनवाया प्रमाणपत्र

डीग में पुराने बस स्टैंड के पास दाऊजी के मंदिर क्षेत्र निवासी भारत भूषण शर्मा (26) ने वर्ष 2022 में किर्गिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। एसओजी के अनुसार, एफएमजीई परीक्षा कई बार देने के बावजूद सफल नहीं होने पर उसने दौसा निवासी शुभम गुर्जर के माध्यम से 30 लाख रुपए देकर फर्जी प्रमाणपत्र बनवाया। इसके आधार पर उसने राजकीय मेडिकल कॉलेज, दौसा में इंटर्नशिप की। शुभम गुर्जर इस मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुका है।

सौरव शर्मा : रूस से पढ़ाई की, 27 लाख रुपए दिए

भरतपुर जिले के वैर में सीतारामजी के मंदिर के पास रहने वाले सौरव शर्मा (29) ने वर्ष 2017 से 2023 तक रूस में एमबीबीएस की पढ़ाई की और 2023 में भारत लौटा। आरोप है कि एफएमजीई परीक्षा में सफल नहीं होने पर उसने वैर निवासी गजेन्द्र के माध्यम से 27 लाख रुपए देकर फर्जी प्रमाणपत्र बनवाया। इसके आधार पर राजकीय मेडिकल कॉलेज, धौलपुर में इंटर्नशिप की और आरएमसी में पंजीयन के लिए आवेदन किया।

हिमांशु शर्मा : रिश्तेदार की मदद से बनाया फर्जी प्रमाणपत्र

भरतपुर जिले के हलैना में गांधी चौक के पास रहने वाले हिमांशु शर्मा (26) ने भी वर्ष 2017 से 2023 तक रूस में एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। वह सौरव शर्मा का मामा-बुआ का बेटा है। एसओजी के अनुसार, एफएमजीई परीक्षा पास नहीं कर पाने पर उसने भी गजेन्द्र के माध्यम से 27 लाख रुपए देकर फर्जी प्रमाणपत्र बनवाया। इसके आधार पर महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, जयपुर में इंटर्नशिप की और आरएमसी में पंजीयन के लिए आवेदन किया।

शिवम चौधरी : कजाकिस्तान में की थी एमबीबीएस

डीग जिले के पहाड़ी निवासी शिवम चौधरी (28) ने वर्ष 2016 से 2021 तक कजाकिस्तान में एमबीबीएस की पढ़ाई की और 2021 में भारत लौटा। जांच के अनुसार परीक्षा में सफल नहीं होने पर उसने कजाकिस्तान में छात्रावास चलाने वाले और भारतीय विद्यार्थियों को विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई कराने का काम करने वाले दलाल गजेन्द्र के माध्यम से 30 लाख रुपए देकर फर्जी प्रमाणपत्र बनवाया। इसके आधार पर राजकीय मेडिकल कॉलेज, अलवर में इंटर्नशिप की और आरएमसी में पंजीयन के लिए आवेदन किया।

प्रति अभ्यर्थी 20 से 30 लाख रुपए लेने का आरोप

एसओजी पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह के अनुसार, गिरोह के कथित सरगना भानाराम माली और उसके सहयोगियों शुभम गुर्जर, इंद्रराज गुर्जर सहित अन्य दलालों पर विदेश से एमबीबीएस कर लौटे अभ्यर्थियों से फर्जी प्रमाणपत्र बनवाने और आरएमसी में पंजीयन कराने के नाम पर प्रति व्यक्ति 20 से 30 लाख रुपए तक वसूलने का आरोप है। एसओजी इस नेटवर्क में प्रमाणपत्र तैयार करने वालों, दलालों और पंजीयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की पड़ताल कर रही है।

गौरतलब है कि इस प्रकरण में पहले राजस्थान मेडिकल काउंसिल के तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा, यूडीसी अखिलेश माथुर, एलडीसी फरहान हसन, कथित मुख्य आरोपी भानाराम माली और अन्य दलालों सहित विदेश से एमबीबीएस करने वाले अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसओजी के अनुसार, फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर अस्थायी पंजीयन और इंटर्नशिप हासिल करने के मामले में मेडिकल काउंसिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच जारी है। एसओजी थाना जयपुर में इस संबंध में 4 फरवरी 2026 को प्रकरण दर्ज किया था। एसओजी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े लोगों और पंजीयन प्रक्रिया में गड़बड़ियों की जानकारी जुटा रही है।

जय क्लब में दुर्गा पूजा की धूम

जयपुर। प्रोबासी बंगाली कल्चरल सोसायटी की ओर से सी-स्कीम स्थित जय क्लब लॉन में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव में गुरुवार को पंचमी के अवसर पर उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। मां दुर्गा की आराधना के साथ आयोजित सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

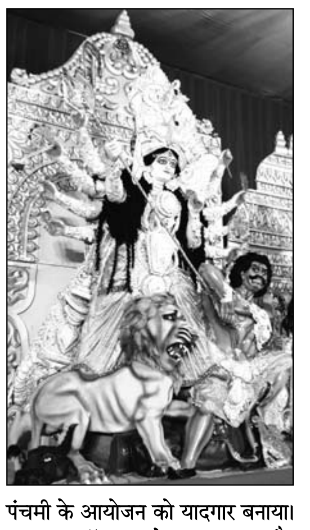

महोत्सव में बंगाली संस्कृति, पारंपरिक खानपान और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। पंचमी के अवसर पर आयोजित आनोंदो मेला आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। मेले में महिलाओं ने घरों पर तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बंगाली व्यंजनों के स्टॉल लगाए। लोगों ने बंगाल के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद चखा और बंगाली खानपान की समृद्ध परंपरा का आनंद लिया। मेले में बंगाली संस्कृति और पारिवारिक सहभागिता की खूबसूरत झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में कोलकाता की जादूगर प्रियंका सरकार के मैजिक शो ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया। उनके जादुई करतबों को देखने के लिए लोगों में उत्साह रहा। बच्चों और परिवारों ने जादू की प्रस्तुतियों का आनंद लिया। आनोंदो मेला और मैजिक शो ने पंचमी के आयोजन को यादगार बनाया। अध्यक्ष डॉ. एस.के. सरकार और महासचिव डॉ. रॉबिन सरकार के नेतृत्व में आयोजित यह दुर्गा पूजा महोत्सव बंगाली संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। महोत्सव के माध्यम से जयपुरवासियों को बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक व्यंजनों और कलात्मक प्रस्तुतियों से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है।

मूंगफली के बीजों में धांधली पकड़ी

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के निर्देशानुसार प्रदेश में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने तथा बीजों की गुणवत्ता में अनियमितता करने वाली फर्मों के विरुद्ध कार्रवाई के क्रम में किए गए औचक निरीक्षणों में गंभीर अनियमितता सामने आई है। निरीक्षण के दौरान लिए गए मूंगफली के बीज नमूनों में से ग्रो आउट टेस्ट के जरिए जांचे गए 15 नमूनों में 14 नमूने आनुवंशिक शुद्धता के निर्धारित मानकों पर अमानक पाए गए, जबकि केवल एक नमूना मानक पाया गया। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि कुछ व्यापारी-फर्म किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के बजाय बाजार से अनाज खरीदकर उसे बीज के रूप में आकर्षक पैकिंग में पैक कर बेच रहे हैं। इस पर गोविंदगढ़, सीकर, जयपुर, सुजानगढ़, चूरू एवं बीकानेर में फर्मों का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया था। मूंगफली की जीजी-10, आरजी-510, टीजी-37 ए, टीजीवी-24 एवं आरजी-578 किस्मों से संबंधित 15 नमूनों के बीज उगाकर जांच की गई।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और एचपीवी टीकाकरण को मजबूत बनाने पर जोर दिया

जयपुर। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और यूनिसेफ के संयुक्त समन्वय से जयपुर के एक होटल में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और यूनिसेफ की टीम ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर सेवाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा की।

- **एनएचएम और यूनिसेफ की दो दिवसीय कार्यशाला में प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने जानीं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति**

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान, प्रसव पूर्व आवश्यक जांच और नियमित निगरानी सुनिश्चित करना जरूरी है। कार्यशाला में एचपीवी टीकाकरण की कार्ययोजना तैयार करने, लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच बढ़ाने, स्वास्थ्यकर्मियों के बीच समन्वय मजबूत करने और आमजन को जागरूक करने पर जोर दिया गया। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत मीजल्स-रूबेला टीके की पहली और दूसरी खुराक सहित अन्य टीकाकरण सेवाओं की भी समीक्षा की गई। टीकाकरण सत्रों का बेहतर संचालन और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के बीच समन्वय बढ़ाकर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार करना है। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के अनुसार काम करने पर जोर दिया। कार्यशाला में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, परियोजना निदेशक टीकाकरण डॉ. रघुराज सिंह तथा यूनिसेफ नई दिल्ली की टीम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सालों बाद नौकरी से अचानक बाहर कर देना जीवन बर्बाद करने जैसा : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साल 2013 की भर्ती में चयनित होकर काम कर रहे सूचना सहायकों को हटाने वाले आदेश 27 मई, 2015 के आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि सालों तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को अचानक नौकरी से बाहर करना उनके जीवन को तबाह करने जैसा है, विशेषकर तब, जब वे सरकारी नौकरी के लिए निर्धारित आयु सीमा को पार कर चुके हैं। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश राजाराम व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं को उनकी प्रारंभिक नियुक्ति तिथि से निरंतर सेवा में मानने को कहा है।

- **अदालत ने साल 2013 की भर्ती में चयनित होकर काम कर रहे सूचना सहायकों को हटाने वाले 27 मई, 2015 के आदेश को निरस्त किया**

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जिस आंतरिक जांच रिपोर्ट को कार्रवाई का आधार बनाया गया, उसकी प्रति याचिकाकर्ताओं को कभी उपलब्ध नहीं कराई गई थी।

अदालत ने कहा कि नियुक्ति के समय याचिकाकर्ताओं की उम्र लगभग 28 से 30 वर्ष थी। विवाद और न्यायिक प्रक्रिया के लंबे समय तक चलने के दौरान उनमें से कई कर्मचारी 40 वर्ष से अधिक उम्र के हो चुके थे। इसका सीधा प्रभाव उनके रोजगार के भविष्य पर पड़ सकता था, क्योंकि वे अन्य सरकारी नौकरियों के लिए निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके हैं।

याचिका में अधिवक्ता वीबी शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने 25 अप्रैल 2013 को सूचना सहायक के पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। याचिकाकर्ताओं ने मेघालय स्थित महात्मा गांधी विश्वविद्यालय से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पीजीडीसीए किया था और इसी योग्यता के आधार पर वे चयनित हुए थे। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उन्हें विभिन्न स्थानों पर नियुक्त किया गया था। वहीं बाद में विवि की ओर से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा जारी करने की वैधता पर सवाल उठने पर पंचायती राज विभाग ने आंतरिक जांच कराई और 27 मई, 2015 को याचिकाकर्ताओं के चयन को रद्द कर दिया।

याचिका में कहा गया कि आंतरिक जांच रिपोर्ट की प्रति उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई और ना ही सुनवाई का मौका दिया गया। ऐसे में उन्हें सेवा से बाहर करने वाले आदेश को निरस्त किया जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि विवि को राजस्थान में अध्ययन केंद्रों के माध्यम से पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति नहीं थी। इसके आधार पर जांच के बाद उन्हें पद से हटाया गया है।

विद्युत उत्पादों की जांच में 35 हजार रु. जुर्माना लगाया

जयपुर (कासं)। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर अनिवार्य घोषणाओं के नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर 13 अक्टूबर को प्रदेशव्यापी निरीक्षण अभियान चलाया गया। विभाग के विधिक माप विज्ञान प्रकोष्ठ की ओर से चलाए गए अभियान में 109 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अनियमितताओं पर 35 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया और छह मामलों में सुधार नोटिस जारी किए गए।

अलवर के बालाजी सैनिटरी एंड इलेक्ट्रिकल्स में इंडो हाईटेक एलायंस लिमिटेड की डेयरी मशीन मधानी पर आवश्यक घोषणाएं नियमानुसार नहीं मिलने पर उत्पाद जब्त कर नोटिस जारी किया गया। उदयपुर के शोभागपुरा स्थित अमंत्रा प्रतिष्ठान में अमंत्रा इंडिया इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड की स्पॉट लाइट पर अनिवार्य घोषणाओं में अनियमितता मिलने पर उत्पाद जब्त कर नोटिस जारी किया गया। टोंक में तीन प्रतिष्ठानों पर इलेक्ट्रिक ब्लेंडर फॉर कर्ड की घोषणाओं में खामियां सामने आईं। स्मार्ट चॉइस इलेक्ट्रॉनिक्स, कामधेनु सर्किल में कूल स्टार ब्रांड के उत्पाद पर अनियमितता मिलने पर उसे जब्त कर नोटिस जारी किया गया। बेबी स्टील इलेक्ट्रॉनिक, अमीर गंज बाजार में कूल स्टार ब्रांड और श्री नाथ प्लाजा, पुरानी चुंगी में ऑल मैक्स ब्रांड के इलेक्ट्रिक ब्लेंडर फॉर कर्ड पर भी आवश्यक घोषणाएं निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं मिलीं। विभाग ने निर्माताओं, पैकर्स और व्यापारियों से विधिक माप विज्ञान संबंधी प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करने की अपील की है। विभाग के अनुसार, उत्पादों पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध होने से उपभोक्ता खरीदारी के समय जागरूक निर्णय ले सकते हैं। ज्ञात रहे कि उपभोक्ता अपने अधिकारों से संबंधित सहायता शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर 14435 पर संपर्क कर सकते हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप की पुष्टि होने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं करना गंभीर : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसबीआई के अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुडे मामले में एसीबी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि आरोपों की पुष्टि होने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं करना गंभीर है। इससे लगता है कि एसीबी ने आरोपियों को बचाने का प्रयास किया है। वहीं अदालत ने एसबीआई के उप महा प्रबंधक व मुख्य प्रबन्धक-एचआर के खिलाफ रिश्वत से जुडे मामले की एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश विवेक शर्मा की याचिका पर दिए।

हाईकोर्ट ने कहा कि एसीबी के महानिदेशक ने मामले में एफआईआर की बजाय प्रारंभिक शिकायत ही दर्ज करने का निर्देश दिया, जबकि मामले में मांग सत्यापन व ट्रेप कार्यवाही के बाद एसीबी को एफआईआर दर्ज करना जरूरी था। एसीबी ने प्रारंभिक सत्यापन के बाद एफआईआर दर्ज कर नियमित जांच की बजाय मामला बंद करने का प्रयास किया, जिससे लगता है कि एसीबी ने आरोपियों को बचाने का प्रयास किया। याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि याचिकाकर्ता एसबीआई में मुख्य प्रबंधक के पद पर था। उसने भिवाड़ी ब्रांच में कार्यरत रहते हुए 51 लाख रुपए के फर्जी हाउसिंग लोन की अनियमितता का मामला उजागर किया। मामला उजागर करने पर बैंक के अफसरों ने उसे प्रताड़ित किया और उसके खिलाफ केस दर्ज कराया। वहीं बाद में उस पर लगाए आरोप खत्म करने के लिए 40 लाख रुपए की रिश्वत मांगी। उसकी नवंबर 2022 को की गई शिकायत में एसीबी ने रिश्वत की मांग का सत्यापन कर बैंक के अफसरों के खिलाफ ट्रेप कार्रवाई कर रकम बरामद की। इसके बावजूद मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की और प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी अफसरों को क्लीन चिट देकर याचिकाकर्ता के खिलाफ ही झूठी शिकायत देने पर कार्रवाई शुरू कर दी।

विधानसभा में अंडर व्हीकल सर्विलांस सिस्टम

जयपुर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अंडर व्हीकल सर्विलांस सिस्टम का रिमोट से बटन दबाकर उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि लोकसभा सचिवालय की तर्ज पर राजस्थान विधान सभा में स्थापित इस प्रणाली से विधानसभा परिसर में प्रवेश करने वाले वाहनों की सुरक्षा जांच आसानी से हो सकेगी। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में भी यह उपयोगी सिद्ध होगी। श्री देवनानी ने बताया कि बूम बेरियर से संचालित इस व्यवस्था में एक करोड 6 लाख रूपये की राशि व्यय हुई है। यह व्यवस्था विधान सभा के द्वारा संख्या 6, 7 और 8 पर संचालित की गई है। स्पीकर देवनानी ने बताया कि विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, आगंतुकों एवं अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दृष्टि से आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए वाहन जांच व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अंडर व्हीकल सर्विलांस सिस्टम स्थापित किया गया है। यह एक

आधुनिक वाहन निरीक्षण प्रणाली है, जिसके माध्यम से किसी वाहन के निचले हिस्सों की तस्वीरें भी ली जा सकती है। सामान्य रूप से वाहन के नीचे का हिस्सा सीधे देखने में कठिनाई होती है, लेकिन इस तकनीक की सहायता से वाहन के निचले भाग का स्पष्ट दृश्य प्राप्त किया जा सकता है। देवनानी ने बताया है कि इस प्रणाली में विशेष कैमरे, इमेज कैप्चर करने वाले उपकरण, प्रकाश व्यवस्था, इमेज डिस्प्ले स्क्रीन तथा तस्वीरों को देखने और उनका विश्लेषण करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है।

सार-समाचार

'युवा पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत'

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के महारानी महाविद्यालय में गुरुवार को "मन उत्सव 2026-मानसिक स्वास्थ्य से आत्मविश्वास तक" का आयोजन किया गया। छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक कल्याण, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने कहा कि युवा पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। बेटियां संस्कृति की संवाहक और शक्तिस्वरूपा हैं। मानसिक तनाव और अवसाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय संस्कृति की सामूहिकता, आत्मीयता और परस्पर सहयोग की भावना को अपनाना जरूरी है। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सरिता बडगुजर ने छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, आत्मरक्षा और महिला सशक्तीकरण पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि छात्राओं को शैक्षिणक विकास के साथ मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाना आवश्यक है। मुख्य वक्ता मनोचिकित्सा केंद्र, जयपुर के प्रिंसिपल स्पेशलिस्ट डॉ. सुनील शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, भावनात्मक संतुलन और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक सहायता लेने के महत्व पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नूपुर माथुर ने स्वागत उद्बोधन में संस्थान की शैक्षिणक उत्कृष्टता और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम संयोजक एवं उप-प्राचार्या डॉ. चन्द्राणी सेन ने बताया कि 'मन उत्सव' का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य को आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास, आनंद और समग्र कल्याण से जोड़ना है। उत्सव के तहत ट्रेजर हंट, फ्लैश मॉब, साइकोड्रामा, एक्सटेम्पोर, मानसिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी और मार्शल आर्ट्स जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। उद्घाटन सत्र में महारानी महाविद्यालय की पूर्व छात्रा परिषद के दानदाताओं और राजस्थान विश्वविद्यालय के अन्य संघटक महाविद्यालयों की प्राचार्याओं को सम्मानित किया गया।

"नारी चौपाल" से सशक्तीकरण का संदेश

जयपुर। "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" योजना के तहत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 11 से 16 अक्टूबर तक "नारी चौपाल-सशक्त बालिका-सुरक्षित समाज" सप्ताह मनाया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से नगरीय क्षेत्रों में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य बालिकाओं एवं महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण, लैंगिक समानता, बाल विवाह निषेध, शिक्षा और आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सप्ताह के दौरान जिला स्तरीय जागरूकता रैलियां निकाली गईं और शपथ दिलाई गई। इनके माध्यम से बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा बाल विवाह मुक्त भारत का संकल्प लिया गया। जिला मुख्यालयों पर पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र के सलाहकारों ने विद्यालयों में कार्यशालाएं आयोजित कीं। इनमें विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण, तनाव प्रबंधन, परीक्षा के दबाव, अकेलेपन, साथियों के दबाव और सामाजिक माध्यमों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए योजना सेतु शिविर लगाए गए। इनमें नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, जिला उद्योग केंद्र और राजीविका की योजनाओं की जानकारी देकर महिलाओं को स्वरोजगार, उद्यम स्थापना, कौशल विकास और आजीविका संवर्धन से जोड़ने के लिए मार्गदर्शन दिया।

सुरेश गुप्ता को चंद दिनों में मिला पट्टा

जयपुर। मकान का पट्टा लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाते -लगाते एडियां घिस जाती है। एक के बाद एक नियम बदलते हैं और इन नियमों को फॉलो करने के लिए नए-नए एफिडेविट और अन्य दस्तावेज लगाये जाते हैं, फाइल और आवेदनकर्ता की उम्र बढ़ती रहती है और उम्मीद की उम्र घटती जाती है, लेकिन राज्य सरकार के "सिटिजन-सेंट्रिक गवर्नेंस" में अब बड़ा बदलाव आया है। जयपुर निवासी सुरेश गुप्ता का मालवीय नगर में आवास है। इसका पट्टा लेने के लिए सुरेश गुप्ता ने कुछ ही दिन पहले नगर निगम कार्यालय में सम्पर्क किया। बुधवार को मालवीय नगर जोन में लगे सेवा सेतु अभियान शिविर में उन्हें पट्टा मिल गया। पट्टा मिलते ही सुरेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। इसी शिविर में जन्म-मृत्यु पंजीयन के 129 आवेदनों के ही प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। जनआधार के 100 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा का 1 प्रकरण निस्तारित किया गया। नाम हस्तान्तरण के 10 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। उप विभाजन/पुनर्गठन के 3 प्रकरणों, स्ट्रीट लाईट के 25 प्रकरणों व स्ट्रीट लाईट मरम्मत के 20 प्रकरणों का निस्तारण किया।

विनोद कुमार शर्मा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर। राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव में विनोद कुमार शर्मा निर्वाचित हुए। गुरुवार को हुए ऑनलाइन मतदान में उन्हें 697 मत मिले। चुनाव अधिकारी एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. आशीष खंडेलवाल ने उन्हें निर्वाचित घोषित किया। प्रदेश के विभिन्न अधीनस्थ विभागों में कार्यरत निजी सहायक संवर्ग के करीब 3000 कार्मिकों के महासंघ के चुनाव में विनोद कुमार शर्मा, दयानंद शर्मा और मोतीलाल गुर्जर सहित तीन उम्मीदवार मैदान में थे। कार्मिकों के अलग-अलग जिलों में कार्यरत होने के कारण ऑनलाइन मतदान कराया गया। कुल 3000 सदस्यों में से 1419 ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया, जिनमें से 1213 सदस्यों ने वोट डाले। मतगणना में दयानंद शर्मा को 284, मोतीलाल गुर्जर को 292 और विनोद कुमार शर्मा को 697 मत प्राप्त हुए। चुनाव के बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमन पारीक सहित रवि पारीक, सीपी शर्मा, रवि, अमित, सुरेश मीना, आर्यन मीना, पवन सारस्वत, केबी श्रृंगी, राधेश्याम शर्मा, राजेंद्र मीणा, अरविंद पाटीदार, विनोद (पूर्व जिलाध्यक्ष, टोंक), हेमराज, विजय गुप्ता, हेमंत शर्मा, सर्वेश माथुर, सुधीर शर्मा, अशोक प्रजापत, रुचिका, करण सिंह, आदित्य और विक्की सहित सैकड़ों साथियों ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी।

दिनदहाड़े मेट्रो पिलर पर चढ़ा युवक

जयपुर। सोडाला थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर करीब 1:20 बजे मेट्रो पिलर पर एक युवक के चढ़ने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने पिलर पर सीढ़ी लगाकर युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। युवक को नीचे उतारने के लिए सिविल डिफेंस की टीम को भी रवाना किया गया था, लेकिन इससे पहले ही अग्निशमन विभाग ने बचाव अभियान पूरा कर लिया। बाद में दमकलकर्मियों ने युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। थानाधिकारी मनोज बेरवाल ने बताया कि युवक की पहचान संजू तुकाराम पोसरे के रूप में हुई है। वह मूल रूप से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली का निवासी है और जयपुर में खानाबदोश के रूप में रह रहा है। उसे थाने लाकर पूछताछ की जा रही है।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
FRIDAY
16 October 2026
A-B

Celebrating the Power of Words

National Dictionary Day, observed on October 16 every year, celebrates the power of words and the importance of dictionaries in our daily lives. Established to honour Noah Webster, whose 1828 dictionary helped standardize American English, the day encourages literacy, learning, and curiosity about language. It's a reminder of how dictionaries serve as invaluable tools, not just for definitions, but for understanding etymology, pronunciation, and context. Schools, libraries, and language enthusiasts mark the occasion with activities like word games, spelling bees, and vocabulary challenges, emphasizing that expanding one's lexicon enriches communication, knowledge, and cultural connection across generations.

#HIFAF

Bringing the Mountains and the Winter Chill to Jaipur!

This isn't just a standard screening, it is a rare opportunity to experience a beautiful curation of independent cinema

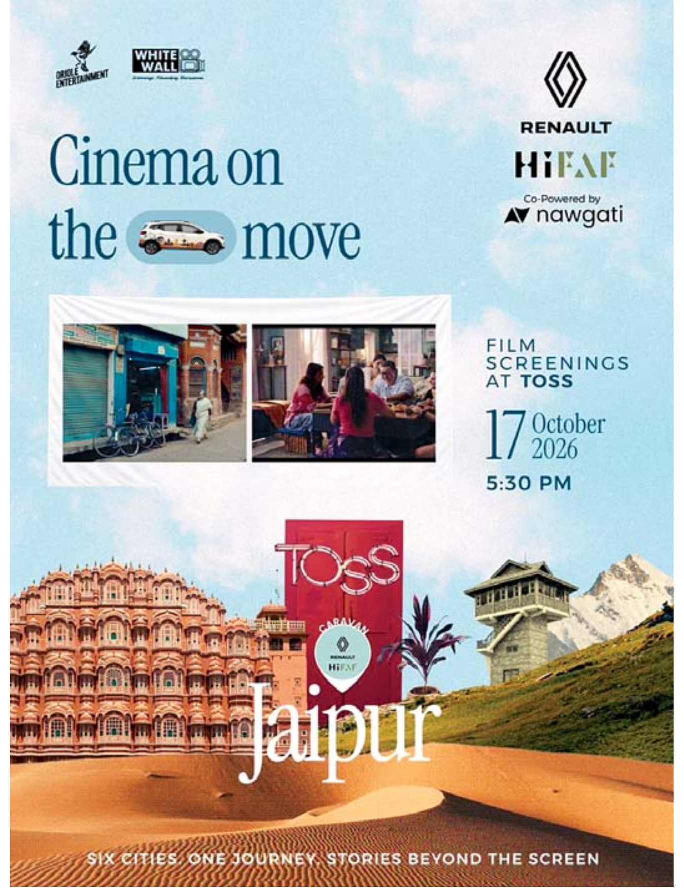

Renault HIFAF (Himalayan International Film Festival) Caravan means cinema on the move!

Jaipur has been chosen as the very first stop for the Renault HIFAF Caravan. This isn't just a standard screening, it is a rare opportunity to experience a beautiful curation of independent cinema that brings us closer to experiencing HIFAF in all its elements.

What makes this evening truly special is the incredible privilege of having all three filmmakers present in person.

They are traveling here to speak directly with you, hold post-screening conversations, break down their creative process, and take you behind the scenes of their journey.

The Experience

Date: Saturday, 17th October 2026
Time: 5:30 PM onwards
Venue: The Open Space Society, TOSS Jaipur
Entry: FREE, but spaces are strictly limited and registration is mandatory.

Films on the Screen

- Thursday Special: by Varun Tandon
- Vitthal: by Vinoo Choliparambil
- Tumhari Baari Jo: by Vinoo Choliparambil
- The Unknown Filmmaker: by Hemant Gaba

Bhagwan Ka Plot

PART:2

The bulldozer on New Sanganer Road goes through shop fronts, facades and staircases without blinking. Then, at the Gurjar Ki Thadi turn, it meets a tenant that it does not dare to touch. This tenant has never paid rent, never shown papers and never been served a notice. Across the city, in Jagatpura, the JDA did dare. It needed 3,000 policemen, drones and a switched-off internet to do it.

#ATIKRAMAN UTSAV

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

The bully in yellow

There is a reason it is called a bulldozer. The first half of the word gives it away.

At the Gurjar Ki Thadi turn, I watched it behave exactly like the bully in every school I have ever known. It walks up to whoever is smaller and pushes. A shop front here. A tin shed there. A staircase that never harmed anybody in its life. Each time there is a crash, a cloud of dust and a small cheer from somewhere. I can never tell whether the cheer is for the bulldozer or against it. I am not sure the people cheering know either.

People stand on both sides of the road and watch. Some have folded arms. Some have phones held up high. Some have come out with a cup of tea, as if this were a Sunday matinee. It looks like the last over of a close India-Pakistan match, except that nobody knows which team they are supporting.

And right in the middle of all this, a woman from a television channel is speaking into a camera. Dust behind her, bulldozer behind her, a shop losing its face behind her, and she stands there with complete calm, holding her mic like a diya in a storm. She is the most composed person on that road. Then again, she is one of only two people there being paid to be there. The other one is driving the bulldozer.

The most graceful U-turn in Jaipur

I have seen many U-turns in this city. Autos take them in the middle of Tonk Road without any warning. Politicians take them right after elections, also without any warning. But the most graceful U-turn I have ever seen was taken by that bully.

After all the crashing and pushing, the bulldozer reaches a small room sitting right on the road. It is a room barely big enough for an idol. You could not fit a priest inside unless he stood very straight and held his breath. The bulldozer stops. It looks at the room. The room looks back. Then, the bulldozer goes around it, as quietly as a teenager tiptoeing past her mother's room at two in the morning. A little ahead, there is another one. Same size, same story, same U-turn.

As the shops get pushed back, the little rooms stay exactly where they are, on the road, now more visible than ever. The widening drive has given them a front-row seat. Some people pay lakhs for a corner plot on a main road. These rooms got it free, with fresh demolition as a bonus view.

The fastest builder in India

If you want to see how fast a building can come up in this country, forget the metro. Forget the expressways. Watch a roadside shrine.

Day one: a stone appears under a tree at the edge of the road. Nobody knows who put it there. Nobody asks.

Day two: the stone gets a coat of sindoor.

Day ten: a chabutra (a raised platform) comes up around it. Somebody lights a diya every evening. Month three: four walls, a gate and the most important part of the whole construction, a donation box with a lock.

> A roadside shrine is never called just 'mandir.' That would be too ordinary, and an ordinary thing can be questioned. So, it gets a name so grand that no officer, no inspector and no bulldozer driver will dare to read it out and then raise a hand against it. Chamatkareshwar Mahadev. Rozgareshwar Devi. Names that sound as if they have been granted by a higher court than the High Court. I have a theory about this. The smaller the shrine, the bigger the name.

No map was passed. No architect was hired. No JDA file moved. If our development authorities worked at this speed, every colony in Jaipur would have its own metro station by now.

And to be fair to everybody, this is not the speciality of any one faith. On our roads, Amar, Akbar and Anthony have all claimed their corners. In this one matter, India is perfectly secular. Every faith gets an equal opportunity to encroach.

What's in a name

And then comes the final touch. The naming ceremony.

A roadside shrine is never called just 'mandir.' That would be too ordinary, and an ordinary thing can be questioned. So, it gets a name so grand that no officer, no inspector and no bulldozer driver will dare to read it out and then raise a hand against it. Chamatkareshwar Mahadev. Rozgareshwar Devi. Names that sound as if they have been granted by a higher court than the High Court.

I have a theory about this. The smaller the shrine, the bigger the name. A temple the size of a phone booth will carry a name longer than the road it sits on. The name is not for the god, who knows who He is. It is for the JDA, which does not.

Some of these names are so honest that they confess everything. Rozgareshwar Devi, for instance, has certainly given rozgar to somebody. Usually the man who collects from the donation box.

And if there is ever a temple called Atikrameshwar Mahadev, I will be the first to bow. At least that one will be telling the truth.

Meanwhile, in Jagatpura

So, is the bulldozer always this polite? Not quite.

Not long ago, across the city, the JDA set out to widen a road near the Nandpuri underpass in Jagatpura to 80 feet. First, it cleared well over a hundred other encroachments. Nobody switched off the internet for those.

Then came the last five. A mosque, two temples, a satsang hall and a mazaar. All standing on the road.

The JDA gave their caretakers time to remove the constructions themselves. On New Sanganer Road, I am told, shopkeepers picked up hammers and broke their own staircases to save their Diwali stock. In Jagatpura, nobody picked up a hammer. Why would they? A shrine has no Diwali stock to save.

So, the JDA came prepared. Around 3,000 policemen. Companies of armed constabulary, with extra forces called in from Kota and Bharatpur. Drones in the sky. Mobile internet suspended across two police districts. Movement restricted in the area. Let me say that again. To build a road on which people could move freely, the authorities first had to stop people from moving. For more than a hundred ordinary encroachments, ordinary arrangements. For five places of worship, an army, an air force and a digital blackout. Nobody in the history of Jaipur has needed 3,000 policemen to demolish a staircase.

> The JDA is very good at one thing: housing schemes. Every few years, it announces one, people fill forms, pay fees, and a lottery decides who gets a plot. So, here is my humble proposal. Jagatpura has shown that when the caretakers are asked to move a shrine on their own, nobody moves it. They need somewhere to go. So, the JDA should launch the Devlok Housing Scheme, a proper, beautiful colony for every place of worship currently sitting on our roads.

Somewhere, a constable from Bharatpur must have gone home after duty and told his wife that he had been called to Jaipur for a road widening. She must not have believed a word.

And the internet! For two days, half of Jaipur could not forward a single message. Good morning roses on WhatsApp piled up like unpaid bills. Aunties had to wish actual human beings good morning, in person, with their actual mouths. Some say it was the most peaceful 48 hours the city has seen in years.

The government knew exactly where the real danger lay. It was sitting in the family WhatsApp group, with its finger on the forward button.

Mind you, the Jagatpura bulldozer was perfectly secular too. A mosque, two temples, a satsang hall and a mazaar, all on the same list, all removed together. Equal opportunity to encroach, equal opportunity to be removed.

So much for politeness. The bulldozer on New Sanganer Road is simply doing arithmetic. Going around a shrine costs nothing. Going through one costs 3,000 policemen and a city without internet.

Somebody please WhatsApp the bulldozer

The courts, meanwhile, have been very clear.

In 2009, the Supreme Court ordered that no unauthorised religious structure should come up on public roads, parks or other public places. In 2024, Justice B.R. Gavai said that any religious structure in the middle of the road, whether a gurudwara, a dargah or a temple, cannot obstruct the public. So, the highest court in the country has said it twice, fifteen years apart. That is more patience than most Indian mothers show. The bulldozer on New Sanganer Road has clearly not been informed. Somebody should send it the judgment on WhatsApp. With a good morning flower GIF on top, so that it actually opens the message. Just make sure that the internet is working that day.

A view from inside

Sometimes, I wonder what the gods themselves think of all this.

Jaipur is not short of grand homes for them. Govind Dev Ji lives in the City Palace complex. Ganesh ji sits at the foot of Moti Dungri, with a whole hill and a palace as his backdrop. That is prime real estate with a view.

And then, there is the god in the little room at the Gurjar Ki Thadi turn. He breathes diesel smoke all day. Trucks honk at him all night. Now, he also has a bulldozer roaring two feet away and a crowd with phones.

If he could speak, I suspect he would apply for a transfer.

'Bachchon, mujhe kisne yahaan bithaya?' (Children, who put me here?) Nobody would answer. Because the person who put him there did not do it for him. A god on the road is the best security guard money cannot buy. No notice can touch him, no bulldozer comes near him and the land around him stays safe. Everybody bows, drops a coin in the box and drives on.

God never asked for this plot. We gave it to Him on the road so that we would not have to give Him anything from our own.

The Devlok Housing Scheme

The JDA is very good at one thing: housing schemes. Every few years, it announces one, people fill forms, pay fees, and a lottery decides who gets a plot.

So, here is my humble proposal. Jagatpura has shown that when the caretakers are asked to move a shrine on their own, nobody moves it. They need somewhere to go. So, the JDA should launch the Devlok Housing Scheme, a proper, beautiful colony for every place of worship currently sitting on our roads. Wide lanes, lots of trees, no diesel, no honking and ample parking for devotees. All faiths welcome, side by side, with exactly equal plot sizes, so that nobody fights over the corner.

Every roadside shrine will receive an allotment letter and a transfer order, exactly like a government employee. The shifting will be done with full rituals, a band, a procession and laddoos for everybody. Every faith already has a ritual for everything, from buying a new car to opening a new shop. I am sure they have one for a change of address.

And it will cost a lot less than 3,000 policemen.

The gods will happily accept. Unlike government employees, they will not ask for a posting near their home town, because they are everywhere anyway.

The only people who will object are those who were using the gods as security guards. They will have a very hard time explaining why God prefers a bus stop to a garden.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#HOPE

Chilika Turns Pink Again

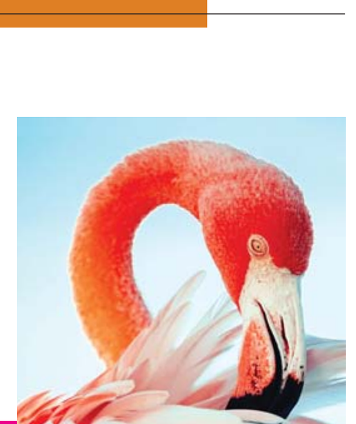

Winter may still be some time away, but the waters of Odisha's Chilika Lake are already witnessing a splash of pink

Odisha's Chilika Lake has welcomed its feathered visitors earlier than usual, with migratory flamingos arriving despite the prevailing hot and humid weather. Their early appearance has raised hopes among birdwatchers for a promising migratory season.

Winter may still be some time away, but the waters of Odisha's Chilika Lake are already witnessing a splash of pink. Migratory flamingos have returned to the famous lagoon earlier than usual this year, bringing excitement among bird lovers and nature enthusiasts who eagerly await the annual arrival of these elegant visitors.

Typically, migratory birds begin arriving in larger numbers at Chilika as temperatures fall and winter sets in. Flamingos are generally spotted at the lake between November and December, with another period of sightings between February and March. This year, however, their early arrival has surprised observers, as the weather continues to remain hot and humid.

The sight of flamingos gathering against the backdrop of Chilika's expansive waters has once again drawn attention to the lagoon's importance as a habitat for migratory birds. Their presence offers a welcome spectacle for birdwatchers, photographers and visitors hoping to witness one of nature's most fascinating seasonal events.

Early Arrival Raises Hopes for a Better Season

The return of flamingos has generated optimism among bird lovers, particularly because the birds have reportedly been spotted in smaller numbers over the past three to four years. Their early appearance has renewed hopes that more flamingos could visit Chilika during the current migratory season.

However, it is still too early to predict whether the number of birds arriving this year will increase significantly. The total population expected at the lake remains uncertain, and observers will have to wait for the season to progress before drawing conclusions about the scale of the migration.

The early sightings have nevertheless added excitement to the annual birdwatching season. For those who follow Chilika's avian visitors, every returning flock is an opportunity to observe the changing patterns of migration and the natural rhythms that connect distant regions.

Why Chilika Matters to Migratory Birds

Spread across Odisha's eastern coastline, Chilika is one of India's most prominent coastal lagoons and an important destination for migratory birds. Its diverse wetland ecosystem provides feeding and resting grounds for numerous bird species that travel long distances during seasonal migrations. Flamingos, known for their distinctive pink plumage, long legs and curved bills, are among the most striking birds to visit the lagoon. Their colour, combined with the sight of flocks moving through shallow waters, makes them a major attraction for wildlife enthusiasts. The arrival of migratory birds also highlights the importance of protecting wetland habitats. Water quality, food availability, climatic conditions and the overall health of the ecosystem can influence the suitability of a wetland for visiting birds.

A Season Bird Lovers Will Watch Closely

With flamingos already making an appearance before the usual winter period, expectations are building around the months ahead. Birdwatchers will be keen to see whether more flocks arrive as the weather changes and the migratory season gathers pace.

For now, Chilika's early visitors have offered a glimpse of the natural spectacle that makes the lagoon special. Whether their numbers rise substantially this season remains to be seen, but the return of these pink-feathered guests has given Odisha's celebrated wetland an early touch of winter magic.

THE WALL

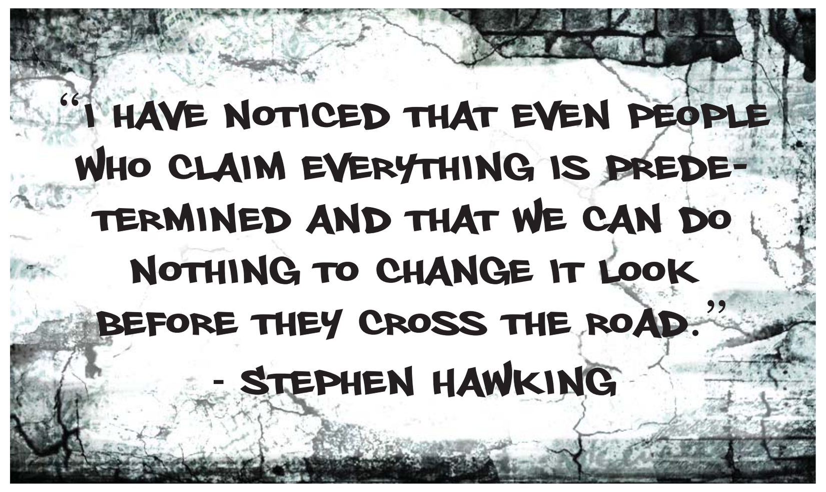

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

घरेलू विवाद के चलते बुजुर्ग पत्नी की हत्या की थी, आरोपी पति गिरफ्तार

आरोपी ने खुद को बचाने के लिए अज्ञात हमलावरों की झूठी कहानी गढ़ी

- मामले में पुलिस को गुमराह करने के लिये अज्ञात हमलावरों की वारदात दर्शाने के लिए आरोपी ने स्वयं के सिर पर भी चोटें मार लीं और खून पोंछकर साफी बांध ली

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के अयाना थाना क्षेत्र में ढाई महीने पहले हुए 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला हत्याकांड के मामले का पर्दाफाश करते हुए अयाना पुलिस टीम ने आरोपी पति 73 वर्षीय चुन्नीलाल माली को गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि चुन्नीलाल माली ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी कमलाबाई के सिर पर धारदार हथियार से गंभीर वार कर उसकी हत्या की थी और मामले में पुलिस को गुमराह करने के लिये अज्ञात हमलावरों की वारदात दर्शाने के लिए स्वयं के सिर पर भी हल्की चोटें मार लीं और खून पोंछकर साफी बांध ली। घटना के अगले दिन दूधवाले के आने पर चुन्नीलाल ने दरवाजा खोला और स्वयं अनजान बनते हुए अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हमला करने की झूठी कहानी बताई।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि घायल चुन्नीलाल ने अयाना पुलिस को पर्चा बयान दिया कि घर में वह और उसकी पत्नी कमलाबाई दोनों ही रहते हैं। बयान में कहा कि कुछ महीनों से उसका दामाद उसके पास आकर रहने लगा था जो जमीन उनके नाम करने की बोलता था, मना करने पर वापस चला गया। बयान में कहा कि 28 जुलाई की देर रात्रि वो बाथरूम करने उठा था, तभी अज्ञात ने उस पर व उसकी पत्नी पर हमला किया, हमले में उसकी पत्नी कमलाबाई (70) की मौत हो गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि अयाना पुलिस ने मामला दर्ज किया, मामले को गंभीरता से लेते हुए अयाना थानाधिकारी रघुवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि कजलिया गांव में हुए हत्याकांड में गठित टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए कमला बाई की हत्या के आरोप में उसके पति चुन्नीलाल माली को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में अनुसंधान के दौरान सामने आया कि घटनास्थल का मुख्य दरवाजा रात से सुबह तक अंदर से बंद था, जिसे सुबह दूधवाले के आवाज देने पर स्वयं चुन्नीलाल ने अंदर से खोला। यदि कोई बाहरी बदमाश वारदात करता तो मुख्य द्वार से निकलता, इसके अतिरिक्त मकान की छत, चद्दरों या केहलू पर किसी बाहरी व्यक्ति के दीवार फांदकर चढ़ने-उतरने अथवा टूट-फूट का कोई निशान नहीं पाया गया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में आरोपी चुन्नीलाल ने पुलिस को गुमराह करने के लिए अपने जमाई बलराम और भतीजों सोनू व चेतन पर जमीनी रंजिश को लेकर झूठा संदेह जताया। तकनीकी अनुसंधान में जमाई बलराम घटना की रात अपने बहनोई के मरणोपरांत शोक कार्यक्रम में गांव रावल जावल में मौजूद पाया गया और भतीजों की लोकेशन में भी कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली, घटनास्थल पर मृतका और चुन्नीलाल के अलावा कोई तीसरा व्यक्ति मौजूद नहीं था। पड़ोसियों के बयानों से दोनों के बीच पूर्व से गृह क्लेश और चुन्नीलाल के क्रोधी स्वभाव की पुष्टि हुई। अनुसंधान से साबित हुआ कि घरेलू विवाद के बाद चुन्नीलाल ने पत्नी के सोने का इंतजार किया और धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी तथा खुद को बचाने के लिए अज्ञात हमलावरों की झूठी कहानी गढ़ी।

अयाना पुलिस टीम ने महिला हत्याकांड के आरोपी चुन्नीलाल को गिरफ्तार किया।

आबादी भूमि के पट्टे को लेकर विवाद का मामला सामने आया

परिवादी का आरोप है कि विवादित भूमि को लेकर मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद पट्टा बनवाया

- आरोप है कि पट्टे की आड़ में भूखंड पर रखा सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर ले जाया गया तथा जेसीबी चलाकर मकान की दीवारों को क्षतिग्रस्त कर दिया
- न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

मसूदा, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र में आबादी भूमि के पट्टे को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विवादित भूखंड का पट्टा जारी करवाने, वहां रखा सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर ले जाने और जेसीबी से मकान की दीवारें क्षतिग्रस्त करने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट, मसूदा के आदेश पर मसूदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में ब्यावर के लोकाशाह नगर निवासी शांति लाल ललवानी, मसूदा निवासी राकेश कुमार संचेती और भागचंद रांका को आरोपी बनाया गया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार ललवानी मोहल्ला, मसूदा निवासी गफूर मोहम्मद पिंजारा ने न्यायालय में परिवाद पेश कर बताया कि आबादी भूमि खसरा संख्या 3111 में उनका मकान बना हुआ है। मकान के आगे पार्किंग के लिए खाली जगह है, जिस पर उनके परिवार का पुराने समय से अधिकार रहा है। परिवादी के अनुसार, उनके दादा इस स्थान पर तेल की घाणी चलाते थे और राजदरबार में लगान की रसीदें भी जमा करवाते थे। परिवाद में आरोप लगाया गया कि राकेश कुमार संचेती की ओर से उक्त भूखंड पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। इस संबंध में परिवादी ने अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका मसूदा और राकेश कुमार संचेती को पक्षकार बनाते हुए न्यायालय में वाद पेश किया था।

परिवादी का आरोप है कि विवादित भूमि को लेकर मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद शांति लाल ललवानी के नाम से उक्त जगह का पट्टा बनवा लिया गया। आरोप है कि पट्टे की आड़ में भूखंड पर रखा सामान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर ले जाया गया तथा जेसीबी चलाकर मकान की दीवारों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इससे मकान की दीवारों में दरारें आ गईं। परिवादी के अनुसार, मामले की शिकायत नगर पालिका में किए जाने के बाद पालिका प्रशासन ने 31 अगस्त को पट्टा निरस्त कर दिया था। परिवादी का दावा है कि अधिशासी अधिकारी ने भी माना था कि पट्टा प्राप्त करने के लिए नगर पालिका को गुमराह किया गया और फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। इसके बाद परिवादी ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भरतपुर-हिंडौन में बदला मौसम, धूल भरी आंधी के बाद बारिश हुई

भरतपुर/हिंडौन सिटी, (निसं)। भरतपुर शहर में दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली। तेज हवाओं के साथ धूलभरी आंधी चलने लगी। देखते ही देखते आसमान में धूल का गुबार छा गया और दिन में ही अंधेरा सा हो गया। इसके कुछ देर बाद बारिश शुरू हो गई। अचानक बदले मौसम के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज आंधी के चलते सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों को कम दृश्यता के कारण काफी दिक्कत हुई। वहीं, बारिश के कारण यातायात भी प्रभावित रहा। कई स्थानों पर दुकानों के टीन शेड और होर्डिंग तेज हवाओं के कारण हिलते नजर आए। आंधी और बारिश के दौरान लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश करते दिखाई दिए। बारिश के बाद तापमान में गिरावट महसूस हुई और लोगों को उमस व गर्मी से कुछ राहत मिली। मौसम ठंडा होने के कारण लोगों को सर्दी का अहसास होने लगा।

हिंडौन सिटी संवाददाता के अनुसार : -तेज हवाओं और हल्की बूंदाबांदी से मौसम का मिजाज बदल गया। तेज धूप और गर्मी के बाद शाम से पहले हल्की ठंडक महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार दिन का मौसम विभाग के अनुसार, दिन का अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहा। तेज हवाओं और बूंदाबांदी से तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट आई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मानसून की विदाई के बाद से इलाके में लगातार गर्मी और उमस थी। श्राद्ध पक्ष और शारदीय नवरात्रि में भी गर्मी का असर रहा। किसान अगली फसलों की बुवाई को लेकर चिंतित थे। कृषि मौसम विज्ञान केंद्र ने 16-17 अक्टूबर को भरतपुर संभाग के करौली जिले के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। जमीन में नमी का इंतजार कर रहे किसान अब रबी फसलों की बुवाई शुरू करेंगे।

नसीराबाद संवाददाता के अनुसार : नसीराबाद में गुरुवार शाम होते-होते मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। दिनभर के मौसम के बाद शाम को ठंडी हवाएं चलने लगीं और देखते ही देखते बारिश शुरू हो गई। हवा के साथ हुई बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई। नवरात्र के दिनों में बदले मौसम ने लोगों को ठंड का अहसास कराया। शाम के समय अचानक बदले मौसम के चलते आसमान में बादल नजर आया और हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश तेज नहीं थी, लेकिन ठंडी हवाओं के साथ रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी ने मौसम को सुहावना बना दिया। पंचमी के दिन हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं मौसम में ठंडक बढ़ने के संकेत भी नजर आने लगे।

शाम के समय हवा के साथ बारिश शुरू होने से सड़कों पर आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को भी मौसम के बदलाव का सामना करना पड़ा। अचानक हुई बूंदाबांदी के कारण वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी। हालांकि बारिश ज्यादा तेज नहीं होने से जनजीवन पर व्यापक असर नजर नहीं आया। शाम ढलने के साथ ठंडी हवाओं और बारिश ने मौसम को बदल दिया। अब मौसम में आई इस ठंडक के चलते आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट की संभावना को लेकर लोगों की नजरें मौसम के मिजाज पर टिकी हैं।

चोरी की सरसों खरीदने का आरोपी गिरफ्त में

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। बाड़े से 25 कट्टे सरसों चोरी करने के मामले में रुदावल थाना पुलिस ने चोरी की सरसों खरीदने के आरोप में आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सुनील कुमार उर्फ सोनू (29) पुत्र विशेष कुमार रुदावल कस्बे के छोटा बाजार का निवासी है। इस मामले में चोरी के दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। रुदावल पुलिस ने बताया कि गांव माडापुरा निवासी रमेश सिंह जाट ने 20 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 अगस्त को गौरव और शैतान सिंह उसके बाड़े में रखे सरसों के 25 कट्टे चोरी कर ले गए। मामले में अनुसंधान के दौरान एएसआई जितेंद्र सिंह ने चोरी की सरसों खरीदने के आरोप में सुनील कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, इससे पहले चोरी के आरोपी गौरव और शैतान सिंह को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

रींगस में एमआरपी से एक रुपया अधिक वसूली पर जुर्माना लगाया

- दूध की थैली पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य से एक रुपया अधिक वसूलने की अनियमितता सामने आई

सीकर, (निसं)। रींगस शहर में एमआरपी से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों की गुरुवार को जांच की गई। जांच अभियान गणेश योगी, विधिक माप विज्ञान अधिकारी, सीकर के नेतृत्व में संचालित किया गया। जांच के दौरान बीकानेर बस स्टैंड, रींगस स्थित सरस पार्लर बूथ, साक्षी स्वीट्स एवं आइसक्रीम कॉर्नर तथा अनिल मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दूध की थैली पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य से एक अधिक राशि वसूलने की अनियमितता सामने आई। जांच में अनिल मिष्ठान भंडार पर दूध की थैली पर अंकित एमआरपी से एक अधिक राशि वसूली पाए जाने पर 5000 का जुर्माना वसूल किया गया।

इसी प्रकार सरस पार्लर बूथ, रींगस तथा साक्षी स्वीट्स एवं आइसक्रीम कॉर्नर, रींगस में भी दूध की थैली पर निर्धारित एमआरपी से 1 रुपये अधिक राशि वसूलने के मामले सामने आने पर दोनों प्रतिष्ठानों के विरुद्ध पैकेज्ड कमोडिटीज नियम 2011 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। विभाग ने स्पष्ट किया कि पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य से अधिक राशि वसूलना नियमों के विपरीत है।

गणेश योगी, विधिक माप विज्ञान अधिकारी, सीकर ने व्यापारियों से अपील की कि वे प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी आग्रह किया कि यदि किसी प्रतिष्ठान पर एमआरपी से अधिक राशि वसूल की जाती है, तो इसकी शिकायत संबंधित विभाग से करें। विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, अनुचित वसूली पर रोक तथा बाजार में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जांच अभियान आगे भी जारी रखे जाएंगे।

सालासर मेले में खाद्य सुरक्षा टीम ने आठ नमूने लिए : रतनगढ़ के सालासर मेले में श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुरुवार को विभिन्न दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान घी, तेल, मिठाई सहित अन्य खाद्य सामग्री के 8 नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना जांची गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थ स्वच्छ एवं सुरक्षित तरीके से रखने तथा साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए।

अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन सिंह गोदारा, रामौतार शर्मा, पूजा सैनी, हरिराम जी सहित डॉ. प्रकाश नागौरा एवं डॉ. अनिल मील शामिल रहे।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से 11 लाख रुपये और गहने ठगे

- महिला ने पुलिस थाने में शिकायत देकर कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप लगाए
- आरोपियों ने महिला को लाइब्रेरियन के पद पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया और शैक्षणिक दस्तावेज तैयार करवाने, अनुभव प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर ठगी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी थाना क्षेत्र में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक महिला से करीब 11 लाख रुपए और सोने के आभूषण हड़पने का मामला सामने आया है। इस संबंध में चंचल राठौड़ ने पुलिस थाने में शिकायत देकर कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप लगाए हैं।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने महिला को लाइब्रेरियन के पद पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया और शैक्षणिक दस्तावेज तैयार करवाने, अनुभव प्रमाण पत्र बनवाने तथा अधिकारियों से फाइल पर हस्ताक्षर करवाने के नाम पर अलग-अलग समय पर रकम और गहने लिए। परिवाद के अनुसार जनवरी 2025 में महिला अपनी बहन के साथ बाजार गई थी। वहां उसकी मुलाकात एक ज्योतिषी की दुकान पर बैठने वाले भूपेश कुमार से हुई। महिला ने नौकरी के संबंध में जानकारी मांगी तो भूपेश ने सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया और बाद में उमेश नाम के व्यक्ति से संपर्क करवाया। महिला का आरोप है कि उमेश ने उसके शैक्षणिक दस्तावेज व्हाट्सएप पर मंगवाए और बिलाड़ा क्षेत्र में लाइब्रेरियन का पद खाली होने की बात कहकर नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। शिकायत में बताया गया है कि मार्च 2025 से दस्तावेज तैयार करवाने, कंप्यूटर कोर्स की मार्कशीट, शपथपत्र, गारंटर और अनुभव प्रमाण पत्र बनवाने सहित विभिन्न कार्यों के नाम पर रकम मांगी जाने लगी। रकम की व्यवस्था नहीं होने पर सोने के आभूषण देने के लिए कहा गया। आरोप है कि महिला ने भूपेश दवे की पत्नी ज्योति और उसकी बेटी पूजा को भी आभूषण सौंपे।

परिवाद के मुताबिक, बाद में महिला से बिलाड़ा में बीडीओ के हस्ताक्षर करवाने तथा फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर भी रकम मांगी गई। महिला ने एक लाख रुपये नकद देने और शेष रकम की व्यवस्था करने के लिए अपनी सास के सोने के आभूषण देने का आरोप लगाया है। इसके बाद पूछताछ और दस्तावेजों की जांच रुकवाने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये की मांग किए जाने का भी उल्लेख शिकायत में किया गया है। महिला ने आरोप लगाया कि बाद में अलग-अलग अधिकारियों के नाम पर रकम और गहनों की मांग जारी रही। इस तरह उसके करीब 11 लाख रुपये और सोने के आभूषण हड़प लिए गए। महिला के अनुसार, बाद में उसे संदेह हुआ कि भूपेश कुमार दवे और उमेश एक ही व्यक्ति हो सकते हैं। इसके बाद संपर्क करने पर संबंधित मोबाइल नंबर बंद मिले। परिवाद में भूपेश कुमार, उमेश, ज्योति, पूजा सहित अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप लगाते हुए पुलिस से मामला दर्ज कर जांच करने, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा रकम और आभूषण वापस दिलाने की मांग की गई है। मामले में आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

पीबीएम अस्पताल की नई मेडिसिन विंग में मरीज की मौत के मामले में नया खुलासा

- मरीज को कागजों में बेड अलॉट कर दिया गया था, लेकिन भर्ती होने के बाद करीब 17 घंटे तक उसे अपना असली बेड नसीब नहीं हुआ
- मरीज को बेड के पास ही अटेंडेंट के बेड पर लेटना पड़ा, बाद में स्थिति बिगड़ने पर आईसीयू में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई
- चिकित्सा शिक्षा आयुक्त के आदेश पर अधीक्षक डॉ. घीया ने मेडिकल ज्यूरिस्ट की चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल की नई मेडिसिन विंग में मरीज की मौत के मामले में नया खुलासा हुआ है। मरीज राधेश्याम को कागजों में बेड अलॉट कर दिया गया था, लेकिन भर्ती होने के बाद करीब 17 घंटे तक उसे अपना असली बेड नसीब नहीं हुआ। उसे बेड के पास ही अटेंडेंट (तीमारदार) के बेड पर लेटना पड़ा। बाद में स्थिति बिगड़ने पर आईसीयू में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

श्रीडूंगरगढ़ के पूनरासर निवासी राधेश्याम की मौत के मामले में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पीबीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. बीसी घीया को सौंप दी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, कागजों में मरीज को जी-21 नंबर बेड अलॉट किया गया था। क्लिनिकल आधार पर उसकी मृत्यु का प्राथमिक कारण वायरल और ड्रग रिएक्शन, माना गया है। परिजनों के मुताबिक, मरीज का बीपी काफी कम था और उसके सीने में तेज दर्द हुआ था। मामला उजागर होने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी फैक्चुअल रिपोर्ट मांगी है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त के आदेश पर अधीक्षक डॉ. घीया ने मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. परमेंद्र सिरोही, डॉ. रोहिताश्व कुलरिया, डॉ. मनोज माली और एक मेडिकल ज्यूरिस्ट की चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। कमेटी को तीन दिन में विस्तृत जांच कर फैक्चुअल रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

उधर, अधीक्षक डॉ. घीया ने बुधवार को खुद नई मेडिसिन विंग का जायजा लेकर मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। वहीं, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने भी अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाओं पर भारी नाराजगी जताई है। मृतक के भाई विष्णु दत्त और तीमारदार मनोज सारस्वत ने अस्पताल अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर दोषी डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नई मेडिसिन विंग में बेड की मारामारी को नियंत्रित करने के लिए एचओडी डॉ. परमेंद्र सिरोही ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जिसमें सभी यूनिट हेड्स को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया है।

डॉ. बीसी घीया, अधीक्षक, पीबीएम अस्पताल के अनुसार मेडिसिन विभाग में सीजनल डिजीज के समय मरीजों की भारी भीड़ रहती है। यह स्थायी आदेश है कि ऐसे समय में यदि किसी दूसरी यूनिट के बेड खाली हैं, तो वहां मरीज को सुलाया जाए। हम इमरजेंसी में अतिरिक्त बेड लगाने की व्यवस्था भी कर रहे हैं। मृतक मरीज को कागजों में बेड अलॉट किया गया था। पूरी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

मंदिर व मकानों में चोरी करने वाले गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने एक ही रात में पांच मंदिरों एवं तीन मकानों में चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर सुखेर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में टीम ने कार्यवाही करते हुए डांगियों का गुड़ा गांव में एक ही रात में 5 मंदिरों व 3 मकानों के ताले तोड़कर चांदी की मूर्तियां, छत्र, दानपेटी से नकदी चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए मेघाराम पुत्र मांगीलाल निवासी कलवा खेड़ा नोल गोगुन्दा, कमलेश पुत्र भेरा निवासी कलवाखेड़ा नाल गोगुन्दा तथा भेरा राम पुत्र हकरा निवासी बिलख कुडाल ओगणा को गिरफ्तार किया। 26 सितंबर को आरोपियों ने डांगियों का गुडा गांव में महिला देवरा, धर्मराज की मंदिर, मगरी वाला देवरा तथा कुम्हारों का मंदिर भेरूजी मंदिर से चांदी की मूर्तियां, छत्र, दानपेटी चोरी की थी तथा तीन मकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने चरवाहा एवं ट्रेक्टर चालक बनकर रात के समय में क्षेत्र की रैकी कर वारदात करने के बाद फरार हो गए थे, जिन्हें घेराबंदी कर गोगुन्दा से ओगणा की पहाड़ियों से दबोचा।

जेवरात व नकदी चोरी :- उदयपुर में पीड़ित के मकान का ताला खोल कर जेवरात व नकदी चोरी करने वाले के खिलाफ कुराबड़ थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सोहनलाल पुत्र भागचंद जैन निवासी कासदर हाउस राजस्थान मरूधरा बैंक के पास जगत ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 11 अक्टूबर को मैं सवेरे सामाजिक काम से गया तथा दोपहर में वापस लौटा तो मकान का ताला खुला हुआ था एवं तलाशी ली तो मकान के टॉप्स सोने के, 10 हजार रूपये नकदी तथा मोबाइल गायब थी। अज्ञात चोर दुकान में रखी मकान की चाबी चुरा कर ताला खोल वारदात कर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

कार की टक्कर से बालक की मौत

टोंक, (निसं)। पीपलू मुख्यालय स्थित बस स्टैंड पर बुधवार को एक कार की टक्कर से तीन वर्षीय बालक की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डोडवाड़ी निवासी कैलाश शर्मा अपनी पत्नी व पौत्र जयेश पुत्र हृदयेश शर्मा के साथ ग्राम बासड़ा जयकिशनपुरा में रिश्तेदारी में तीये की बैठक में शामिल होकर वापस आ रहे थे। इसी दौरान पीपलू बस स्टैंड पर मृतक बालक अपनी दादी के साथ एक दुकान के बाहर खड़ा हुआ था। कैलाश शर्मा बाजार में कुछ सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान बालक के एक कार सवार ने टक्कर मार दी। कार का पहिया बालक के ऊपर से होकर गुजर गया, जिससे बालक कि मौके पर ही मौत हो गई। तुरंत बालक को सीएचसी लेकर पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मृत अवस्था में लेकर आए थे, बालक की मौत सिर में गंभीर चोट के चलते हुई है। चिकित्सकों ने आवश्यक कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिया।

गुजरात में कारीगर की हत्या कर करोड़ों की डकैती करने वाले दो शूटर उदयपुर में गिरफ्तार

सुखेर थाना पुलिस ने लूटा हुआ डेढ़ करोड़ का सोना-चांदी और वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की

- गुजरात के राजकोट शहर में एक स्वर्ण व्यवसायी के यहां सोना-चांदी लूटकर कारीगर की हत्या कर फरार हो गये थे दोनों बदमाश
- पूछताछ में आरोपियों ने राजकोट में वारदात कर यूपी की तरफ भागने की बात कबूल की, पुलिस ने दोनों को राजकोट शहर क्राइम ब्रांच को सौंपा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने गुजरात में एक कारीगर की हत्या कर डेढ़ करोड़ की डकैती करने के मामले में दो शातिर शूटरों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने राजकोट में वारदात कर यूपी की तरफ भागने की बात कबूल की। आरोपियों से सोना और बैग में चांदी बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर अंतरराज्यीय समन्वय के जरिये गुजरात के राजकोट शहर में एक स्वर्ण व्यवसायी के यहां डकैती डालकर कारीगर की हत्या कर फरार हुए दो शातिर बदमाशों को सुखेर और बडगांव थाना पुलिस ने घेराबंदी कर वारदात के आठ घंटे में दो शातिर शूटरों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूटा हुआ डेढ़ करोड़ का सोना चांदी और वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की।

जानकारी के अनुसार 15 अक्टूबर कंट्रोल रूम के जरिये सूचना मिली की राजकोट शहर गुजरात के थोरोला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित तन्वी गोल्ड ज्वैलर्स पर कार में आए तीन हथियारबंद बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की। जिसके चलते कारीगर लालली लवजी की मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश वहां से 1 किलो सोना और करीब तीन किलो चांदी का पाउडर लूट ले गए थे। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर बडगांव थाने के डीओ एएसआई कृष्ण गोपाल, कांस्टेबल योगेन्द्र ने सिरोही रोड की तरफ से आने वाले वाहनों की सख्ती से नाकाबंदी शुरू की। इसी दौरान गोगुन्दा से अंबेरी रोड पर चालक को कार रुकने का इशारा किया तो चालक कार लेकर भागा जिसे पिछा कर रुकवाया। इसकी सूचना मिलने पर सुखेर थानाधिकारी भरत योगी, एएसआई ईश्वरलाल, कांस्टेबल कमलेश ने मौके पर पहुंच कर कार में सवार अजीत कुमार पांडे पुत्र रामशपथ पांडे निवासी डेडवलिया सकलडीहा थानापुर चंदौली यूपी, शिवम पांडे पुत्र अशोक पांडे निवासी डेडवलिया सकलडीहा थानापुर चन्दौली यूपी की तलाशी ली तो एक के जूते से सोने व कारकी डिग्गी से चांदी का पाउडर बरामद कर दोनों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने राजकोट की वारदात कर यूपी की तरफ भागने की बात कबूल की। आरोपियों ने चोरी किया माल जूते के सोल में सोना और बैग में चांदी बरामद की। पुलिस ने दोनों को राजकोट शहर क्राइम ब्रांच के उप निरीक्षक एस एम राना को सौंपा।

अधिकारियों ने नहरों का दौरा किया

टोंक, (निसं)। जिले के छोटे-बड़े बांधों से जुड़ी नहरों की साफ-सफाई और मरम्मत कार्य को समय पर पूरा करने के लिए, जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला कलेक्टर टीना डाबी के निर्देश पर गुरुवार को प्रशासनिक एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जिले की विभिन्न नहरों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

गौरतलब है कि जिला कलेक्टर ने बुधवार को नहरों की बेहतर स्थिति और सुचारू जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी के विशेष आदेश जारी किए थे। कार्य में पारदर्शिता और गति लाने के लिए 37 जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में नहरों की साफ-सफाई से पहले और बाद के फोटोग्राफ आवश्यक रूप से लें। इससे कार्य की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का सटीक आकलन किया जा सकेगा।

शाहपुरा में अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सोमवार से

शाहपुरा। शाहपुरा नगर परिषद के मुख्य मार्गों में कई महीनों से अस्थाई अतिक्रमण एवं यातायात अव्यवस्था के चलते आये दिन जाम की स्थिति बनी रहती है जिसके कारण शहरवासियों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है जिसके निदान को लेकर सभापति रवीश खटाणा ने नगरपरिषद शाहपुरा में आयुक्त तनुजा सोलंकी की उपस्थिति में शहर के व्यापार संगठनों की मीटिंग ली। इस दौरान सभापति रवीश खटाणा ने शहर को अतिक्रमण एवं जाम से मुक्ति हेतु उपस्थित सभी व्यापार संगठनों के साथ चर्चा परिचर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिसमें सभी दुकानदारों एवं थड़ी ठेली वालों को सड़क पर बनी सफेद पट्टी के अंदर सामान रखने एवं पार्किंग प्वाइंट पर वाहन खड़ा करने तथा अपने प्रतिष्ठान में नियमानुसार कचरा पात्र रखने की बात कही। सभापति रविश खटाणा ने समस्त शहरवासियों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने एवं जाम से मुक्ति हेतु नगर परिषद का सहयोग करने की अपील की।

मेले हमारी संस्कृति, परम्पराओं को सहेजने व रोजगार के माध्यम: बेढ़म

भरतपुर। जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेले का शुभारंभ गुरुवार को विधि-विधान से ध्वजारोहण के साथ हुआ। गृह राज्य एवं पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम और जिला कलक्टर कमर चौधरी ने पूजा-अर्चना के बाद ध्वजारोहण किया और फीता खोलकर मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मेयर अनुराधा सिंह सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि मेले हमारी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं। इनके माध्यम से आमजन को जरूरत का सामान भी मिलता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार मेलों के वैभव को बनाए रखने और उनके संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि रियासतकाल में उन्नत

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने जसवंत प्रदर्शनी एवं पशु मेले का शुभारंभ किया।

पशुपालन को बढावा देने के लिए यह मेला स्थानीय किसानों एवं पशुपालकों का केन्द्र था, व्यापारीवर्ग को भी इस मेले से आय होती थी। वहीं आमजन को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाता था।

उन्होंने बताया कि महाराजा किशन सिंह ने वर्ष 1920 में अपने दादा महाराजा जसवंत सिंह की स्मृति में इस मेले की शुरुआत की थी। पूर्वी राजस्थान की पहचान बन चुका यह मेला इस वर्ष 107वीं बार आयोजित हो रहा है।

- **अब तक 1 करोड़ 17 लाख 98 हजार रुपये से अधिक की आय, देशभर से आए व्यापारी और पशुपालक**

राजस्थान और उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों सहित देशभर से पशुपालक, व्यापारी और आमजन यहां पहुंचते हैं। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल प्रतियोगिताओं का ऐतिहासिक स्वरूप बनाए रखने तथा व्यापारियों के संरक्षण, आमजन की सुरक्षा और मनोरंजन की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर कमर चौधरी ने कहा कि मेले में सुविधाओं के विस्तार और व्यापारियों के संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मेला मैदान और नुमाइश स्थल के स्वरूप को निखारने के साथ जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नाला निर्माण कार्य प्रगति पर है। डॉ. चौधरी ने बताया कि गत वर्ष मेले से 92 लाख रुपये की आय हुई थी, जबकि इस वर्ष अब तक 1 करोड़ 17 लाख 98 हजार रुपये से अधिक की आय प्राप्त हो चुकी है।

अतिरिक्त निदेशक पशुपालन खुशीराम मीना ने अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मृदुल सिंह, अतिरिक्त कलेक्टर शहर राहुल सैनी, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, गिरधारी तिवारी, सत्येंद्र गोयल, रूपेंद्र सिंह, जगत सिंह गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

एसडीएम व तहसीलदार ने तालाब व बीसलपुर नहरों का निरीक्षण किया

निवाई। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशों की अनुपालना में उपखण्ड अधिकारी गंभीर सिंह व तहसीलदार सृष्टि जैन ने प्रशासनिक टीम के साथ निवाई क्षेत्र के माथोलाव तालाब व बीसलपुर पेयजल एवं सिंचाई परियोजना से जुड़ी प्रमुख नहरों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नहरों की वर्तमान भौतिक स्थिति, तटबंधों की मजबूती एवं पानी के प्रवाह मार्ग का जायजा लिया। आगामी समय में किसानों की सिंचाई व जल वितरण को ध्यान में रखते हुए पानी छोड़े जाने से पूर्व संपूर्ण नहर तंत्र को दुरुस्त करने पर विशेष जोर दिया गया। उपखण्ड अधिकारी गंभीर सिंह ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों व कार्मिकों को निर्देशित किया कि नहरों में जमी सिल्ट, कंटीली झाडि़यों एवं मलबे की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जल प्रवाह के दौरान किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं हो और अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक पानी सुचारू रूप से पहुंच सके। इसके साथ ही उन्होंने नहरों के क्षितग्रस्त किनारों व जल द्वारों की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता से समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन की इस सक्रियता से क्षेत्र के किसानों में फसलों की सिंचाई को लेकर सकारात्मक उम्मीद जगी है, वहीं विभागीय तंत्र भी जल निकासी व आपूर्ति से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर चाक-चौबंद है। इस अवसर गिरदावर अजय यादव व चित्रांश माथूर सहित कई कर्मचारी मौजूद थे।

अमरसर महाकाली शक्ति पीठ पर आस्था का सैलाब उमड़ा

मनोहरपुर। समीपवर्ती अमरसर स्थित श्री महाकाली शक्ति पीठ पर नवरात्रि महोत्सव के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। माता के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। शक्ति पीठ के श्री प्रेमगिरी महाराज के सानिध्य में और जयपुर (ढ़ेर के बालाजी) के विख्यात आचार्य पण्डित पुरुषोत्तम शास्त्री महाराज के आचार्यत्व में नवरात्रि के पावन उपलक्ष्य पर सहस्त्र चंडी महानुष्ठान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। अनुष्ठान के पांचवें दिन मुख्य आचार्य पण्डित पुरुषोत्तम शास्त्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को नवदुर्गा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता की विशेष पूजा-अर्चना करवाई और उनकी महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि माता की भक्ति से प्रसन्न होकर वे भक्तों को शीघ्र फल प्रदान करती हैं। इस अवसर पर पंडित हेमंत शर्मा (सांवलपुरा वाले) ने बताया कि सुबह से ही श्रद्धालु लंबी कतारों में लगकर माता के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं। पंडित कमलेश शर्मा (लोहरवाड़ा) ने माता की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां आदिशक्ति ही इस संपूर्ण सृष्टि की संचालक हैं। जब चारों ओर गहरा अंधकार था, तब मां ने अपनी मंद मुस्कान से इस ब्रह्मांड की रचना की थी। पण्डित विनोद शर्मा ने जानकारी दी कि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन रात्रि में दुर्गासप्तशती पाठ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कुंड में विशेष आहुतियां दिलवाई जा रही हैं। अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु लाल वस्त्र धारण कर पूर्ण विधि-विधान और नियमों का पालन करते हुए भाग ले रहे हैं।

भाबरू संस्कृत विद्यालय का भवन निर्माण करवाने की मांग

पावटा। विधानसभा क्षेत्र विराटनगर के भाबरू स्थित जोगियों का बास राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय का भवन पूरी तरह जमींदोज होने के बाद अब नए भवन निर्माण की मांग उठी है। विधायक कुलदीप धनखड़ ने इस संबंध में संस्कृत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को पत्र लिखकर समग्र शिक्षा के तहत नवीन भवन निर्माण के लिए आवश्यक बजट प्राथमिकता से स्वीकृत करवाने का आग्रह किया है। विधायक धनखड़ ने पत्र में बताया कि विद्यालय का पुराना भवन लंबे समय से अत्यंत जर्जर अवस्था में था, जो अब पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। ऐसे में भवन की स्थिति विद्यार्थियों के बैठने और अध्ययन के अनुकूल नहीं है। इससे छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है, वहीं उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने मंत्री से विद्यार्थियों के सुरक्षित शैक्षिणक भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर समग्र शिक्षा के अंतर्गत नए भवन निर्माण के लिए बजट शीघ्र स्वीकृत करवाने का अनुरोध किया है। विधायक ने पत्र के साथ ध्वस्त भवन की तस्वीरें, कनिष्ठ अभियंता की ओर से तैयार नवीन भवन निर्माण का अनुमानित बजट, संस्था प्रधान द्वारा जारी प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी संलग्न किए हैं। अब विद्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए बजट स्वीकृति मिलने की उम्मीद है, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित शैक्षिणक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

टोंक के स्वर्ण दुर्गा मंदिर में गरबा-डांडिया की धूम

टोंक। शहर के हाईवे स्थित स्वर्ण दुर्गा कैलाशपति मंदिर में गुरुवार को मां स्वर्ण दुर्गा का दरबार महिषा सुरमर्दिनी के स्वरूप में सजाया गया। इस दौरान रंग-बिरंगे परिधानों में सजी कन्याओं और महिलाओं ने गरबा व डांडिया नृत्य कर माता की आराधना की। भक्ति गीतों की धुन पर महिलाओं ने उत्साह के साथ नृत्य किया और मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। आयोजन के दौरान बेस्ट ड्रेस प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, साथ ही कन्याओं का पूजन कर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और कन्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

निवाई। यूरिया खाद के कट्टे को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेचने के मामले को लेकर किसानों ने उपखंड अधिकारी गंभीर सिंह को ज्ञापन सौंपकर व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। संजय बराला, एडवोकोट रामजीलाल जाट, सत्यनारायण, गिर्राज, गणेश मीना, कमल पलेई, नरेश कुमार, करण मीना, रवि मीना, अंकेश नला, अनुराज किवाड़ा, मेघराज गुर्जर, अजय बैरवा, विकास पलेई, महेंद्र कुमावत व दीपू निमोडिया सहित कई किसानों ने बताया कि यूरिया खाद के कट्टे को निर्धारित दर से अधिक कीमत पर बेच रहे है। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

बस्सी में पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा की संगठनात्मक बैठक

बस्सी। पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने बस्सी पंचायत समिति क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को आगरा रोड स्थित बलराम आश्रम, बस्सी चक में भाजपा की संगणनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में पंचायत समिति बस्सी की चुनाव प्रभारी रत्ना कुमारी की उपस्थिति में चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में भाजपा प्रत्यासी चंद्रमोहन मीणा की अध्यक्षता में पंचायत चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बस्सी सहप्रभारी आलोक पारीक सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। रत्ना कुमारी ने संगठन के विभिन्न स्तरों पर आपसी तालमेल बनाए रखने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

- **बस्सी पंचायत समिति की चुनाव प्रभारी रत्ना कुमारी के नेतृत्व में संगठनात्मक समन्वय और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर चर्चा**

बैठक में बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र प्रमुखों, मंडल पदाधिकारियों, निवर्तमान पंचायत समिति एवं जिला परिषद सदस्यों, वार्ड प्रभारियों और संयोजकों की भूमिका पर चर्चा की गई। साथ ही जिला परिषद प्रत्याशियों, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों और पंचायत समिति सदस्य पद के लिए आवेदन करने वाले कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया गया।

पावटा में तीसरे दिन 73 नामांकन दाखिल

पावटा। जिले में पंचायती राज आम चुनाव 2026 को लेकर लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव शुरू हो चुका है। चुनावी रणभेरी बजते ही पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए दावेदारों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। नामांकन के पहले दिन एक भी नामांकन नहीं हुआ, दूसरे दिन उपखंड कार्यालय पावटा परिसर में प्रत्याशियों और समर्थकों का भारी तांता लगा रहा। हर कोई अपने चहेते उम्मीदवार को जिताने के संकल्प के साथ ढ़ोल-नगाड़ों और गगनभेदी नारों के बीच पर्चा दाखिल करने पहुँचा। चुनावी समर के दूसरे दिन ही मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। पंचायत समिति सदस्य पद के लिए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से 18 अभ्यर्थियों ने कुल 21 नामांकन व तीसरे दिन 59 अभ्यर्थियों ने 73 नामांकन पत्र दाखिल किए। वही आज नामांकन के अंतिम दिन है। जिससे साफ है कि इस बार मुकाबला बेहद कड़ा है। पावटा पंचायत समिति के 19 वार्डो की सीटों पर घमासान जारी है।

कोटपूतली में मतदाता जागरूकता रैली निकाली

कोटपूतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली महाविद्यालय के निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वाधान में आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य आमजन और युवा विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक करना और लोकतंत्र में हर एक वोट के महत्व को समझाना था। प्राचार्य प्रो. आर. के. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक मजबूत और जीवंत लोकतंत्र की नींव जागरूक एवं जिम्मेदार मतदाताओं पर टिकी होती है।

प्राचार्य ने युवाओं से आव्हान किया कि वे ना केवल स्वयं अनिवार्य रूप से मतदान करें, बल्कि अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज के अन्य लोगों को भी बिना किसी डर या

राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया।

प्रलोभन के निष्पक्ष मतदान करने के लिए प्रेरित करें।

रैली के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह देखने को मिला। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए विद्यार्थियों ने गगनभेदी नारों के माध्यम से मतदाता पंजीकरण और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर आसपास के क्षेत्रों में गई, जहाँ लोगों को लोकतंत्र को मजबूत बनाने की शपथ की याद दिलाई गई। इस दौरान डॉ. पी. सी. जाट, डॉ. हंसराज सोनी, डॉ. हुकम चंद गुर्जर, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी प्रो. घनश्याम, डॉ. कोमल व डॉ. अमित कुमार सहित महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'आपसी मतभेद छोड़कर शहर के विकास में सहयोग करें'

निवाई। नगर पालिका के सभागार में नगरपालिका अध्यक्ष नरेंद्र जयसिंहपुरा की अध्यक्षता व विधायक रामसहाय वर्मा की मौजूदगी में नगर पालिका बोर्ड की बैठक आयोजित हुई। जिसमें शहर के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक से पूर्व अधिशाषी अधिकारी नवरत्न शर्मा के नेतृत्व में नगर पालिका प्रशासन ने पालिका के नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र

नगर पालिका में आयोजित बोर्ड की बैठक में संबोधित करते हुए विधायक रामसहाय वर्मा।

- **पालिका बोर्ड की प्रथम बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा**

शर्मा सहित सभी वार्डों के नवनिर्वाचित पार्षदों को माला एवं साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

बैठक में कांग्रेस पार्षद रेखा जैन व तनीषा सैनी ने पालिका अध्यक्ष के पदभार समारोह में कांग्रेस के पार्षदों को आमन्त्रित नहीं करने पर नाराजगी जताते हुए स्वागत करवाने से इन्कार कर दिया। जिस पर पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि मुहूर्त को लेकर समय के अभाव में कार्यक्रम को आनन फानन में करना पड़ा था। जिसके बाद सम्मान प्रक्रिया शुरू हुई। कांग्रेस पार्षद तनीषा सैनी ने दशहरे मेले के आयोजन को लेकर टेंडर प्रक्रिया के खर्चे का ब्यौरा मांगा। जिस पर पालिकाध्यक्ष शर्मा ने टेंडर प्रक्रिया व खर्चे की जानकारी दी। नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी नवरत्न शर्मा ने सदन को बताया कि दशहरा महोत्सव को भव्य बनाने के लिए पिछले टेंडर से दस प्रतिशत बढ़ाकर नियमानुसार पारदर्शिता के साथ खर्च किया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष अल्लाह रखा ने कहा शहर में सफाई व्यवस्था खराब है, वार्डों में पेयजल समस्या बनी हुई। शिवाजी कॉलोनी में पेयजल संकट बना हुआ है। उन्होंने ईदगाह के लिए जगह आवंटित करने की मांग की। पार्षद दयाराम चौधरी ने भूखंड लॉटरी से डीएलसी दरों पर आंवटित करने की मांग की।

पार्षद अजय पारीक ने बताया कि पुरानी निवाई में मूलभूत सुविधाओं के अभाव से लोग पलायन कर रहे हैं। जिसके लिए नगर पालिका द्वारा पार्किंग व्यवस्था की जाए, नियमित साफ-सफाई हो एवं सुगम रास्ते बनवाए जाएं, पुरानी निवाई में पुराने खण्डर पड़े मकानों को पालिका द्वारा खरीदकर या अधिग्रहण करके उनके स्थान पर पार्किंग का निर्माण करवाया जाए। जिससे लोगों का पलायन रूक सके।

पेयजल समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा

मनोहरपुर। नगर पालिका मनोहरपुर के वार्ड नंबर 27 की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पार्षद सुमन देवी ने अधिशासी अधिकारी शुभम गुप्ता पालिका अध्यक्ष अर्जुन मोहनपुरिया व जलदाय विभाग कनिष्ठ अभियंता जयराम को लिखित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ज्ञापन में वार्डवासियों को राहत देने के लिए पेयजल, सड़क, नाली, सफाई और रोशनी सहित 10 प्रमुख समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।

पार्षद ने ज्ञापन में पेयजल समस्या दूर करने, वार्ड की क्षितग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाने, नालियों का सही निर्माण करवाने तथा नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इसके साथ ही अंबेडकर पार्क में स्ट्रीट लाइट और सौर ऊर्जा लाइट लगवाने, बंद पड़ी लाइटें चालू करवाने तथा पार्क की सफाई और सौंदर्यीकरण करवाने पर जोर दिया। ज्ञापन में वार्ड में रोजाना कचरा उठाने, बंद पड़ी नालियों की सफाई करवाने, जरूरत के अनुसार नई नालियों का निर्माण कराने तथा खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र लोगों के राशन कार्ड संबंधी लंबित कार्यों का समाधान करवाने की मांग भी शामिल है। पार्षद सुमन देवी ने अधिशासी अधिकारी से वार्ड की सभी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करवाकर आमजन को राहत देने का आग्रह किया।

शाहपुरा में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष तारा अग्रवाल एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नगरपरिषद क्षैत्र में जनता बाल निकेतन में नालसा योजनाएं महिला लैंगिक यौन उत्पीड़न (रोकथाम निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 पर विधिक (एसएच अधिनियम विशाखा दिशा-निर्देश आधार पर लागू किया गया है।) जागरूकता शिविर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता प्रिंसिपल सुनील कुमार शर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर जुनियर लीगल लिटरेसी क्लब की अध्यक्ष अंजू शर्मा भी उपस्थित रही।

अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि यह अधिनियम जहां पर 10 या इससे अधिक महिलाओं की संख्या पर कार्य स्थल पर गरिमा- मय, सुरक्षात्मक वातावरण में जीवन-यापन का अधिकार देता है। सरकारी सर्विसेज या प्राईवेट सर्विसेज दोनों क्षैत्रो में लागू होता है और महिला सशक्तिकरण की एक पहल है। सभी सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों मैं महिला लैंगिक उत्पीड़न समिति का गठन अनिवार्य है,

- **'महिलाओं की शिकायतों का निवारण अधिकतम समय 90 दिन में पूर्ण करना आवश्यक'**

अगर महिलाओं की शिकायतों का निवारण अधिकतम समय 90 दिन में पूर्ण करना आवश्यक है। शिकायत की सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन नंबर 15100 एवं महिला गरिमा हेल्पलाइन नंबर 1090 पर सूचित करे। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने स्थाई लोक अदालत, एवं मध्यस्थता अधिनियम 2023, अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने एमएसीटी मोटर वाहन दुर्घटना पर मृत्यु दावों की प्रतिवर्ष औसतन 4,71,000, अपंगता /मृत्यु के दावों का विवाद अदालत में आते है। इस संदर्भ में पीड़ित पक्षकारों को बीमा कम्पनियों को बीमा पॉलिसी का कोर्ट के आदेश पर पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत मृतक के परिवारों को भुगतान करना पड़ रहा है। इस अवसर पर पर संस्थान के अध्यापक गण में सचिव अनिल शर्मा, दिनेश शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, जगदीश प्रसाद जाट, मोहनलाल बुनकर, सहित 565 लाभार्थियों ने भाग लिया।

अलवर कलैक्टर ने चिकित्सालय का निरीक्षण किया

कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अलवर। जिला कलैक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन 100 बैडेड भवन को गुणवत्ता के साथ नवंबर माह तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये। सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने 40 करोड रूपये की लागत से निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट को आगामी 3 माह में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि क्रिटिकल केयर का कार्य पूर्ण होने पर ट्रोमा, इमरजेंसी में आने वाले मरीजों की सुविधाओं में इजाफा होगा।

- **क्रिटिकल केयर यूनिट एवं 100 बेड भवन को गुणवत्ता के साथ निर्धारित टाइमलाइन में पूर्ण कराने के निर्देश**

साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सके, इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रगतिरत कार्यों, रिनोवेशन व अपग्रेडेशन कार्यों को गति प्रदान कर गुणवत्ता युक्त तरीके से निर्धारित टाइमलाइन में पूर्ण करावें।

किशनगढ़ बास में अतिक्रमण पर नगर पालिका का चला पीला पंजा

किशनगढ़ बास। नगर पालिका के नए मुखिया विश्वास यादव ने पदभार संभालने के बाद चंद दिनों में ही वह कर दिखाया जो वर्षों से शहरवासी देखना चाहते थे। उन्होंने शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत भी कहीं और से नहीं बल्कि खुद के वार्ड से की और अवैध अतिक्रमणों पर पीला पंजा चलवा दिया। इस कार्रवाई से अध्यक्ष ने अतिक्रमणकारियों को सीधा, साफ और कड़ा संदेश दे दिया है कि अब नगर पालिका का पीला पंजा न तो किसी के दबाव में डरेगा और न ही रुकेगा।

गुरुवार सुबह करीब 11 बजे से शुरू हुई कार्रवाई में मोठूका चौक से लेकर बस स्टैंड के सामने से मुख्य मार्ग पर दुकानों के आगे सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान दुकानों के आगे बने 10 से 15 फुट के पक्के चबूतरे जेसीबी से ढहा दिए गए। कई जगहों पर तो चबूतरों के साथ-साथ 5 से 10 फीट तक पक्की दुकानों को भी तोड़कर सड़क को

किशनगढ़ बास में मौठूका चौक पर पक्के निर्माण ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाती जेसीबी।

अतिक्रमण मुक्त कराया गया। सुबह से शुरू हुई यह कार्रवाई शाम 5 बजे अंधेरा होने तक लगातार जारी रही। पूरे दिन नगर पालिका अध्यक्ष विश्वास यादव खुद जेसीबी के साथ मौजूद रहे, उनके साथ अधिशासी अधिकारी पूजा शर्मा और पूरी पालिका टीम मौके पर डटी रही। किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए कार्रवाई के दौरान तहसीलदार और पुलिस जाप्ता भी मौजूद रहा।

पूरे दिन चली इस कार्रवाई को देखने के लिए सड़कों पर लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। नगर पालिका अध्यक्ष विश्वास यादव और ईओ पूजा शर्मा ने स्पष्ट कहा है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए यह अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा और किसी भी सूरत में सड़क पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

- **नगर पालिका मुखिया ने खुद के वार्ड से कराई अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरुआत**

उल्लेखनीय रहे हैं कि शहर में दीपावली से पहले सफाई और व्यवस्था को लेकर नगर पालिका ने बुधवार को पूरे शहर में रिक्शे से मुनादी कराकर अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी थी कि वे अपना सामान और अवैध निर्माण स्वयं हटा लें। इस चेतावनी के 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए थे कि पालिका की टीम एक्शन में आ गई।

मौठूका चौक से मौठूका रोड पर चले पीले पंजे के गरजने की गूंज का असर सायं 6 बजे के बाद तोप सर्किल पर नगर पालिका टीम पहुंची तो तोप सर्किल से कोर्ट गेट तक लगे लकड़ी के खोखे-ठेले मालिकों में अफरा तफरी मच गई।

दौसा में जिला परिषद के 37 वार्डों के लिए 65 नामांकन दाखिल

दौसा। दौसा जिला परिषद के 37 वार्डो के लिए गुरुवार को नामांकन भरने की प्रक्रिया के तीसरे दिन 56 प्रत्याशियों ने 65 नामांकन दाखिल किये। इधर 37 वार्डो के लिए अब तक कुल 72 प्रत्याशी 84 नामांकन दाखिल कर चुके है। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होने के कारण भारी संख्या में प्रत्याशी एवं उनके समर्थको के पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इधर गुरुवार को भी पूरे दिन नामांकन भरने वाले एवं उनके समर्थको की गहमा गहमी रही।

उल्लेखनीय है कि दौसा नगर परिषद के 37 वार्डो के लिए गुरुवार को 56 प्रत्याशियों ने कुल 65 नामांकन दाखिल किये। आज नामांकन दाखिल करने का तीसरा दिन होने के कारण समर्थको एवं संभावित प्रत्याशियों की जमकर भीड रही। उधर 37 वार्डो के लिए अब तक कुल 72 प्रत्याशी 84 नामांकन दाखिल कर चुके है। इधर गुरुवार को नामांकन भरने के दौरान भाजपा एवं कांग्रेस द्वारा जिला परिषद के प्रत्याशियों की सूची जारी नही होने के कारण दोनो राजनैतिक पार्टियों के दावेदारो में असमंजस की स्थित बनी रही। सूत्रो ने बताया कि कांग्रेस एवं भाजपा के उच्च स्तरीय नेताओं द्वारा प्रत्याशी तय किये जाने का ईशारा मिलने पर गुरुवार को भारी संख्या में प्रत्याशी अपने समर्थको के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे। जिला निर्वाचन विभाग द्वारा प्रत्याशियो को किसी भी प्रकार की असुविधा नही हो इसके लिए हैल्थ डेस्क भी बनाई गई है, जिसमें पांच दर्जन से अधिक कार्मिको तैनात किया गया है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री मुख्यालय प्रभारी श्रवण सिंह बगडी ने देर रात दौसा जिला परिषद के भाजपा प्रत्याशियो की अधिकृत सूची जारी की गई। सूची में वार्ड 1 विचाराधीन, वार्ड 2 से सीमा बैरवा, वार्ड 3 से गेंदीलाल मीणा, वार्ड 4 विचाराधारी, वार्ड 5 से सीमा मीणा, वार्ड 6 से भरतलाल मीणा, वार्ड 7 से तुलसा देवी, वार्ड 8 रिक्त, वार्ड 9 विचाराधीन, वार्ड 10 से ममता देवी मीणा, वार्ड 11 से ममता देवी बैरवा, वार्ड 12 से प्रकाशचंद शर्मा, वार्ड 13 से पताशी मीणा को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

षष्ठम् पुण्यतिथि

In Memory of our Beloved Daughter
SHAILLY JAIN
(16.10.2020)
मेरे जीवन की वीणा, मधुर संगीत थी तुम।
तुम से ही शुरू जिन्दगी, तुम से ही अंत।
जीवन जीने का एक विशिष्ट अंदाज थी तुम।।
.... मम्मी
Love You MAMMA
Miss You... ANAISHA
Dr. Prakash Nagori-Dr. Anita (Father-Mother), Pulkit Surana (Husband), Anaisha (Daughter)
All Relatives & Friends

खोया पाया

मेरे आवास संख्या 64-A, हनुमंत विहार, मांग्यावास, मानसरोवर, जयपुर के मूल रजिस्ट्री पेपर (सेल डीड) जो कि प्रमिला देवी के नाम से है खो गये है कृपया मिलने पर सूचित करें मीना/ D/o Kishan Chand W/o Vijay Kumar Mob 7340108763

मेरे मकान नं. 82/79, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर का Allotment Letter, Possession Letter श्रीमती नाथी गोयल द्वारा जारी Power of Attorney, एवं नाथी गोयल का Death Certificate, No Dues Certificate कहीं खो गये है। कृपया मिलने पर सम्पर्क करें- 8619148269

मेरे मकान सं. 85/775, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 6375856902

मेरे भूखंड सं. बी-16 पटेल नगर गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना केशव विहार जयपुर का सोसाइटी से जारी मूल साईट प्लान कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे- कमला मीना मो. 8890661818

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम Kanha Bansal से बदलकर Jatin Bansal पुत्र सुनील बंसल निवासी-कमल गट्टा कॉलोनी, नियर जय निवास उद्यान ताल कटोरा, जयपुर रख लिया है, भविष्य में मुझे जतिन बंसल Jatin Bansal के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैं, यशिका जैन, पत्नी श्री अंकित जैन, निवासी- 5, कमल मेंशन, M.I. रोड, जयपुर - 302001, ने अपनी बेटी का नाम डेलिशा से बदलकर डेलिशा जैन कर दिया है, भविष्य में मेरी बेटी को उसके नए नाम से जाना जाए।

मैं विक्रम सिंह पुत्र गणेश राम जाट निवासी करड तहसील दातारामगढ़ जिला सीकर मेरी पुत्री हिमाक्षी चौधरी (Himakshi Choudhary) की मार्कशीट एवं टी.सी. में माता का नाम रीना दर्ज हो गया है जो कि गलत है जबकि सही नाम रीना चौधरी (Reena Choudhary) है।

I No 4213299Y NK Basant kumar My Mother name is USHA DEVI has been wrongly recorded in the military records.while according to the Aadhaar card the correct name is USHA .Affidavit no is IN-AS70898220851886Y.

I No 4202630F Hav Chandra Bali Yadav My Mother name is JARAWATI DEVI has been wrongly recorded in the military records.while according to the Aadhaar card the correct name is JADAWATI .Affidavit no is IN-AS70898508458737Y.

आम सूचना

मेरे अभिभाष्य बुद्धप्रकाश पुत्र श्री जमनालाल, निवासी 150, व्यास कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर के पुत्र सोनू व पुत्रवधु सुमन मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है काफी समय से अलग निवास करते है। मेरे अभिभाष्य द्वारा दोनों से अपने समस्त सम्बन्ध/व्यवहार व रिश्ते समाप्त कर अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इनसे जो भी कोई संव्यवहार करेगा तो वह स्वयं उत्तरदायी होगा।
(योगेश अग्रवाल) एडवोकेट. मो. 9351450501

आम सूचना [illegible]

[illegible]

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

‘बेटे को लीक पेपर से बनाया एसआई, जीजा के लिए 10 लाख में बैठाया डमी’

एसओजी ने एस.आई. भर्ती पेपरलीक मामले में 2 और आरोपियों को गिरफ्तार किया

- आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा से जुड़े लीक प्रश्नोत्तरों से बेटे को तैयारी कराने का आरोप
- डमी अभ्यर्थी के जरिए जीजा ने हासिल की थी 154वीं रैंक, मामले में अब तक 154 आरोपी गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 में पेपर लीक और डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास कराने के मामले में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें अपने बेटे को परीक्षा से पहले लीक प्रश्नोत्तर पढ़वाकर एसआई बनवाने का आरोपी 10 हजार रुपए का इनामी पिता और अपने जीजा को भर्ती कराने के लिए डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला आरोपी शामिल है। एसओजी के अनुसार, इस प्रकरण में अब तक 154 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में हरमाड़ा, जयपुर निवासी देवेन्द्र कुमार सैनी (51) और बालोतरा जिले के डांगरिया निवासी डूंगर प्रकाश (33) शामिल हैं। दोनों मामलों में जांच के दौरान परीक्षा में गड़बड़ी और चयन के लिए अपनाए गए कथित तरीकों का खुलासा हुआ है।

लीक प्रश्नोत्तर पढ़ाकर कराया चयन

एसओजी की जांच में सामने आया कि देवेन्द्र कुमार सैनी ने पूर्व में गिरफ्तार राजकुमार यादव के माध्यम से आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा द्वारा लीक किए गए प्रश्नपत्र और उनके उत्तर अपने बेटे रविन्द्र सैनी को परीक्षा से पहले पढ़वाए थे। आरोप है कि लीक प्रश्नोत्तर की मदद से रविन्द्र ने लिखित परीक्षा पास की और एसआई पद पर अंतिम चयन हासिल कर लिया।

देवेन्द्र लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। उसके बेटे रविन्द्र पर भी 10 हजार रुपए का इनाम है, जो अभी फरार है। जांच में यह भी सामने आया कि देवेन्द्र ने राजकुमार यादव के माध्यम से एक अन्य व्यक्ति के बेटे भरत यादव को भी लीक प्रश्नोत्तर पढ़ने में मदद की थी, लेकिन भरत का अंतिम चयन नहीं हो सका। देवेन्द्र ने जयपुर महानगर-द्वितीय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इसके बाद न्यायालय ने उसे पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया। एसओजी उससे पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

देवेन्द्र कुमार सैनी व डूंगर प्रकाश

10 लाख रुपए में डमी बैठाया

दूसरे मामले में एसओजी ने बालोतरा जिले के डांगरिया निवासी डूंगर प्रकाश को गिरफ्तार किया है। जांच के अनुसार, उसने अपने बहनोई अशोक कुमार विश्नोई निवासी मोखातरा, जालोर को एसआई बनवाने के लिए डमी अभ्यर्थी बैठाने का इंतजाम किया था। आरोप है कि 15 सितंबर 2021 को आयोजित भर्ती परीक्षा की दोनों पारियों में अशोक की जगह जालोर जिले के इसरोल निवासी कमलेश कुमार को बैठाया गया। इसके लिए 10 लाख रुपए में सौदा तय किया गया था। डमी अभ्यर्थी के जरिए परीक्षा दिलाने के बाद अशोक कुमार ने हिंदी विषय में 200 में से 180.94 अंक और सामान्य ज्ञान में 200 में से 138.36 अंक हासिल किए। इसके आधार पर उसे मेरिट में 154वीं रैंक मिली और उसका एसआई पद पर चयन हो गया। एसओजी अशोक कुमार को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। अब डमी अभ्यर्थी बैठाने के मामले में डूंगर प्रकाश को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। डूंगर प्रकाश को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 17 अक्टूबर 2026 तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया गया। एसओजी उससे पूछताछ कर साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। एसओजी के अनुसार, एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में पेपर लीक और डमी अभ्यर्थियों के जरिए चयन कराने से जुड़े मामलों की जांच जारी है। एसओजी का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर भर्ती परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं, लीक प्रश्न पत्र के प्रसार और डमी अभ्यर्थियों की व्यवस्था में शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अब तक कुल 154 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

बुकिंग कीमत पर ही फ्लैट देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग ने फ्लैट खरीदार निर्मला कंवर के पक्ष में फैसला सुनाते हुए श्रीराम बालाजी डवलपर्स को बुकिंग के समय तय कीमत पर ही फ्लैट का आधिपत्य सौंपने के निर्देश दिए है। आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर के आदेश में संशोधन करते हुए बिल्डर की ओर से वर्तमान बाजार मूल्य पर फ्लैट देने के निर्णय को बदला।

अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रियंक पारीक ने पैरवी करते हुए तर्क दिया कि निर्माण में देरी का अतिरिक्त आर्थिक भार खरीदार पर नहीं डाला जा सकता। आयोग ने तर्कों और साक्ष्यों से सहमत होकर यह आदेश दिया।

फॉर्म जी
जंबो समृद्धि (इंडिया) लिमिटेड के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के लिए निमंत्रण
(पहले जंबो फिनवेस्ट (इंडिया) लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
वित्तीय सेवा उद्योग में परिचालन
(भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 36ए (1) के अंतर्गत)

एसएल.	प्रासंगिक विवरण	
1.	कॉर्पोरेट देनदार का नाम पैन/सीआईएन/एलएलपी नंबर के साथ	नाम - जंबो समृद्धि (इंडिया) लिमिटेड (पहले जंबो फिनवेस्ट (इंडिया) लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) पैन - AACCA9784G सीआईएन-U65923RJ1998PLC014961
2.	पंजीकृत कार्यालय का पता	बी-88, बेसमेंट नंबर 1, सूर्य मार्ग, तिलक नगर, जयपुर, राजस्थान 302004
3.	वेबसाइट का URL	https://jumbo.cirp.co.in/
4.	उस जगह की जानकारी जहाँ ज़्यादातर फिक्स्ड एसेट्स मौजूद हैं	तीन ऑफिस अलवर, राजस्थान में हैं और दूसरी चल संपत्ति जयपुर और मुंबई में है।
5.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं की स्थापित क्षमता	NA
6.	पिछले फाइनेंशियल ईयर में बेचे गए मेन प्रोडक्ट्स/सर्विसेज़ की क्वांटिटी और वैल्यू	FY 2024-25 के ऑडिटेड FS के अनुसार, CD का ऑपरेशन से रेवेन्यू Rs.29.29 करोड़ था
7.	कर्मचारियों/कामगारों की संख्या	CD में अभी 106 कर्मचारी हैं।
8.	दो साल के फाइनेंशियल स्टेटमेंट (शेड्यूल के साथ), क्रेडिटर्स की लिस्ट समेत और जानकारी URL पर उपलब्ध है:	https://jumbo.cirp.co.in/
9.	समाधान आवेदकों के लिए पात्रता संहिता की धारा 25 (2) (एच) के अंतर्गत URL पर उपलब्ध है:	https://jumbo.cirp.co.in/
10.	रुचि की अभिव्यक्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि	05.11.26
11.	संभावित समाधान आवेदकों की प्रोविजनल लिस्ट जारी करने की तारीख	15.11.26
12.	प्रोविजनल लिस्ट पर ऑब्जेक्शन जमा करने की आखिरी तारीख	20.11.26
13.	संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	30.11.26
14.	संभावित समाधान आवेदकों को सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स और समाधान योजनाओं के लिए अनुरोध जारी करने की तिथि	05.12.26
15.	समाधान योजनाएँ जमा करने की अंतिम तिथि	04.01.27
16.	जमा करने के लिए प्रोसेस ईमेल आईडी	cirpjumbofinvest@gmail.com
17.	कॉर्पोरेट देनदार के के तौर पर रजिस्ट्रेशन स्टेटस की जानकारी	NA

-एसडी- शैलेश देसाई
समाधान पेशेवर
आईबीबीआई/आईपीए-001/आईपी-पी00183/2017-18/10362
सी/ओ, हेडवे रिज़ॉल्यूशन एंड इन्सॉल्वेंसी सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
708, रहेजा सेंटर, नरीमन पॉइंट, मुंबई 400021
जंबो समृद्धि (इंडिया) लिमिटेड (पहले जंबो फिनवेस्ट (इंडिया) लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के लिए
16 अक्टूबर 2026, मुंबई

प्रेमी युगल को शारीरिक क्षति हुई तो पुलिस अधीक्षक जिम्मेदार होंगे : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने डीग पुलिस अधीक्षक को कहा है कि वह याचिकाकर्ता प्रेमी युगल की सुरक्षा से जुडा मुद्दा अपने स्तर पर देखे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि उन्हें शारीरिक क्षति हुई तो इसके लिए एसपी जिम्मेदार होंगे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश खुशबु व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता स्वप्निल सिंह पटेल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बालिग हैं और मर्जी से डीग जिले में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। याचिकाकर्ताओं के परिजन उनके विवाह पंजीकरण से सहमत नहीं है। उन्हें याचिकाकर्ताओं के बारे में जानकारी मिलने पर अब उन्हें धमकाया जा रहा है और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हाईकोर्ट के गत 28 सितंबर के आदेश से उन्हें अंतरिम सुरक्षा मिली हुई है। याचिका में कहा गया कि संबंधित थानाधिकारी याचिकाकर्ताओं के परिजनों के प्रभाव में हैं। जिसके चलते याचिकाकर्ता भय में जी रहे हैं और उन्हें अपनी जान और स्वतंत्रता का खतरा हो सकता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित एसपी को इस संबंध में अपने स्तर पर कार्रवाई करने को कहा है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 4204 दिनांक :- 07/10/26
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 115/SP-07, (एरिया 213.39 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री विजय चन्द जैन पुत्र श्री तनसुख लाल जैन को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2511 दिनांक 03.09.2008 को जारी किया गया। श्री रामनिवास पुत्र श्री मनसा राम को दिनांक 15.05.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री रामनिवास के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री विजय चन्द जैन के पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक जयपुर-सप्तम के यहाँ दिनांक 18.05.2010 को पंजीकृत करवाये गये। श्री रामनिवास द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 18.06.2010 के द्वारा श्री महेश चन्द्र खण्डेलवाल पुत्र श्री राम दयाल गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री महेश चन्द्र खण्डेलवाल के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 2050 दिनांक 28.06.2010 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री महेश चन्द्र खण्डेलवाल द्वारा उक्त आवास को दिनांक 12.12.2025 के द्वारा श्रीमती आरती मित्तल पत्नी श्री आशीष गोयल को विक्रय कर उप पंजीयक द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता /क्रेती श्रीमती आरती मित्तल पत्नी श्री आशीष गोयल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती आरती मित्तल पत्नी श्री आशीष गोयल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda 119
गोपालपुरा बाई पास शाखा, 7, कृष्णा विहार, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर, राजस्थान 302015
फोन नं.:0141-2500250, ई-मेल: gopjai@bankofbaroda.co.in

मांग सूचना-सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अन्तर्गत

निम्नांकित ऋणियों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उन्होने बैंक से लिए गए ऋण की किश्तों एवं उसके ब्याज का समय पर भुगतान नहीं किया अत: उनका खाता एन.पी.ए. में वर्गीकृत हो गया हैं। बैंक द्वारा सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उनको बैंक रिकॉर्ड के अनुसार उनके अन्तिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किए गए थे जो कि उनके द्वारा प्राप्त नहीं किए जाने के फलस्वरूप पुन: लौटकर आ गए हैं। अत: उनको इस सामान्य नोटिस के द्वारा उक्त अधिनियम के तहत इस बारे में सूचित किया जाता है:

ऋणियों/जमानतदारों का नाम एवं पता	प्रतिभूत आस्तियों/बंधक सम्पत्तियों/दृष्टिबंधक वाहन का विवरण	नोटिस 13(2) की दिनांक	बकाया राशि (नोटिस 13(2) के अनुसार)
स्व. श्री दिलीप कुमार शर्मा पुत्र श्री मुरारी लाल शर्मा **जरिये कानूनी वारिस-** **श्री मुरारी लाल शर्मा पुत्र श्री रामदयाल शर्मा** 38/64, किरण पथ मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020 **श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी श्री मुरारी लाल शर्मा** 38/64, किरण पथ मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020 **श्रीमती अंजलि स्वामी पत्नी स्व. श्री दिलीप कुमार शर्मा** फ्लैट नं. 303, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गेट नं. 3, शिव ज्योति पार्क के सामने, ज्योति नगर, जयपुर, राजस्थान 302005 एवं 23/110, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020 **सुश्री वृति शर्मा पुत्री स्व. श्री दिलीप कुमार शर्मा (श्रीमती अंजलि स्वामी की प्राकृतिक संरक्षकता के माध्यम से)** फ्लैट नं. 303, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गेट नं. 3, शिव ज्योति पार्क के सामने, ज्योति नगर, जयपुर, राजस्थान 302005 एवं 23/110, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020 **सुश्री रम्या शर्मा पुत्री स्व. श्री दिलीप कुमार शर्मा (श्रीमती अंजलि स्वामी की प्राकृतिक संरक्षकता के माध्यम से)** फ्लैट नं. 303, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गेट नं. 3, शिव ज्योति पार्क के सामने, ज्योति नगर, जयपुर, राजस्थान 302005 एवं 23/110, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020	स्व. श्री दिलीप कुमार शर्मा पुत्र श्री मुरारी लाल शर्मा के नाम साम्यिक बंधक दिनांक 15.01.2020 एवं साम्यिक बंधक का विस्तार दिनांक 27.02.2023 मकान नं. 23/110, ब्लॉक नं. 23, स्वर्ण पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 189.00 वर्ग मीटर है। सीमाएं- पूर्वः रोड, पश्चिमः मकान नं. 23/135, उत्तरः मकान नं. 23/109, दक्षिणः मकान नं. 23/111 **सरसाई आईडी: 400038916570**	05.10.2026	दिनांक 05.10.2026 को बकाया राशि रू. 64,20,141.95 (रूपये चौंसठ लाख बीस हजार एक सौ इकतालीस एवं पैसे पचानवे मात्र) (दिनांक 04.10.2026 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य खर्चे आदि।
	स्व. श्री दिलीप कुमार शर्मा पुत्र श्री मुरारी लाल शर्मा के नाम हाईपोथिकेशन एग्रीमेन्ट दिनांक 23.10.2020 वाहन मारूति स्विफ्ट डिजायर एलएक्सआई, रजिस्ट्रेशन नं. RJ45CM2510, इंजन नं. K12NN9060077, चेचिस नं. MA3CZFB3SLK721948	**गैर निष्पादक आस्ति (एनपीए) दिनांक** 27.09.2026	

इस नोटिस के द्वारा उक्त ऋणियों के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही करते हुए उक्त उधारकर्ताओं को उक्त बकाया राशि इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिवस के भीतर पुनर्भुगतान हेतु आगाह किया जाता है, अन्यथा साठ (60) दिवस की समाप्ति के पश्चात सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत वसूली कार्यवाही की जाएगी। ऋणियों को यह भी सलाह दी जाती हैं कि वे बैंक के अधोहस्ताक्षरकर्ता/प्राधिकृत अधिकारी से किसी भी कार्य दिवस पर 13(2) के अन्तर्गत जारी नोटिस की मूल प्रति प्राप्त कर लेवें।
कर्जदारों का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

दिनांक: 15.10.2026
स्थान: जयपुर
हस्ता.
(बलराम मीणा)
प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

देवनानी ने डीजीपी को विधानसभा बुलाया

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विगत दिनों विधायक और पूर्व विधायक के साथ हुई घटनाओं पर पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा को विधानसभा में बुलाकर उनसे चिंता व्यक्त करते हुए कानून व्यवस्थाओं पर चर्चा की। देवनानी ने पूर्व विधायक अतर सिंह भड़ाना की हत्या करने वाले अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करने के लिए पुलिस महानिदेशक से कहा ताकि अपराधियों को सबक मिल सके और समाज में पुलिस के प्रति विश्वास कायम हो सके। देवनानी ने शर्मा से कहा कि अवतार के साथ पुलिस द्वारा अति की गई है। यह निंदनीय है। लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों पर विभागीय एवं विधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। देवनानी ने इन घटनाओं के बारे में शीघ्र जांच और कठोर कार्रवाई के साथ पुलिस महानिदेशक को ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने के लिए कहा है। स्पीकर देवनानी को शर्मा ने इन सभी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई करने के लिए आश्वस्त किया।

डिफॉल्ट जमानत प्रार्थना पत्रों को लेकर हाईकोर्ट ने दिशा-निर्देश दिए

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरोप पत्र पेश करने के लिए तय अवधि बीतने के बाद पेश होने वाले डिफॉल्ट जमानत प्रार्थना पत्रों को लेकर सभी सत्र न्यायाधीशों को दिशा-निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने डिफॉल्ट जमानत प्रार्थना पत्र पेश होने पर संबंधित अधिकारी या लिपिक प्रार्थना पत्र पर उसे पेश करने की तिथि और समय लिखेगा। इसके अलावा यह भी स्पष्ट रूप से सुनिश्चित किया जाएगा कि संबंधित मामले में आरोप पत्र पेश हुआ है या नहीं। इसके अलावा ऐसे जमानत प्रार्थना पत्रों को सुनवाई के लिए उसी दिन पेश किया जाएगा।याचिका में अधिवक्ता कपिल शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ टोडाभीम थाने में बीएनएस और आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज हुआ था। इन धाराओं में आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है, इसलिए पुलिस को 90 दिन में आरोप पत्र पेश करना था। जिसकी मियाद गत 6 अगस्त को पूरी हो गई है। इसके बावजूद चिली अदालत ने याचिकाकर्ता की न्यायिक अभिरक्षा को जारी रखा और आरोप पत्र पेश की प्रतीक्षा में मामले की सुनवाई 25 अगस्त तक टाली गई। ऐसे में याचिकाकर्ता ने 18 अगस्त को डिफॉल्ट जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया, जिसे बीस अगस्त को सुनवाई के लिए रख गया और उसी दिन पुलिस ने आरोप पत्र पेश किया।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 234/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री नरेश कुमार यादव पुत्र श्री राधेश्याम निवासी हाजीपुर, हाजीपुर अलवर, बानसूर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत श्री श्याम महिला कल्याण ट्रस्ट 575 नाथावाला कुआं बस स्टेण्ड के पास बानसूर जिला कोटपूतली-बहरोड राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 23.12.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 762/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि गोपीका कौल निवासी मकान नम्बर 4 सेक्टर 37 नोएडा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1950 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास टाइनी टॉट्स इंग्लिश स्कूल समिति, प्लॉट नम्बर 3 लालकोठी स्कीन, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 9.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.12.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 757/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री सीताराम सैनी, [illegible] ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत [illegible] के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.12.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी जयपुर)
क्रमांक- एफ-55 ()/वि.जोन/ज.न.नि./2026/2293 दिनांक: 07/10/2026
सार्वजनिक सूचना भूखंड सं. 98-ए, श्रीरामनगर-डी, झोटवाड़ा, जयपुर (भैरव गृह.नि.स.स) का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री लख सिंह शेखावत पुत्र स्व. श्री लादु सिंह शेखावत के पक्ष में दिनांक 03.03.2014 को क्षेत्रफल 134.88 वर्गगज भूमि का लीज डीड पट्टा जारी किया गया था। प्रकरण में मूल आवंटी श्री लख सिंह शेखावत की दिनांक 30.04.2026 एवं श्रीमती सदा कँवर पत्नी श्री लख सिंह की दिनांक 11.09.2021 को मृत्यु उपरांत श्रीमती कमल कँवर पत्नी श्री महिपाल सिंह एवं श्री भगवान सिंह शेखावत पुत्र स्व. श्री लख सिंह शेखावत ने जरिए पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 20.07.2026 को उक्त भूखंड पर से अपना हक श्री भवानी सिंह पुत्र स्व. श्री लख सिंह शेखावत के पक्ष में हकत्याग कर दिया गया। श्री भवानी सिंह पुत्र स्व. श्री लख सिंह शेखावत ने जरिए पंजीकृत उपहार पत्र दिनांक 03.08.2026 को उक्त भूखंड श्रीमती सुनीता पत्नी श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत को उपहार कर दिया। आवेदिका श्रीमती सुनीता पत्नी श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा भूखंड सं. 98-ए, श्रीरामनगर-डी, झोटवाड़ा, जयपुर क्षेत्रफल 134.88 वर्गगज का नाम हस्तांतरण अपने पक्ष में किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही संपादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त विद्याधर नगर जोन नगर निगम जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 387/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि सुनीता झाला निवासी 116/136 शिप्रा पथ, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत गिरिजन स्वैच्छिक संस्थान कार्यालय पता-116/136 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 1.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 4.12.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 471/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री कृष्ण निमावत निवासी एल.डब्ल्यू. 65, [illegible] फतेहपुर शेखावाटी, [illegible] ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत [illegible] के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 1.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी [illegible]
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
आशीष यादव विरुद्ध राजस्थान राज्य
वाद बाबत सिविल मृत्यु घोषित किये जाने
वाद सं. 278 सन् 2026
नाम जन साधारण ने आपके विरुद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 29 माह 10. सन् 2026 को दिन में बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें।
आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वादकी सुनवाई और उसका निपटा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 07 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 760/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि राजेश कुमार सेवानी पुत्र श्री ठाकुर दास सेवानी, निवासी फ्लेट नं. डी-201, ब्लॉक, एस डी सी गेटवे अपार्टमेन्ट, कालीदास मार्ग, वनीपार्क, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत जीव सेवा समिति, 208, कंवरनगर, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.10.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.12.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
माननीय न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 04 जयपुर जिला जयपुर
चंद्रशेखर यादव बनाम अमरचंद व अन्य
दीवानी वाद संख्या रेस्टो.43/26 Nov 43/26
नाम- बलराम सैनी,
निवासी प्लॉट नं. 3 शिव कॉलोनी मुरलीपुरा जयपुर।
दूसरा पता- दुकान नंबर 2, अलंकार प्लाजा, फर्स्ट फ्लोर, सैन्ट्रल स्पाइप, विद्याधर नगर, जयपुर, राजस्थान ।
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 26.11.2026 को सुबह 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आप ता. 8 माह 10 सन् 26 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
प्रस्तुतकार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर जिला जयपुर

MAHARAJ VINAYAK GLOBAL UNIVERSITY
Dhand, Amer, Jaipur-Delhi N.H.11-C, Jaipur-302028 (Rajasthan)
Estd. under the Act No. 6 / 2012 of the Government of Rajasthan, Notification No. F.2(5) Vidhi/2/2012 dated 21/3/2012

आम सूचना / सार्वजनिक विज्ञप्ति

प्रबंध मण्डल की 30वीं आपातकालीन बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

सर्वसाधारण, विद्यार्थियों, अभिभावकों, कर्मचारियों, बैंकों, सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं तथा संबंधित पक्षों को सूचित किया जाता है कि महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर के प्रबंध मण्डल (**Board of Management**) की 30वीं आपातकालीन बैठक दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को श्री के. एल. मीना, आईएएस (सेवानिवृत्त), की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गएः

1. अनाधिकृत पदों का उन्मूलनः विश्वविद्यालय अधिनियम, परिनियम एवं स्वीकृत नियमों के अंतर्गत अधिकृत नहीं होने वाले मैनेजिंग ट्रस्टी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), NAAC इंजीनियर, निदेशक आदि पदों/पदनामों को समाप्त करने तथा संबंधित अभिलेखों को अद्यतन करने का निर्णय लिया गया।
2. संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाईः प्रबंध मण्डल द्वारा डॉ. विकास जैफ, श्रीमती पिंकी जैफ, डॉ. मनोहर भट्ट, डॉ. योगेश यादव, श्री अनूप यादव, श्री सुमित राय एवं कैप्टन वी. एस. राघव के आचरण, नियुक्तियों, वित्तीय लेन-देन एवं प्राप्त सुविधाओं की जांच तथा ऑडिट कराने का निर्णय लिया गया। आगामी निर्देशों तक उक्त व्यक्तियों को नियमानुसार निलम्बित कर विश्वविद्यालय में अपने संबंधित पदों पर कार्य करने, विश्वविद्यालय की ओर से किसी भी प्रकार के अधिकार, पद अथवा प्रतिनिधित्व का प्रयोग करने तथा विश्वविद्यालय परिसर में अनाधिकृत प्रवेश से रोकने का निर्णय लिया गया है।
3. परिसर की सुरक्षाः विश्वविद्यालय परिसर में अनाधिकृत प्रवेश, हस्तक्षेप एवं शैक्षणिक तथा प्रशासनिक कार्यों में व्यवधान रोकने हेतु कुलपति, कुलसचिव एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई तथा सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए अधिकृत किया गया।
4. **वित्तीय लेन-देन का केंद्रीकरणः विश्वविद्यालय की समस्त फीस एवं प्राप्तियाँ विश्वविद्यालय के अधिकृत नए बैंक खाते में जमा की जाएँगी तथा पुराने खातों को निष्क्रिय किया जाएगा।** अतः सभी विद्यार्थी एवं अभिभावक विश्वविद्यालय एवं उसके अंतर्गत संचालित कॉलेजों की फीस केवल विश्वविद्यालय द्वारा अधिकृत बैंक खाते में ही जमा कराएँ।
5. विश्वविद्यालय के अधिकृत कार्यालयः विश्वविद्यालय परिसर ढंढ, आमेर, जयपुर, 302028 को भविष्य में विश्वविद्यालय के अधिकृत कार्यालय/पते के रूप में उपयोग करने का निर्णय लिया गया।

अतः सभी संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं, बैंकों एवं प्राधिकरणों से अपेक्षा की जाती है कि विश्वविद्यालय से संबंधित पत्राचार, वित्तीय व्यवहार एवं प्रशासनिक कार्यों में केवल विधिवत अधिकृत पदाधिकारियों तथा विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्राधिकरणों को ही मान्यता दें।

आदेशानुसार

अध्यक्ष, प्रबंध मण्डल
महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर

मुझे लगता है कि हम अपनी लाइन और लेंथ को सही से लागू नहीं कर पाए। 250 रनों का पीछा करते समय, आपको एक तय तरीके से आगे बढ़ना होता है। इसलिए, पीछा करते समय हमारा जो अप्रोच था, वह मुझे अच्छा लगा। - श्रेयस अय्यर

भारतीय कप्तान, अपनी टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी – किलियन एमबाप्पे

रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे ने यूईएफए चैंपियंस लीग में नया इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 100 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। एमबाप्पे ने बुधवार को रोम के स्टेडियो ओलिम्पिको में रोमा के खिलाफ रियल मैड्रिड की 4-3 की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। एमबाप्पे ने 27 साल, नौ महीने और 25 दिन की उम्र में 100 चैंपियंस लीग मैच पूरे किए। उन्होंने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने सितंबर 2015 में रोमा के खिलाफ ही 28 साल की उम्र में इस मुकाम को हासिल किया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने1951 एशियाई खेल में 51 पदक जीते थे, जिसमें 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी-20 में मिली हार के बाद बोले-

तिलक का विकेट निर्णायक मोड़ रहा : सैमसन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की 24 रन की हार के लिए तिलक वर्मा के विकेट को निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि पांच विकेट गंवाने के बावजूद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी की साझेदारी ने भारत को लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था।

बुधवार को हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में शाई होप के शानदार शतक और कीमो पॉल के पांच विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया। पांच मैचों की श्रृंखला अब 2-2 से बराबर हो गई है। निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

तिलक के आउट होने से बदला मैच का रुख

248 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 12वें ओवर में 130 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी ने शानदार साझेदारी कर भारत की उम्मीदें जगा दीं। दोनों ने तेजी से रन बनाते हुए समीकरण 19 गेंदों में 48 रन तक पहुंचा दिया। हालांकि, रोमारियो शेफर्ड ने तिलक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया, जो मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। सैमसन ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, तिलक का आउट होना मैच का निर्णायक मोड़ था। हम अच्छी स्थिति में थे और हर ओवर में 10-12 रन की दर से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। दबाव की स्थिति में रेड्डी और तिलक बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। मुझे लगता है कि उस समय तक हम लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में थे। उन्होंने कहा, पांच विकेट गंवाने के बाद भी इस तरह नियंत्रण बनाए रखना बहुत अच्छी बात है। दो युवा क्रिकेटरों ने दबाव का सामना किया और वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण पर जवाबी हमला किया।

अपनी पारी से खुश, लेकिन हार से निराश

सैमसन ने भारत की पारी के दौरान 23 गेंदों में 56 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत नींव रखी। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहने के बावजूद टीम की हार से वह निराश हैं। उन्होंने कहा, जब आप हारने वाली टीम में होते हैं, तो आप जो भी करते हैं, उसका एहसास बिल्कुल अलग होता है। इस समय मैं काफी निराश हूं। मैं निश्चित रूप से जीतने वाली टीम का हिस्सा बनना चाहता था। मुझे मैदान पर बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आया।

सैमसन ने कहा, जब आप इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो ज्यादा सोचने का समय नहीं होता। आपको अपनी सहज प्रवृत्ति और बड़े शॉट खेलने की क्षमता पर भरोसा करना होता है। मैंने भी यही किया। मुझे अपनी पारी का आनंद आया, लेकिन मैं चाहता था कि हम मैच जीतें। हैदराबाद में मिली जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी है। अब दोनों टीमों की नजरें 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें और निर्णायक मुकाबले पर होंगी।

शौने मिलर-उइबो की नजर 400मी. के विश्व रिकॉर्ड पर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बहामास की धाविका शौने मिलर-उइबो ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने को अपना अगला बड़ा लक्ष्य बनाया है। उन्होंने कहा कि इस स्पर्धा में लगभग सभी प्रमुख खिताब जीतने के बाद अब वह अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना चाहती हैं। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों में जुटीं मिलर-उइबो ने हालांकि अभी यह तय नहीं किया है कि वह अगले ओलंपिक में 200 मीटर या 400 मीटर में से किस स्पर्धा में उतरेंगी। मिलर-उइबो ने कहा, मैं 400 मीटर में लगभग हर वह खिताब जीत चुकी हूं, जिसे हासिल किया जा सकता है। अब नए लक्ष्य तय करने का समय है। मैं विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करना चाहती हूं। पिछले कुछ वर्षों में महिला धाविकाओं ने 48 सेकंड से कम समय में दौड़ पूरी की है। मुझे भरोसा है कि मैं भी ऐसा कर सकती हूं। जब हम लगातार एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो इससे सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

एशियाई खेल 2026 मेडलवीरों से मिले मोदी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया। भारतीय दल ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। हालांकि, तीन साल पहले हांगझोऊ में जीते गए ऐतिहासिक 106 पदकों की तुलना में यह संख्या कुछ कम रही, फिर भी 2026 का प्रदर्शन ऐतिहासिक था, क्योंकि यह एशियाई खेलों में भारत का अब तक का दूसरा सबसे सफल प्रदर्शन रहा। 15 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इस दौरान खिलाड़ियों ने उन्हें अपनी हस्ताक्षिरत (साइन की हुई) जर्सी और हॉकी स्टिक भेंट की, साथ ही शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में हुए एशियाई खेल हमारे लिए कई मायनों में यादगार रहे हैं। इतने सारे पदक वीर और उन सबको एक साथ मिलना... ये कोई मामूली बात नहीं है। ये बहुत सुखद एहसास होता है। आप सब युवा एथलीट इस बात के उदाहरण हैं कि जुनून जब जीत में बदलता है तो वो कैसे मेडल के साथ साथ चेहरे की चमक भी लेकर आता है। और देश तो चमकता ही है।

मोदी ने कहा कि हमारी पुरुष और महिला हॉकी, दोनों टीमें यहाँ मौजूद हैं; दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। खासकर हमारी महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर 44 साल के लंबे इंतजार को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में, हमारी दोनों टीमों ने लगातार दूसरी बार पदक जीतकर अपने ही पिछले रिकॉर्ड को दोहराया है। कबड्डी में, हमारी पुरुष और महिला, दोनों टीमों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। इसी तरह, हमने तीरंदाजी में पाँच स्वर्ण पदक हासिल किए। हमने शूटिंग में शानदार प्रदर्शन देखा, और बॉक्सिंग तथा कुश्ती में भी बड़ी सफलताएँ हासिल कीं। हमारे खिलाड़ियों ने नए रिकॉर्ड बनाए, और हमने 28 साल बाद वेटलिफ्टिंग में भी एक पदक जीता है।

भारतीय टीम को लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज से मिली हार के बाद भारतीय टीम को लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा और बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। भारत बुधवार को खेले गए मैच में संजू सैमसन के तेज अर्धशतक के बावजूद 248 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाया। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, "भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर बल्लेबाज जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे तो भारतीय टीम को सफलता नहीं मिलेगी।" उन्होंने कहा, "भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह से दबदबा बनाना होगा जैसा कि लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को करना चाहिए लेकिन इस मैच में इसकी जरा सी भी झलक देखने को नहीं मिली।" गावस्कर ने कहा कि श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम को सैमसन (56) से मिली शानदार शुरुआत का फायदा उठाना चाहिए था। उन्होंने कहा, "संजू ने भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन बाकी बल्लेबाज इसका बिल्कुल भी फायदा नहीं उठा पाए। अभिषेक शर्मा ने खराब पारी खेली। उनके स्तर के हिसाब से यह स्वीकार्य नहीं है। ईशान किशन भी कीमो पॉल के जाल में पूरी तरह फंस गए। श्रेयस अय्यर शतक बनाने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए हैं।" वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 247 रन बनाए लेकिन गावस्कर ने इसके लिए भारतीय गेंदबाजों को दोषी ठहराने से परहेज किया।

मंधाना की अगुवाई में जिम्बाब्वे से पहली द्विपक्षीय टी-20 सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। भारत शुक्रवार को यहां जब नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना के नेतृत्व में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के साथ नए युग की शुरुआत करेगा तो उसकी निगाह अपने खेल को और बेहतर बनाने पर होगी। यह पहला अवसर है जबकि भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारतीय टीम ने हाल में एशियाई स्तर पर अपना दबदबा साबित किया लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट विशेषकर छोटे प्रारूप में उसे अभी काफी सुधार करने की जरूरत है। भारत का टी20 विश्व कप में पिछले दो टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था जिससे उसकी कमजोरी भी खुलकर सामने आ गई। टीम को अगर ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को लगातार चुनौती देनी है तो उसे खेल के तीनों विभाग में सुधार करना होगा। भारत ने पिछले साल अपने घरेलू

मैदान पर ऐतिहासिक वनडे विश्व कप जीता था, लेकिन अगले साल की शुरुआत में घरेलू मैदान पर पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी जीतना उसके लिए आसान नहीं होगा।

अगर भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो मंधाना और शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है लेकिन भारतीय बल्लेबाज बीच के ओवर में संघर्ष करते रहे हैं। भारत को अभी तीसरे नंबर के लिए एक अदद बल्लेबाज की तलाश है। इसके अलावा पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर की खराब फॉर्म भी चिंता का विषय बनी हुई है।

हरमनप्रीत अब टीम में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलेगी जिससे उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव और भी बढ़ जाएगा। भारत को निचले क्रम में ऋचा घोष का साथ देने के लिए कुछ और पावर हिटर तैयार करने की भी जरूरत है। पिछले कुछ समय में भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा है और टीम को इस विभाग में काफी सुधार करने की जरूरत है।

अगर गेंदबाजी विभाग की बात करें तो नंदनी शर्मा का प्रदर्शन सकारात्मक पहलू रहा है। लेकिन अगर संपूर्ण तेज गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो उन्हें अपना प्रभाव छोड़ने के लिए अधिक बेहतर प्रदर्शन करना होगा। स्पिन गेंदबाजी भारत की ताकत रही है, जिसमें युवा श्री चरणी ने शानदार प्रदर्शन किया है।

पैरा एशियाई खेलों में भारत के 168 खिलाड़ी पेश करेंगे चुनौती, अंतिल और लेखरा पर रहेगी निगाहें

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। जापान के आइची-नागोया में 18 से 24 अक्टूबर तक होने वाले पांचवें पैरा एशियाई खेलों में भारत के 168 खिलाड़ी 11 खेलों में चुनौती पेश करेंगे। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 45 देशों के खिलाड़ी 19 खेलों में हिस्सा लेंगे। भारत की कोशिश पिछले संस्करण के शानदार प्रदर्शन को दोहराने की होगी, जब उसने चीन के हांगझोऊ में 27 स्वर्ण सहित रिकॉर्ड 108 पदक जीते थे। भारतीय दल में दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल और अवनी लेखरा भी शामिल हैं। सुमित भाला फेंक की एफ-64 स्पर्धा में और अवनी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी।

खेलवार भारतीय दल - भारतीय दल में दृष्टिबाधित फुटबॉल के 10, बोच्चिया के दो, पैरा तीरंदाजी के 11, पैरा एथलेटिक्स के 62, पैरा बैडमिंटन के 28, पैरा साइकिलिंग का एक, पैरा जूडो के सात, पैरा पावरलिफ्टिंग के आठ, पैरा निशानेबाजी के 13, पैरा तैराकी के 16 और पैरा टेबल टेनिस के 10 खिलाड़ी शामिल हैं।

विनीसियस जूनियर पर चार मैचों का प्रतिबंध, बार्सिलोना के खिलाफ मुकाबले से रहेंगे बाहर

मैड्रिड, 15 अक्टूबर। रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर विलारियल के खिलाफ ला लीगा मुकाबले में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद चार मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। इस फैसले के कारण वह इस महीने बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित एल क्लासिको मुकाबले में नहीं खेल सकेंगे। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ की अनुशासन समिति ने बुधवार को पुष्टि की कि विनीसियस को शनिवार को सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान विलारियल के खिलाड़ी नाथन सलीबा के बाल खींचने के लिए हिंसक आचरण के आरोप में दो मैचों का प्रतिबंध दिया गया है। इसके अलावा, लाल कार्ड दिखाए जाने पर गुस्से में प्रतिक्रिया देने के कारण उन पर दो और मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। यह घटना उस समय हुई, जब विनीसियस ने जूड बेलिंगहैम के पास

पर गोल करके रियल मैड्रिड की बढ़त दोगुनी करने का प्रयास किया। हालांकि, वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद गोल को रद्द कर दिया गया और बाल खींचने की घटना के लिए विनीसियस को लाल कार्ड दिखाया गया। विनीसियस ने कहा, उनके पास प्रतिबंध की घोषणा करने के लिए पूरा दिन था, लेकिन जैसे ही हम स्टेडियम पहुंचे, मुझे बताया गया कि मैं लीग के अगले चार मैचों में नहीं खेल पाऊंगा। उन्होंने कहा, हमें कभी यह समझाया ही नहीं गया कि बाल खींचने के इस नियम को किस तरह लागू किया जाता है। ला लीगा और रेफरी संघ की ओर से कोई न कोई हमेशा नियम समझाने आता है, लेकिन इस विशेष मामले के बारे में कभी नहीं बताया गया। मेरे लिए यह लाल कार्ड था, बस इतनी-सी बात है। मैंने कभी किसी दूसरे खिलाड़ी के खिलाफ हिंसक व्यवहार नहीं किया। मुझे अक्सर चोट पहुंचाई जाती है, लेकिन कार्ड मुझे ही दिखाए जाते हैं।

डेनमार्क ओपन : त्रीसा-गायत्री की जोड़ी अंतिम-16 में पहुंची, देविका सिहाग बाहर

ओडेंस, 15 अक्टूबर। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बुधवार को डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेई चेन और ह्सिएह पेई शान को सीधे गेमों में हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, महिला एकल में देविका सिहाग को हार का सामना करना पड़ा। एसजेएफ बैंक एरिना में खेले गए मुकाबले में त्रीसा और गायत्री ने 38 मिनट में चीनी ताइपे की जोड़ी को 22-20, 21-14 से पराजित किया। भारतीय जोड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशिया की रेचल अलेसिया रोज और फेबी सेतियानिंगरुम से भिड़ेगी।

रुतुपर्णा-श्वेतपर्णा की जोड़ी हारी

महिला युगल में भारत की एक अन्य जोड़ी को निराशा हाथ लगी। रुतुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और काओ जि हान के खिलाफ 14-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया।

देविका सिहाग भी पहले दौर में बाहर

महिला एकल के अंतिम-32 दौर में देविका सिहाग को थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग ने सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। इस हार के साथ देविका की चुनौती समाप्त हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिये दक्षिण अफ्रीका की टीम में ब्रीट्जके को मौका, स्टब्स बाहर

गक़ेबरहा, 15 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अपनी 17 सदस्यीय टीम में एक बदलाव किया है। ट्रिस्टन स्टब्स की जगह मैथ्यू ब्रीट्जके को टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी रयान रिकेल्टन संभालेंगे। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट रविवार से गक़ेबरहा में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका को डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में 214 रन से हार का सामना करना पड़ा था। मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि ब्रीट्जके पहले भी टीम के साथ रह चुके हैं और एकदिवसीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार टीम में जगह दिलाने में मदद की। मैट पहले भी टीम का हिस्सा रह चुके हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में उनका प्रदर्शन इस समय बेहद शानदार है, जिससे उन्हें टीम में जगह पाने का अतिरिक्त लाभ मिला। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैट अपने साथ जिस रवैये और व्यक्तित्व को लेकर आते हैं, वह टीम के लिए अहम है।

दूसरे टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम - टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीट्जके, कॉर्बिन बॉश, गेराल्ड कोएत्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नॉर्खिया, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेन।

अंडर-23 ट्रॉफी : हिमाचल-राजस्थान मैच ड्रॉ समाप्त

हिमांशु नेहरा के पांच विकेट

जयपुर, 15 अक्टूबर। अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के बीच अम्तर में खेला गया मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मैच में राजस्थान ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में बढ़त हासिल की और हिमाचल प्रदेश को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान की ओर से तेज गेंदबाज हिमांशु नेहरा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट अपने नाम किए। राजस्थान ने पहली पारी में 488 रन बनाकर मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी हिमाचल प्रदेश की टीम राजस्थान के गेंदबाजों के सामने 314 रन पर सिमट गई। इस तरह राजस्थान को पहली पारी में 174 रन की महत्वपूर्ण बढ़त मिली। राजस्थान की ओर से हिमांशु नेहरा ने 48 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि आयुष अमेरिया ने 76 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। राजीव दुकतवा और प्रणम्य चपलोत ने भी एक-एक विकेट हासिल कर हिमाचल की पारी समेटने में अहम योगदान दिया। 174 रन से पिछड़ने के बाद हिमाचल प्रदेश को फॉलोऑन खेलना पड़ा। दूसरी पारी में टीम ने अंतिम दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 71 रन बनाए। राजस्थान की ओर से दीपेंद्र सिंह ने एक विकेट हासिल किया। अंतिम दिन निर्धारित खेल पूरा होने के बाद मुकाबला ड्रॉ घोषित कर दिया गया। हालांकि, पहली पारी में बढ़त के लिहाज से राजस्थान ने मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा। हिमांशु नेहरा की पांच विकेट की उपलब्धि राजस्थान के गेंदबाजी प्रदर्शन का प्रमुख आकर्षण रही।

17वीं अखिल भारतीय अंतर-साई कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27

महिला वर्ग के समूह-बी में कोल्लम ने जीता स्वर्ण पदक

गांधीनगर, 15 अक्टूबर। 17वीं अखिल भारतीय अंतर-साई कबड्डी प्रतियोगिता 2026-27 के महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने महिला वर्ग के समूह-बी में कोल्लम ने स्वर्ण पदक जीता है। यह प्रतियोगिता गुजरात के गांधीनगर में हुई। महिला वर्ग में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, सामूहिक तालमेल और खेल भावना का प्रदर्शन कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, कोकराझार खेल प्रशिक्षण केंद्र ने दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया, जबकि मयिलादुथुराई खेल प्रशिक्षण केंद्र ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता के दौरान टीमों ने प्रभावशाली आक्रमण, मजबूत रक्षण, रणनीतिक समझ और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन में उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, महत्त्वपूर्ण मुकाबलों का अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए अपनी तैयारी मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है। ऐसे आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण के अंतर्गत कबड्डी के प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को और मजबूत बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दिल्ली की सीनियर महिला टी-20 टीम घोषित, सोनी यादव को कप्तानी, श्वेता सहरावत उपकप्तान

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने घरेलू सत्र 2026-27 की सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय दिल्ली की टीम घोषित कर दी है। सोनी यादव को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि श्वेता सहरावत उपकप्तान के साथ विकेटकीपर की जिम्मेदारी भी संभालेंगी। टीम का चयन 14 अक्टूबर को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ में आयोजित सीनियर महिला चयन समिति की बैठक में किया गया। चयनित सभी खिलाड़ियों को 15 अक्टूबर को गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज मैदान पर टीम प्रबंधक को रिपोर्ट करना है।

दिल्ली की 16 सदस्यीय टीम - सोनी यादव (कप्तान), श्वेता सहरावत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, प्रज्ञा रावत (विकेट कीपर), नाजमा, भारती रावल, वंशिका लीला, प्रिया मिश्रा, निधि महतो, दिशा नागर, शिवी शर्मा, सुमिति सोनी, मेधावी बिधूड़ी, गोयंका शर्मा और अक्षिता जैन।

चयन समिति की बैठक में ये सदस्य रहे मौजूद - 14 अक्टूबर को हुई चयन प्रक्रिया के दौरान सीनियर महिला चयन समिति की अध्यक्ष रीमा मल्होत्रा, चयनकर्ता स्वर्ण चड्ढा और रानी ओझा मौजूद रहीं। इनके अलावा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की क्रिकेट सलाहकार समिति की सदस्य अंजलि शर्मा, मुख्य कोच दीप्ति ध्यानी और सचिव अशोक शर्मा भी बैठक में उपस्थित थे।

श्रीलंका की वनडे टीम में लाहिरू उदारा को मौका, पथुम निसांका बाहर

कोलंबो, 15 अक्टूबर। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका मेडिकल क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए उनकी जगह लाहिरू उदारा को टीम में शामिल किया है। निसांका इंग्लैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट का शिकार हो गए थे। इसी वजह से वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी नहीं खेल सके थे। चार अक्टूबर को घोषित वनडे टीम में उन्हें इस शर्त पर शामिल किया गया था कि मेडिकल जांच में फिट घोषित होने के बाद ही वह टीम के साथ यात्रा करेंगे। हालांकि, उन्हें अब तक वापसी के लिए चिकित्सकीय मंजूरी नहीं मिली है।

उदारा ने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। वह देश के लिए पांच टेस्ट और सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने सितंबर में इंग्लैंड और इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। पाकिस्तान के खिलाफ पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय भिड़ंत में उदारा ने 91 रन की शानदार पारी खेली थी। यह इस प्रारूप में उनका पहला अर्धशतक से बड़ा स्कोर था। इससे पहले वह टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी बल्लेबाजी का दम दिखा चुके हैं। उन्होंने जुलाई 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 188 रन की पारी खेलकर टेस्ट में अपना पहला शतक लगाया था।

निसांका को पाकिस्तान के खिलाफ नौ नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका की 15 सदस्यीय टीम में भी जगह मिली है। हालांकि, इस सीरीज में उनकी भागीदारी भी फिटनेस पर निर्भर करेगी। पाकिस्तान, श्रीलंका और इंग्लैंड के बीच त्रिकोणीय वनडे सीरीज 18 अक्टूबर से शुरू होगी। सीरीज का फाइनल मुकाबला 31 अक्टूबर को खेला जाएगा।

ओलंपिक चैम्पियन सिफान हसन न्यूयॉर्क मैराथन से हटी, बीमारी के कारण तैयारी प्रभावित

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक की मैराथन चैंपियन नीदरलैंड की सिफान हसन ने पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाने के कारण न्यूयॉर्क सिटी मैराथन से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बीमारी के कारण उनका अभ्यास प्रभावित हुआ और वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक तैयारी नहीं कर सकीं। हसन ने लिखा, मैं और मजबूत होकर वापसी करने के लिए बहुत

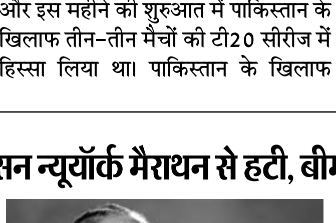

उत्साहित थी, लेकिन बीमारी ने मेरे प्रशिक्षण की रफ्तार धीमी कर दी। मैं उस स्थिति में नहीं हूं, जहां मैं होना चाहती थी। उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं। हसन ने पेरिस ओलंपिक 2024 में मैराथन का स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में पांच हजार और दस हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। वह नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। हसन पिछले साल न्यूयॉर्क के पांचों नगर क्षेत्रों से गुजरने वाली मैराथन में दौड़ी थीं और छठे स्थान पर रही थीं। उसके बाद से उन्होंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

सागरमल मेहता मेमोरियल बैडमिंटन चैम्पियनशिप आज से

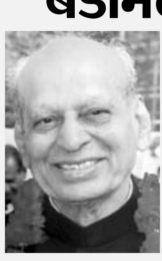

जयपुर, 15 अक्टूबर। राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के तत्वावधान में तृतीय सागरमल मेहता मेमोरियल बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन 16 से 18 अक्टूबर तक सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं सहित पुरुष और महिला अधिवक्ता खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल एवं महासचिव दीपेश शर्मा ने बताया कि स्वर्गीय सागरमल मेहता राजस्थान सरकार के महाधिवक्ता रहे थे। उनकी स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य न्यायिक एवं विधिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा खेल भावना को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला वर्ग के विभिन्न आयु वर्गों में एकल, युगल और मिश्रित युगल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन 16 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे हाई कोर्ट के न्यायाधीश महेन्द्र गोयल द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को 25 साल की जनसेवा पर शुभकामनाएं दीं

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी व जल शक्ति मंत्री पी आर पाटिल से भी मुलाकात की

जयपुर, 15 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री को सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा एवं ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान की विकास यात्रा को नई गति मिल रही है तथा राजस्थान 2047 तक विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की और जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान की विकास यात्रा को नई गति मिल रही है। उनके नेतृत्व में आधारभूत संरचना, निवेश और जल प्रबंधन सहित, विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे अभूतपूर्व कार्यों से राजस्थान वर्ष 2047 तक विकसित प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान गुरुवार को केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा तथा शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात कर महत्वपूर्ण परियोजनाओं और विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात के दौरान प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार, प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री से भेंट कर यमुना जल समझौता, किशाऊ बहुद्देशीय परियोजना, राम जलसेतु लिंक परियोजना और नर्मदा परियोजना के लिए उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने प्रदेश में जल प्रबंधन, पेयजल उपलब्धता और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से संबंधित विषयों पर सार्थक विस्तृत चर्चा भी की।

सुप्रीम कोर्ट मार्च के मामले में राहुल व इंडिया ब्लॉक के नेताओं को नोटिस

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने आज कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं को एक याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में 12 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल करने के लिए उनके मार्च निकालने और कोर्ट रजिस्ट्री में प्रवेश करने पर चिंता जताई गई थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने राहुल गांधी और अन्य नेताओं से जवाब तलब किया है। यह जवाब चार वकीलों द्वारा दायर एक याचिका के संदर्भ में मांगा गया है, जिसमें कोर्ट परिसर के भीतर राजनीतिक प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका वकील दिगंत मिश्रा, दिव्यांश बिष्ट, आशीष गोपाल गर्ग और श्वेता गर्ग ने एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड उत्कर्ष जायसवाल के माध्यम से दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की केरल इकाई के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की भी मांग की है, क्योंकि उन्होंने सीजेआई सूर्य कांत के खिलाफ कुछ टिप्पणियां की थीं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने मांग की कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के आसपास जुलूसों और विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

अजमेर के पूर्व महापौर धर्मेन्द्र गहलोत के निकाय चुनाव लड़ने पर 6 साल की रोक लगी

स्वायत्त शासन विभाग ने व्यवसायिक निर्माण की 13 फाइलों में दोषी करार देते हुए यह निर्णय लिया

अजमेर,15 अक्टूबर (निसं)। स्वायत्त शासन विभाग ने अजमेर नगर निगम के पूर्व महापौर धर्मेन्द्र गहलोत को व्यावसायिक निर्माण की स्वीकृतियों से जुड़ी 13 फाइलों के मामले में दोषी करार देते हुए छह साल तक नगर निकाय चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी है। विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जांच के आधार पर पद के दुरुपयोग के आरोपों को प्रमाणित पाया गया है।

■ नियम विरूद्ध व्यवसायिक निर्माण की स्वीकृतियाँ जारी करने के आरोप की न्यायिक जाँच में धर्मेन्द्र गहलोत दोषी पाये गए। इस आधार पर विभाग ने उन्हें 6 साल तक नगर निकाय चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया।

निदेशक एवं विशिष्ट सचिव जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर की ओर से जारी आदेश के अनुसार, धर्मेन्द्र गहलोत के खिलाफ नियम विरुद्ध तरीके से व्यावसायिक निर्माण की स्वीकृतियां जारी करने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। मामले की जांच के लिए अतिरिक्त जिला कलैक्टर, अजमेर की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी।

समिति की जांच रिपोर्ट में धर्मेन्द्र गहलोत को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने के बाद, राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39(3) के तहत मामले की न्यायिक जांच करवाई गई। न्यायिक जांच अधिकारी, विधि विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर की रिपोर्ट में आरोप प्रमाणित पाए गए। इसके बाद राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 39 (1) के तहत सुनवाई का अवसर देते हुए धर्मेन्द्र गहलोत को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया गया। गहलोत की ओर से नोटिस का जवाब भी प्रस्तुत किया गया। विभाग के आदेश के अनुसार, प्रस्तुत स्पष्टीकरण, जांच समिति की रिपोर्ट और न्यायिक जांच अधिकारी की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद पद का दुरुपयोग किया जाना प्रमाणित पाया गया। इसी आधार पर विभाग ने धर्मेन्द्र गहलोत के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें छह साल तक नगर निकाय चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया।

'2014 के बाद से आतंकवादियों की "शैल्फ लाइफ" एक साल से भी कम हो गई है'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, सुरक्षा बल भारत के खिलाफ हथियार उठाने वालों को एक साल में ही खत्म कर देते हैं

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चुनौती देते हुए कहा है कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझना चाहिए। हम अपनी संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं, इसलिए अब पाकिस्तान से शुरू होने वाला कोई भी आतंकी काम और भी कड़े जवाब को न्योता देगा। भारत के ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक से पता चलता है कि भारत कूटनीतिक आलोचना से हटकर आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सक्रिय कार्रवाई कर रहा है।

■ रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में डिफैंस कॉनक्लेव में पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसकी तरफ से कोई भी आतंकी हरकत हुई तो ऑपरेशन सिंदूर से भी बड़ा एक्शन लिया जाएगा।

नई दिल्ली में गुरुवार को एक डिफेंस कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि 2014 के बाद से ज्यादातर आतंकवादियों की 'शेल्फ लाइफ' एक साल से भी कम हो गई है और सुरक्षा बलों ने भारत के खिलाफ हथियार उठाने के एक साल के अंदर ही उन्हें खत्म कर दिया है। रक्षा मंत्री ने शांति बनाए रखने के लिए ताकत और काबिलियत को जरूरी बताया।

बदलते सुरक्षा माहौल पर राजनाथ सिंह ने हाइब्रिड, हाई-टेक और हाइपर वॉरफेयर के इस दौर में ज्यादा सतर्कता और तैयारी की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि आतंकवाद संगठित ग्रुप से आगे बढ़ रहा है और उभरते खतरों में 'लोन-वुल्फ' हमले और 'व्हाइट-कॉलर आतंकवाद' शामिल हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए कट्टरपंथी लोगों की पहचान करना और संभावित हमलों को रोकना मुश्किल होता जा रहा है। रक्षा तैयारियों पर राजनाथ सिंह ने 'हार्ड पावर' को 'सॉफ्ट पावर' के साथ मिलाने की जरूरत पर जोर दिया और 'स्मार्ट पावर' की ओर बदलाव का आव्हान किया।

सरकार की कोशिशों की वजह से डिफेंस सेक्टर में हुई ग्रोथ पर राजनाथ सिंह ने कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन 2014 में 40 हजार करोड़ रुपये से बढ़ कर रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है। रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये से बढ़ कर 39,000 करोड़ रुपये के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है और भारत के रक्षा उत्पाद लगभग 100 देशों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस साल 2 लाख करोड़ रुपये और 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन के लक्ष्य को हासिल कर लेगा और 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उत्पाद निर्यात करेगा।

आमिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों के लिए निर्धारित नियमों का उल्लंघन किया है।

नोटिस देने की प्रमुख वजह इमरान खान की नागरिकता और भारत में उनके रहने की कानूनी स्थिति बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, इमरान खान अमेरिकी नागरिक हैं और भारत में ओसीआई कार्ड के आधार पर रह रहे हैं। ओसीआई कार्ड भारतीय नागरिकता नहीं है। इसलिए इसके धारकों को भारत में रहने और यात्रा करने की कई सुविधाएं तो मिलती हैं, लेकिन उन्हें भारतीय नागरिकों के सभी संवैधानिक और राजनीतिक अधिकार हासिल नहीं होते।

एक नवम्बर से कॉलर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्विस प्रोवाइडर्स (टीएसपी) को 1 नवंबर, 2026 से कॉलिंग नेम प्रेज़ेंटेशन (सीएनएपी) सेवा शुरू करने का निर्देश दिया है। सीएनएपी भारत की सत्यापित कॉलर पहचान प्रणाली है, जिसके जरिए कॉल करने वाले का नंबर और नाम स्क्रीन पर दिखाया जा सकता है।

दूरसंचार विभाग के आदेश के अनुसार, 4जी और उससे आगे की पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क, जैसे 5जी, पर सभी यूज़र्स के लिए सीएनएपी डिफॉल्ट रूप से सक्रिय रहेगा। कॉल आने पर इस सुविधा के जरिए फोन की स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम और नंबर दिखाई देगा। आदेश में कहा गया है कि टू जी और थ्री जी नेटवर्क तथा सार्वजनिक स्विच्ड टेलीफोन नेटवर्क पर इस सेवा को लागू करने के बारे में अलग से विचार किया जाएगा।

आदेश के अनुसार, कॉल आने पर स्क्रीन पर सबसे पहले कॉल करने वाले का नंबर दिखाई देगा, फिर उस व्यक्ति का नाम दिखेगा, जो प्राप्तकर्ता के फोन की कॉन्टैक्ट सूची में सेव है। यदि नंबर सेव नहीं है, तो घरेलू कॉल के मामले में कॉल करने वाले का वह नाम दिखाया जाएगा, जो मूल दूरसंचार ऑपरेटर के ग्राहक डेटाबेस में दर्ज है।

अंतरराष्ट्रीय कॉल आने पर स्क्रीन पर "इंटरनैशनल" लिखा दिखाई देगा।

प्रत्येक दूरसंचार सेवा प्रदाता को ऐसा डेटाबेस स्थापित करना, संचालित करना और उसका रखरखाव करना होगा, जिसमें ग्राहकों के नाम उनके फोन नंबरों से जुड़े होंगे। कॉल प्राप्त करने वाला ऑपरेटर इस डेटाबेस से नाम हासिल करेगा और उसे कॉल पाने वाले यूज़र की स्क्रीन पर प्रदर्शित करेगा।

दिल्ली पुलिस को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति नहीं दे सकता। खासकर तब, जब किसी ऐसे संगठन ने विरोध प्रदर्शन का आ ान किया हो, जिसका हाल का इतिहास भीड़ की हिंसा, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा कई लोगों के घायल होने की घटनाओं से जुड़ा हो। इसके बाद 6, 7 और 8 अक्टूबर को भी घटनाएं हुई थीं।"

हलफनामे में कहा गया, "पुलिस प्रशासन के ईमानदार प्रयासों के बावजूद, उसकी कार्रवाई को लेकर गलत धारणा फैलाने की कोशिश की जा रही है।"

यह हलफनामा अदालत की अवमानना के उस मामले में दाखिल किया गया, जिसमें आरोप है कि अधिकारियों ने 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली में मेट्रो और ट्रेन सेवाओं पर किसी भी तरह की पूर्ण रोक नहीं लगाने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन किया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बैंच गुरुवार को इस मामले की सुनवाई करने वाली है।

ग्यारह अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि याचिकाकर्ताओं ने मेट्रो और ट्रेन सेवाओं को लेकर अदालत के निर्देशों के कथित उल्लंघन के मामले में, पहली नज़र में अपना पक्ष साबित करने वाले आधार पेश किए हैं। बैंच ने पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार, केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की अध्यक्ष डी. थारा को नोटिस जारी किए थे।

ज्ञातव्य है कि सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन का आव्हान किया था। पार्टी ने उन पर मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं के आरोप लगाए थे।

यमन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार करती है। धमाकों के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए वहां से भागने लगे। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

यमन सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि अदन में मौजूद सरकार के नेता सुरक्षित हैं। हालांकि, सरकार के कई बड़े नेता देश से बाहर रह रहे हैं।

हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने अदन में सऊदी अरब से जुड़े सैन्य मुख्यालय को निशाना बनाया।

सरकारी तबादलों में मनमानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारी के तबादले के प्रस्ताव के साथ इन बिंदुओं पर आवश्यक टिप्पणी नहीं होगी, तो वरिष्ठ उप शासन सचिव, उप शासन सचिव या सहायक शासन सचिव स्तर से आयुक्त, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के माध्यम से प्रस्ताव संबंधित विभागाध्यक्ष को अनुपालन के लिए वापस भेज दिया जाएगा।

ज्ञात रहे कि हाईकोर्ट ने 17 अगस्त को अपने आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में स्पष्ट तबादला नीति (ट्रांसफर पॉलिसी) बनाने के लिए पूर्व न्यायाधीश आलोक शर्मा, महाधिवक्ता और मुख्य सचिव को मिलाकर एक राज्यस्तरीय कमेटी बनाई जाए, जो आगामी 2 माह के भीतर नीति निर्धारण करे। इस नीति के तहत यह तय किया जाए कि विभागाध्यक्षों को तबादला प्रस्ताव, सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के लिए भेजने से पहले यह स्पष्ट करना होगा कि किसी अनिवार्य वैधानिक प्रावधान का उल्लंघन तो नहीं हुआ है। जिस कर्मचारी का तबादला करना प्रस्तावित है, उसने निर्धारित सामान्य कार्यकाल पूरा किया है या नहीं। समय से पहले तबादला होने पर उसके प्रशासनिक कारण भी बताने होंगे।

इसके साथ ही दुर्गम, दूरस्थ, पिछड़े और सीमावर्ती स्थानों पर तैनात कर्मचारियों की स्थिति तथा उनके पिछले कार्यकाल और तबादले की जानकारियां देनी होंगी। पति-पत्नी से संबंधित परिस्थितियों, चिकित्सा एवं दिव्यांगता संबंधी जरूरतों, सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचे कर्मचारियों तथा विधवा, तलाकशुदा या परित्यक्त कर्मचारियों की प्रासंगिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। इसके अलावा, तबादले वाले स्थान पर स्वीकृत पद की उपलब्धता, कम समय में बार-बार तबादले, दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई या बाहरी प्रभाव के आरोप, कर्मचारी की ओर से पहले दिए गए अभ्यावेदन तथा लागू विभागीय तबादला नीति और सरकारी निर्देशों की भी जांच करनी होगी। इसके अतिरिक्त, तबादले की वैधता, औचित्य और निष्पक्षता से जुड़े अन्य प्रासंगिक पहलुओं पर भी विचार करना होगा।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान कैबिनेट ने भले ही किसी तबादला नीति को लागू नहीं किया हो, परंतु हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद, राज्य सरकार और इसके अधीन सभी विभागों के पास तबादला करने से पूर्व निर्धारित बिंदुओं का एक प्रपत्र तैयार हो गया है, जो कि तुरंत लागू हो सकता है, क्योंकि हाईकोर्ट ने इन बिंदुओं पर राज्यस्तरीय कमेटी की भी जवाबदेही तय की है।

पानी की बोतल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थित बीबीसीएन रॉयल रेस्टोरेंट एंड पार्टी हॉल गए थे।

वहां उन्होंने पानी की एक बोतल मंगाई। बोतल पर अधिकतम खुदरा मूल्य 18 रुपये छपा था, लेकिन रेस्टोरेंट ने उनसे 20 रुपये वसूले।

हालांकि, कीमत का अंतर केवल 2 रुपये था, लेकिन अग्रवाल ने रेस्टोरेंट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लिया।

घटना के बाद, अग्रवाल ने अलीगढ़ के जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई।

सुनवाई के दौरान, उन्होंने सबूत के तौर पर रेस्टोरेंट का बिल और पानी की बोतल का फोटो पेश की।

बिल में स्पष्ट रूप से दर्ज था कि रेस्टोरेंट ने बोतल के लिए 20 रुपये वसूले थे, जबकि उस पर छपा अधिकतम खुदरा मूल्य 18 रुपये था।

इस साल के अंत तक शुरु हो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें हवा के प्रवाह पर आधारित शीतलन व्यवस्था (एयरफ्लो बेस्ड कूलिंग) और साइकिल रखने की सुविधा भी होगी, जिससे पर्यावरण के अनुकूल परिवहन और यात्रा के अंतिम पड़ाव तक आने-जाने में मदद मिलेगी।

इस लॉन्च के साथ मुंबई, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाद, भारत के दूसरे सबसे बड़े मैट्रो रेल ऑपरेटर के तौर पर अपनी जगह को और मजबूत करेगा। मुंबई में फिलहाल 101 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क चालू है और प्रतिदिन लगभग 16 लाख यात्री इसका इस्तेमाल करते हैं।

मुंबई में चार मेट्रो लाइनें पूरी तरह से चालू हैं। इनमें 11.4 किलोमीटर लंबी वर्सोवा-घाटकोपर लाइन शामिल है, जिसे 2014 में शुरू किया गया था। इसके अलावा, 18.6 किलोमीटर लंबा दहिसर ईस्ट-अंधेरी वेस्ट कॉरिडोर है, जिसे 2022-23 में अलग-अलग चरणों में खोला गया था। 33.5 किलोमीटर लंबा आरे-कफ परेड का पूरी तरह भूमिगत मार्ग 2025 में शुरू हुआ था। वहीं, 16.5 किलोमीटर लंबी दहिसर ईस्ट-गुंदवली लाइन 2022-23 में चालू हुई थी।

दो अन्य मेट्रो लाइनें आंशिक रूप से चालू हैं। इनमें लाइन 2बी का फेज़ 1 शामिल है, जो मंडाले-डायमंड गार्डन को चेंबूर से जोड़ता है। इसके अलावा, दहिसर ईस्ट-मीरा रोड हिस्से पर लाइन 9 का पहला फेज़ है।

लगभग आधा दर्जन और मेट्रो लाइनें निर्माणाधीन हैं। इन सभी को 2028-29 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

लॉन्च इवैंट में बोलते हुए एल्स्टॉम इंडिया के प्रबंध निदेशक ओलिवियर लॉयसन ने कहा, "मुंबई की सस्टेनेबल मोबिलिटी जर्नी में एक पसंदीदा पार्टनर के रूप में, हमें विश्वास है कि हमारी उन्नत रेल तकनीक और उत्पाद हर मुंबईकर को वर्ल्ड क्लास ट्रैवल एक्स्पीरिएंस देंगे।" लार्सन एंड टुब्रो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस. रामकुमार ने एल्स्टॉम और एमएमआरडीए के साथ इस सहयोग को एक "महत्वपूर्ण उपलब्धि" बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी भविष्य की परियोजनाओं में भी विभिन्न प्रणालियों को बेहतर तरीके से एकीकृत करने में मदद करेगी।

'धर्म परिवर्तन करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवर्तन के अधिकार की रक्षा करना था, ताकि धर्म बदलने वाले व्यक्ति को अपने समुदाय से जुड़े सामाजिक लाभों से वंचित न होना पड़े। फिर भी, मद्रास हाई कोर्ट ने 25 जून को इस सरकारी आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि ईसाई और इस्लाम धर्म के सिद्धांतों में जाति व्यवस्था नहीं है।

इसलिए इन धर्मों को अपनाने वाले व्यक्ति हिंदू के रूप में अपनी जाति की पहचान का दावा नहीं कर सकते। हाई कोर्ट का यह फैसला समीर अहमद की याचिका के बाद आया था। उन्होंने 2015 में इस्लाम धर्म अपनाया था और 2024 के सरकारी आदेश के तहत "मुस्लिम लेब्बाई" समुदाय का प्रमाणपत्र पाने के लिए आवेदन किया था। तहसीलदार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की, जिसके परिणामस्वरूप राज्य सरकार का आदेश रद्द कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु सरकार की अपील खारिज करने के साथ, 2024 के सरकारी आदेश को असंवैधानिक घोषित करने वाला मद्रास हाई कोर्ट का फैसला अब अंतिम हो गया है।

17 राज्यों में स्पैशल समरी रिविज़न के लिए निर्देश जारी

अगले वर्ष तीन क्वालिफाइंग डेट्स के लिए अग्रिम आवेदन दिए जा सकेंगे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। चुनाव आयोग ने 17 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (स्पैशल समरी रिविज़न-एस.एस.आर,) के निर्देश दिए हैं। इसके तहत 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि क्वालिफाइंग डेट के आधार पर मतदाता सूची को संशोधित किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2027 की तीन अन्य अर्हता तिथियों के लिए भी अग्रिम आवेदन लिए जाएंगे।

■ चुनाव आयोग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अभी एसआईआर शुरु नहीं हुआ है। वहाँ की मौसम स्थितियों को देखते हुए पुर्ननिरीक्षण कार्यक्रम उचित समय पर घोषित किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिये हैं। इस एसएसआर का उद्देश्य मतदाता सूची में छूट गए पात्र लोगों, युवाओं और पहली बार मतदान के लिए पात्र नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करना है। इसमें अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, असम, बिहार, छत्तीसगढ़ , गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, मणिपुर, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

आयोग ने पत्र में लिखा है कि 29 सितंबर 2026 को जारी निर्देशों के क्रम में यह फैसला लिया गया है। इसके तहत एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 की अर्हता तिथियों के लिए भी पात्र नागरिकों से अग्रिम आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। आयोग ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में अभी तक एसआईआर शुरू नहीं किया गया है। वहां की मौसम स्थितियों को ध्यान में रखते हुए पनरीक्षण कार्यक्रम उचित समय पर घोषित किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत, मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण और पुनर्व्यवस्थापन 2 नवंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 नवंबर को होगा। इसके बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक का समय दिया जाएगा। दावों और आपत्तियों का निपटान 28 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची 4 जनवरी को जारी होगी।

हर जगह सफेद स्कॉर्पियो मेरा पीछा कर रही है'

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि उनके ठहरने की जगह को चारों ओर से सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने घेर रखा है और उन पर लगातार नजर रखी जा रही है।

अभिजीत दीपके ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, "मैं जहां ठहरा हुआ हूं, उस जगह को चारों तरफ से सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने घेर रखा है। ये लोग लगातार मेरी निगरानी कर रहे हैं। सफेद रंग की स्कॉर्पियो भी हर जगह मेरा पीछा कर रही है।" दीपके का यह बयान ऐसे समय आया है, जब शुक्रवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर प्रशासन और पुलिस सतर्क हैं। इस प्रदर्शन को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की गई है।

टैक्सस में विशाल ऑयल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों सरकारें व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रही हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 15 अक्टूबर को कहा कि बातचीत अंतिम चरण के करीब है, हालांकि कानूनी मसौदा तैयार करने और कुछ लंबित मुद्दों पर अभी काम बाकी है। ऐसे में रुबियो की बातचीत उस समझौते को लेकर राजनीतिक गति बनाए रखने का अवसर दे सकती है, जिसे दोनों पक्ष आगे बढ़ाना चाहते हैं।

द्विपक्षीय तनाव ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए श्रम प्रमाणन कार्यक्रम से भारतीय कंपनियों समेत कई कंपनियों को निलंबित किए जाने के अमेरिकी फैसले ने कुशल कर्मचारियों की आवाजाही को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं। नई दिल्ली ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी पर भी आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने विदेशी प्रौद्योगिकी कर्मचारियों को "विदेशी बंधुआ मजदूर" बताया था।

ये विवाद दोनों देशों के संबंधों में मौजूद एक व्यापक विरोधाभास को उजागर करते हैं। दोनों देश आर्थिक एकीकरण को गहरा करना चाहते हैं, लेकिन इमिग्रेशन, बाज़ार तक पहुंच और विदेशी कंपनियों के साथ व्यवहार को लेकर उनके बीच मतभेद बने हुए हैं।

रुबियो के दौरे के समय को लेकर एलन मस्क की रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी पर हालिया टिप्पणी के कारण भी चर्चा हुई है। खबरों के अनुसार, भारत में स्टारलिंक की शुरुआत से जुड़ी कथित नियामकीय देरी के बीच मस्क ने अंबानी को पीएम अंबानी कहा था। रिलायंस का जियो कारोबार और स्टारलिंक उपग्रह इंटरनेट बाज़ार में एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं।

हालांकि, ऐसा कोई पुष्ट सबूत नहीं है कि मस्क की टिप्पणी के कारण रुबियो के दौरे का कार्यक्रम तय किया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के आधिकारिक कार्यक्रम में रणनीतिक सहयोग, ऊर्जा और वाणिज्यिक निवेश पर जोर दिया गया है। रिफाइनरी का दौरा सार्वजनिक बयानबाजी से अलग, अपने आप में स्पष्ट आर्थिक महत्व रखता है।

रुबियो की यात्रा के बाद भी उच्चस्तरीय संपर्क जारी रहने की संभावना है। इसी महीने के अंत में एटलांटा में जी-20 की बैठक के दौरान विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिसंबर में फ्लोरिडा में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने की भी उम्मीद है। इससे उन्हें अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बातचीत का एक और अवसर मिल सकता है।

दोनों सरकारों के सामने तत्काल चुनौती यह है कि क्या इमिग्रेशन से संबंधित मतभेदों के कारण दोनों देशों के संबंधों में आ रहे अवरोध को रणनीतिक सहयोग व व्यवसायिक हित से रोका जा सकता है। जामनगर साझा आर्थिक हितों का एक प्रभावशाली प्रतीक है, लेकिन इस प्रतीक को टिकाऊ समझौते में बदलने के लिए दोनों पक्षों को रियायतें देनी होंगी और नीतिगत स्थिरता सुनिश्चित करनी होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908